RNI NO. ASSHIN/2016/72966 PRATAH KHABAR, Jorhat, Monday, 8 June, 2026 वर्ष 23 अंक 39, जोरहाट, सोमवार 8 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष-8 मूल्य : दस रुपये पेज-12

गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Monday, 8 June, 2026 वर्ष 23 अंक 39, गुवाहाटी, सोमवार 8 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष-8 मूल्य : दस रुपये पेज-12

टेनिस की नयी क्वीन बनीं एंड्रीवा-10

आमिर खान ने तीसरी शादी की खबर को कन्फर्म किया-12

सुप्रभातम्

किस्मत की आजमाइश जुए में होती है, जीवन में नहीं। जीवन में सफलता पाने के लिए अपने कर्म और मेहनत पर विश्वास करना सबसे जरूरी है।

इंडिया गठबंधन की बैठक आज, 23 दल होंगे शामिल

टीएमसी का समर्थन, डीएमके ने बनायी दूरी

नयी दिल्ली, 7 जून (एजें)। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की महत्वपूर्ण बैठक कल दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित होगी। यह बैठक हालिया विधानसभा चुनावों के बाद गठबंधन की पहली बड़ी बैठक मानी जा रही है, ऐसे समय में जब कई सहयोगी दलों के बीच मतभेद भी सामने आये हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भारत की तरह इंडिया जनबंधन भी अपनी विविधता के साथ एकजुट है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बैठक को लेकर मजबूत समर्थन जताया है। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी रविवार को दिल्ली

पहुंचीं। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि सभी दल साझा उद्देश्य और स्पष्ट इरादे के साथ बैठक में शामिल हो रहे हैं। बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई बड़े नेता शामिल हो सकते हैं। हालांकि बैठक का आधिकारिक एजेंडा जारी नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि कई राष्ट्रीय और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा होगी। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह लोगों के वोट के अधिकार को कमजोर कर रही है। संविधान पर लगातार हमला कर रही है। विपक्षी नेताओं पर जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ा रही है और विदेश नीति में राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है। इन मुद्दों पर विपक्षी दल साझा रणनीति बना सकते हैं। बैठक से पहले गठबंधन के भीतर मतभेद भी खुलकर सामने आये हैं। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के बैठक में शामिल होने की संभावना कम है। डीएमसे ने तमिलनाडु में कांग्रेस पर विश्वासघात का आरोप लगाया है। वहीं आम आदमी पार्टी (आज) के भी बैठक में शामिल न होने की खबर है। केरल चुनाव के दौरान कांग्रेस नेताओं द्वारा सीपीआईएम पर भाजपा से सांठगांठ के आरोप लगाये जाने के बाद दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। सीपीआईएम के महासचिव एमए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को पत्र लिखकर इन शेष पृष्ठ आठ पर

घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपये महंगा

तीन महीने में बढ़े 89 रुपये

नयी दिल्ली, 7 जून (एजें)। घरेलू एलपजी सिलेंडर 29 रुपये महंगा हो गया है। नयी दरें आज रात 12 बजे से लागू हो गयी हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलो वाला गैस सिलेंडर 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये का हो गया है। तीन महीने में दूसरी बार की कीमत बढ़ायी गयी है। इससे पहले 7 मार्च को सिलेंडर के दाम 60 बढ़ाये गये थे। इस तरह 3 महीने के अंदर घरेलू सिलेंडर 89 रुपये महंगा हो गया है। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के अनुसार तेल कंपनियों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा लागत और घरेलू बिक्री पर नुकसान के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं। इस बीच सरकार का कहना है कि दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय परिवारों को सबसे सस्ती कुकिंग गैस मिल रही है। भारत में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत पड़ोसी देशों और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसी एडवांस इकोनॉमी के मुकाबले काफी कम है। वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ती लागत का बोझ सरकार खुद उठा रही है और इसे आम उपभोक्ताओं पर पास-ऑन नहीं होने दिया गया है। भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जुड़ी हुई हैं। इसके बावजूद सरकार घरेलू एलपीजी की कीमतों को नियंत्रित रखती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल रिफिलिंग पर प्रति सिलेंडर 300 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी सीधे बैंक खाते में मिलती है। यह छूट साल के पहले 4 सिलेंडरों पर लागू होती है, जिससे उन्हें एक सिलेंडर प्रभावी रूप से 642 रुपये का पड़ता है। भारत में 10.58 करोड़ से ज्यादा उज्ज्वला कनेक्शन हैं।

शाह का सीमावर्ती क्षेत्रों में वित्तीय लेन-देन पर निगरानी का आह्वान

अगरतला, 7 जून (भा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के अपने हालिया दौरे में अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के आसपास वित्तीय लेन-देन, इमारतों के निर्माण और संपत्तियों की खरीद-बिक्री पर अधिक कड़ी निगरानी रखे जाने का आह्वान किया। कल जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। यह निर्देश केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के त्रिपुरा फ्रंटियर मुख्यालय में हुई बैठक के दौरान दिया गया। बैठक पूर्वोत्तर राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों से संबंधित थी। बयान में कहा गया कि शाह ने सीमाओं के आसपास वित्तीय लेनदेन, बड़ी इमारतों के निर्माण और संपत्तियों की खरीद-बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने को कहा तथा पिछले पांच वर्षों के भूमि अभिलेखों की जांच करने का निर्देश दिया। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्रीय शेष पृष्ठ आठ पर

अमेरिका में भारत के आईटी प्रोफेशनल की हत्या

वॉशिंगटन डीसी, 7 जून (एजें)। अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर में तेलंगाना के 28 साल के भारतीय युवक अंशुल कुंचा की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। परिवार का आरोप है कि यह कोई लूटपाट नहीं बल्कि पहले से रची गयी साजिश थी। उनका कहना है कि अंशुल को एक फेक पिज्जा ऑर्डर देकर सुनसान इलाके में बुलाया गया और वहां पहुंचते ही हमलावरों ने उनके सिर में गोलियां मार दीं। कल देर रात उन्हें फिलाडेल्फिया के रेमंड रोसेन होम्स नामक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के एक पते पर पिज्जा पहुंचाने का ऑर्डर मिला। जब वह वहां पहुंचे तो वहां कोई ग्राहक मौजूद नहीं था। इसी दौरान दो अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया और उनके सिर में कई गोलियां मार दीं। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गये। अमेरिका में अच्छी नौकरी होने के बावजूद अंशुल एक्स्ट्रा कमाई के लिए वीकेंड पर पिज्जा डिलीवरी का पार्ट-टाइम काम करते थे। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक फिलाडेल्फिया हाउसिंग अथॉरिटी के सीसीटीवी कैमरों में अंशुल पिज्जा लेकर जाते हुए दिखाई देते हैं। फुटेज में उनके पीछे काले कपड़े पहने और बैकपैक लिए दो लोग भी नजर आते हैं। पुलिस इन्हीं तस्वीरों के आधार पर हमलावरों शेष पृष्ठ आठ पर

प्रधान को सात दिन में हटाना होगा पद से : दीपके

नयी दिल्ली, 7 जून (भा)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने रविवार को उन हजारों लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में जंतर-मंतर पर सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सात दिन के भीतर पद से नहीं हटाया गया या उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया, तो सीजेपी का आंदोलन जारी रहेगा। दीपके ने एक्स पर एक पोस्ट में जंतर-मंतर पर कल हुए विरोध-प्रदर्शन को शक्ति प्रदर्शन का ऐतिहासिक उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन शिक्षा प्रणाली से जुड़े मुद्दों को लेकर छात्रों और युवाओं के बीच बढ़ते गुस्से को दर्शाता है। दीपके ने लिखा कि कल हम हजारों लोगों ने इतिहास रच दिया। जंतर-मंतर पर हमारे शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन ने सरकार को इस बात का ट्रेलर दिखा दिया कि जब हम कॉकरोच एकजुट होते हैं, तो क्या कर सकते हैं। शेष पृष्ठ आठ पर

राज्य में सुशासन व विकास को रफ्तार देने की बड़ी पहल

हिमंत ने मंत्रियों को सौंपे अभिभावक जिले

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य सरकार के मंत्रियों को उनके अंतर्गत आने वाले अभिभावक जिलों के आवंटन की एक घोषणा की है। इस रणनीतिक प्रशासनिक व्यवस्था के तहत विभिन्न मंत्रियों को अलग-अलग जिलों की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गयी है, जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सरकारी योजनाओं की निगरानी करना और राज्य में विकास कार्यों की रफ्तार को और तेज करना है। जिलों के इस नये आवंटन के तहत वरिष्ठ नेता रामेश्वर तेली को तिनसुकिया और जोरहाट जिलों का प्रभार दिया गया है, जबकि कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा को कामरूप महानगर और धेमाजी जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसी तरह चरण बोड़ो को कोकराझाड़, बाक्सा और चिरांग जिलों का अभिभावक मंत्री नियुक्त किया गया है, वहीं अजंता नेउग को मोरीगांव और कामरूप ग्रामीण जिलों का जिम्मा मिला है। इसके अतिरिक्त अश्विनी राय सरकार को

बंगाईगांव और बरपेटा की जिम्मेदारी दी गयी है तथा अशोक सिंघल को दरंग और धुबरी जिलों का प्रभार सौंपा गया है। प्रशासनिक समन्वय को मजबूत करने के इसी क्रम में बिमल बोरा को शिवसागर और चराइदेव जिलों की कमान सौंपी गयी है, जबकि विश्वजीत दैमारी को नलबाड़ी और शोणितपुर जिलों के अभिभावक मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर जयंत मल्लबरुआ को तामुलपुर और ग्वालपाड़ा जिलों का दायित्व मिला है। कौशिक राय को श्रीभूमि तथा हैलाकांडी जिलों की देखरेख की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही केशव महंत को दक्षिण सालमारा-मानकाचर और उत्तर लखीमपुर जिलों का प्रभार मिला है, जबकि कृष्णेंदु पॉल को डिमा हसाओ और कछार जिलों की कमान सौंपी गई है। मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों में नीलिमा देवी को बजाली और उदालगुड़ी जिलों का दायित्व सौंपा गया है। वहीं पीयूष हजारिका को सबसे अधिक कार्यभार देते हुए नगांव, शेष पृष्ठ आठ पर

अजमल ने की श्रीभूमि हिंसा मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। एआईयूडीएफ सुप्रीमो एवं बिन्नाकांडी के विधायक बदरुद्दीन अजमल ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को अलग-अलग ज्ञापन भेजकर श्रीभूमि जिले के पाथरकांडी थाना क्षेत्र के नालूगांव में मासूम अल्पसंख्यकों पर हुए बेरहम हमले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन के अनुसार 1 जून की शाम को पाथरकांडी के मामबारी निवासी आलिम उद्दीन और इस्लाम उद्दीन गुमशुदा मवेशियों की तलाश में नालूगांव गये थे, जहां एक गिरोह ने उन पर एयर गन और धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये और फिलहाल सिलचर मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। इस घटना से इलाके में डर और असुरक्षा का माहौल है। पीड़ित परिवार ने पुलिस को आरोपियों के खिलाफ वीडियो शेष पृष्ठ आठ पर

नगांव उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने कसी कमर

गौरव गोगोई का सरकार पर तीखा हमला

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। प्रदेश कांग्रेस ने आगामी दिनों में होने वाले नगांव लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। विस चुनावों में मिली करारी हार के बाद पार्टी अब नगांव लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पूरी तरह कमर कस चुकी है। इसी सिलसिले में आज महानगर के एबीसी स्थित पार्टी मुख्यालय राजीव भवन में पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई के नेतृत्व में हुई इस बैठक में पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया, जहां मुख्य रूप से नगांव लोकसभा सीट के उपचुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गयी। बैठक के बाद गोगोई ने कहा कि पार्टी में सुधार करने और जनता के सुझावों को लागू कर संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगामी सभी चुनावों के लिए तैयार है, जिसमें नगांव का उपचुनाव भी शामिल है और उन्हें उम्मीद है कि चुनाव आयोग जल्द ही इसकी तारीखों का ऐलान करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी नेतृत्व ने नगांव और मरिगांव के जमीनी माहौल को अच्छी तरह समझा है। सरकार पर निशाना साधते हुए गोगोई ने कहा कि जब वे जनता के बीच जा रहे हैं तो लोग कह रहे हैं कि इस सरकार ने पहले ही दिन से जनता को भुला दिया है। असम के

लोग देख रहे हैं कि सरकार के भीतर पहले दिन से ही शीतयुद्ध चल रहा है और मंत्री पद न मिलने की वजह से कई नेताओं में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि देश और राज्य में चल रहे आर्थिक संकट के बीच सरकार को बेहतर नीतियां बनानी चाहिए थीं, लेकिन इस सरकार के पास उच्च शिक्षा को लेकर कोई ठोस नीति नहीं है। असम के युवाओं को यहां मौके नहीं मिल रहे हैं, जिसके कारण उन्हें बाहर जाना पड़ रहा है। सरकार को युवा पीढ़ी के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। जनता सब समझ चुकी है कि सरकार बने अभी एक महीना भी नहीं हुआ और राशन की सामग्री मिलनी बंद हो गयी है, साथ ही हर तरफ महंगाई बढ़ रही है। गोगोई ने भाजपा पर हमला जारी रखते हुए कहा कि लोग जान चुके हैं कि भाजपा कैसे वैध और अवैध तरीकों से सत्ता हथियाने में माहिर है और वह पूरी तरह अवैध माध्यमों पर निर्भर है। सरकार के पास देश, शासन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और रोजगार को लेकर न तो कोई ज्ञान है और न ही कोई सोच। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि जैसे भाजपा सीटें जीतने का दावा करती है, वैसे ही अब यह बताये कि रसोई गैस और बिजली के दाम कितने बढ़ेंगे और कितने लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने आत्ममंथन करते हुए कहा कि जनता अब कांग्रेस से कुछ नया चाहती है और पार्टी लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेगी। शेष पृष्ठ आठ पर

विशेष असम टेट-2026 की परीक्षा 28 को

12 से होंगे एडमिट कार्ड डाउनलोड

नयी दिल्ली, 7 जून (एजें)। विशेष असम शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी)-2026 के लोअर प्राइमरी (एलपी) और अपर प्राइमरी (यूपी) स्तर की लिखित परीक्षा 28 जून को आयोजित की जाएगी। इस संबंध में संबंधित प्राधिकरण द्वारा आधिकारिक अधिसूचना जारी की गयी है। यह परीक्षा बोड़ो, गारो, मणिपुरी और हमर माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी 12 जून 2026 को सुबह 11 बजे से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम की आधिकारिक वेबसाइट से अपने प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) डाउनलोड कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन के समय उपयोग किए गए आवेदन संख्या और पासवर्ड से लॉगिन करना होगा। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड की मुद्रित प्रति (प्रिंटआउट) के साथ सरकार द्वारा जारी वैध फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मान्य पहचान पत्रों में आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तथा मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) शामिल हैं। दिव्यांगजन श्रेणी के उम्मीदवारों को सक्षम प्राधिकारी अथवा जिला आयुक्त द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। ऐसे अभ्यर्थियों को आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार रखने की सलाह दी गयी है। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। किसी भी उम्मीदवार को मोबाइल फोन, चाहे वह बंद ही क्यों न हो, परीक्षा कक्ष में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा स्मार्ट वॉच, डिजिटल घड़ी, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, माइक्रोफोन, कैलकुलेटर, पेन ड्राइव या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक अथवा डेटा स्टोरेज उपकरण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केंद्रों पर इन शेष पृष्ठ आठ पर

जापान की प्रधानमंत्री सनाये ताकाइची का असम दौरा संभव

गुवाहाटी में हो सकता है दोनों देशों का शिखर सम्मेलन

नयी दिल्ली, 7 जून (एजें)। जापान की प्रधानमंत्री सनाये ताकाइची अपने प्रथम आधिकारिक विदेश दौरे पर भारत आ सकती हैं। इस संभावित यात्रा के दौरान असम एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में उभर रहा है, जबकि गुवाहाटी में भारत-जापान के बीच उच्चस्तरीय द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन आयोजित होने की संभावना जतायी जा रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हालांकि अभी तक इस यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जुलाई के प्रारंभ में संभावित दौरे को लेकर तैयारियों पर चर्चा शुरू हो चुकी है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत गुवाहाटी में एक महत्वपूर्ण भारत-जापान शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा सकता है, जो पूर्वोत्तर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक अवसर साबित होगा। इस संभावित दौरे को लेकर असम के सरकारी हलकों में उत्साह का माहौल है। अधिकारियों का मानना है कि यह राज्य की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय महत्ता तथा भारत की वैश्विक रणनीतिक साझेदारियों में उसकी भूमिका को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार यह यात्रा भारत और जापान के बीच प्रचलित शटल डिप्लोमेसी के ढांचे के अंतर्गत हो सकती है, जिसके तहत दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच नियमित द्विपक्षीय मुलाकातें होती हैं। प्रस्तावित बैठक में व्यापार एवं निवेश, आधारभूत संरचना विकास, तकनीकी सहयोग तथा आर्थिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। शेष पृष्ठ आठ पर

नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के साथ संबंधों पर कहा

अतीत की चिंताओं से मुक्त साझेदारी का निर्माण हो

नयी दिल्ली, 7 जून (भा)। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने आज कहा कि नेपाल भारत के साथ अपने सीमा विवाद को मौजूदा द्विपक्षीय तंत्रों के माध्यम से हल करना चाहता है, क्योंकि जब दोनों पक्ष खुले दिल, तर्कसंगत दिमाग और आपसी सम्मान के साथ मिलते हैं तो कोई भी समस्या बहुत बड़ी और जटिल नहीं होती। नेपाल के विदेश मंत्री ने किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को अस्वीकार करने के नयी दिल्ली के रुख का प्रभावी रूप से समर्थन किया। खनाल ने कहा कि नेपाल की नयी सरकार भारत को 21वीं सदी की भू-राजनीति के विकृत, अति संवेदनशील नजरिए से नहीं देखती बल्कि दोनों देशों की समग्र समृद्धि के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध बनाना चाहती है। नेपाल के विदेश मंत्री अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ व्यापक वार्ता करने के एक दिन बाद मीडिया से बात कर रहे थे। दोनों विदेश मंत्रियों ने व्यापार, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को और अधिक विस्तारित करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया। खनाल की भारत की तीन दिवसीय यात्रा शुक्रवार को शुरू हुई और यह यात्रा ऐसे वक्त हुई है, जब नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के दोनों पक्षों के बीच सीमा विवाद पर हाल ही में दिये गये बयान से शेष पृष्ठ आठ पर

महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों में पहुंचा मानसून

असम, त्रिपुरा, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश में भी किया प्रवेश

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना, 7 जून (एजें)। मानसून आज चार और राज्यों त्रिपुरा, नगालैंड, असम और अरुणाचल प्रदेश में पहुंच गया है। महाराष्ट्र में मानसून केवल दक्षिण कोंकण तक बढ़ा। इसके चलते 9 जून तक सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी में भारी बारिश हो सकती है। हालांकि अगले हफ्ते तक राज्य में बारिश का पैटर्न कमजोर रहने का अनुमान है। मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40ओ का आंकड़ा पार कर गया। देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थईस्ट के राज्यों में कल तेज बारिश हुई। मध्यप्रदेश में भोपाल समेत 4 जिलों में 50 की रफ्तार वाली आंधी शेष पृष्ठ आठ पर

बंगाल में टीएमसी के खिलाफ जनता का गुस्सा हाई

पार्षदों पर फेंके गये अंडे

कोलकाता, 7 जून (भा)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो पार्षदों की अलग-अलग आपराधिक मामलों में गिरफ्तारी के बाद आज कोलकाता के कुछ हिस्सों में जनता का गुस्सा देखने को मिला, जहां प्रदर्शनकारियों ने गिरफ्तार पार्षदों पर अंडे फेंके। वहीं, पार्षदों के समर्थकों और पुलिस के बीच झड़पें भी हुईं। दक्षिण-पूर्वी कोलकाता के पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता और महानगर के उत्तरी इलाके के पार्षद मोहम्मद जसीमुद्दीन पर स्थानीय लोगों ने अंडे फेंके। इससे भी ज्यादा नाटकीय घटनाक्रम यह था कि जसीमुद्दीन ने कथित तौर पर गिरफ्तारी से बचने के प्रयास में खुद को अपने घर के अंदर बंद कर लिया था, जिसके कारण पुलिस को लगभग छह घंटे तक उनके घर के बाहर इंतजार करने के बाद एक ताला खोलने वाले को बुलाना पड़ा। जसीमुद्दीन को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत 2023 में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। दक्षिण-पूर्वी कोलकाता के सैकड़ों निवासी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए पातुली थाने के बाहर एकत्र हुए। दासगुप्ता को जबरन वसूली सहित अन्य गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी नेता पर उस समय अंडे फेंके, जब पुलिस कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें अलीपुर अदालत ले जा रही थी। कोलकाता नगर निगम के वार्ड 101 के पार्षद दासगुप्ता को शनिवार शाम उनके सहयोगी सौरव घोष के साथ गिरफ्तार किया गया था। बाद में अदालत ने दासगुप्ता को 21 जून तक और घोष को 18 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। कोलकाता पुलिस शेष पृष्ठ आठ पर

पेज : 6 विदेश मंत्री रूबियो देश के नेताओं को दिखा गये आईना

पेज : 8 नगांव की दो महिलाओं को विदेशी घोषित कर भेजा गया ट्रांजिट कैंप

पेज : 9 किसी की कठपुतली नहीं बनेंगे युवा : शेखावत

मेधावी छात्र सम्मान व छात्रवृत्ति प्रदान समारोह आयोजित

सहयोग के जरिये सिलीगुड़ी व नॉर्थ बंगाल के ब्राह्मणों को सशक्त बनाना अष्टलक्ष्मी का लक्ष्य : चंद्र प्रकाश शर्मा

सिलीगुड़ी, 7 जून। अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन, सिलीगुड़ी के तत्वावधान में रविवार को मेधावी छात्र सम्मान एवं छात्रवृत्ति प्रदान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक चंद्र प्रकाश शर्मा ने समाज में शिक्षा, संगठन और सामाजिक समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली राशि प्रतीकात्मक है, जिसका उद्देश्य उन्हें समाज से जोड़ना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के बीच समन्वय स्थापित कर श्रम, समय और संसाधनों का सदुपयोग करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होंने सिलीगुड़ी एवं उत्तर बंगाल के लोगों से स्थानीय उत्पादों और उद्यमों को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि इस दिशा में अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन हरसंभव सहयोग करेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ विजय शर्मा द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुआ। नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज तेतरवाल ने स्वागत भाषण दिया, जबकि पूर्वोत्तर के प्रांतीय अध्यक्ष अनूप शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। बंगाल एवं सिक्किम के प्रभारी शिवकुमार पीपलवा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर अध्यक्ष मनोज तेतरवाल की नई टीम का समाज से परिचय कराया गया तथा सभी से आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन का आग्रह किया गया। नई कार्यकारिणी में विमल शर्मा एवं मनोज भारद्वाज को उपाध्यक्ष, देवेश शर्मा को महामंत्री, अनिल सारस्वत एवं पंकज शर्मा को संयुक्त मंत्री, मोहित कांकड़ा को कोषाध्यक्ष तथा श्याम सुंदर काकड़ा, सीताराम चोटिया और भोलाराम शर्मा को संरक्षक नियुक्त किया गया। मंच पर महिला समिति की अध्यक्ष प्रेमलता शर्मा भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष राजकुमार तिवाड़ी, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश शर्मा, संरक्षक शिव भगवान शर्मा नवहाल, जितेंद्र शर्मा, जय प्रकाश शर्मा, तिनसुकिया शाखा के अध्यक्ष शंकर शर्मा तथा उमाशंकर शर्मा सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला समिति की मंत्री सोनू शर्मा, कोषाध्यक्ष ललिता शर्मा, प्रभा देवी शर्मा, वीणा तेतरवाल एवं सुधा शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ समाजबंधुओं द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। समारोह के दौरान विभिन्न श्रेणियों के विद्यार्थियों तथा एमबीबीएस में सफलता प्राप्त करने पर डॉ. आकांक्षा शर्मा को भी प्रोत्साहन राशि एवं छात्रवृत्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से त्रि-भाषा नीति के क्रियान्वयन को स्थगित करने का किया आग्रह

नयी दिल्ली, 7 जून (भा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए चालू शैक्षणिक सत्र के बीच में त्रि-भाषा नीति को अनिवार्य रूप से लागू किये जाने पर चिंता जतायी और इसे फिलहाल स्थगित करने का आग्रह किया है। शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने कहा कि पर्याप्त शिक्षकों, पाठ्यपुस्तकों और नयी व्यवस्था लागू किये जाने से पहले बगैर तैयारी के सत्र के बीच में इस नीति को अचानक लागू करने से गंभीर अव्यवस्था पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि स्थिति कुछ वैसी ही हो सकती है जैसी सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को जल्दबाजी में लागू करने के दौरान उत्पन्न हुई। मोदी को लिखे पत्र में सिंह ने कहा कि मैं सीबीएसई की नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए मौजूदा सत्र के बीच त्रि-भाषा नीति को अनिवार्य रूप से लागू किये जाने का विरोध करने वाले चिंतित अभिभावकों के एक समूह का ज्ञापन आपको भेज रहा हूं। सिंह ने कहा कि उनके संज्ञान में यह भी लाया गया है कि दिसंबर 2025 में हुई बैठक में सीबीएसई के शासी निकाय ने पाठ्यक्रम समिति की उस सिफारिश को मंजूरी दी थी, जिसके अनुसार एनसीईआरटी द्वारा भाषाओं की स्तरीय (ग्रेडेड) पाठ्यपुस्तकें जारी होने तक स्कूल मौजूदा अध्ययन योजना, विशेषकर भाषा संबंधी व्यवस्था को जारी रखें। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि अपने ही शासी निकाय के निर्णय के बावजूद सीबीएसई ने 15 मई 2026 को एक परिपत्र जारी कर एक जुलाई 2026 से नौवीं कक्षा में तीसरी भाषा की पढ़ाई लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अभी तक भाषाओं की ग्रेडेड पाठ्यपुस्तकें जारी नहीं की हैं और इसलिए सीबीएसई ने एनसीईआरटी की छठी कक्षा की पुस्तकों के उपयोग की सिफारिश की है। सिंह ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि सीबीएसई ने अपने शासी निकाय के निर्णय को इतने स्पष्ट रूप से कैसे और क्यों पलट दिया और वह भी ऐसे तरीके से जो देशभर के हजारों स्कूलों की शैक्षणिक योजना को प्रभावित कर सकता है। दिग्विजय सिंह ने कुछ दिन पहले नीट-यूजी परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर भी प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा था। उन्होंने सरकार से पिछले आठ वर्षों में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित परीक्षाओं में हुए प्रश्न पत्र लीक या अन्य अनियमितताओं तथा उनपर की गयी कार्रवाई का विवरण देते हुए एक श्वेत पत्र जारी करने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि ऐसे समय में जब लाखों छात्र भारी मानसिक दबाव में हैं, परीक्षा प्रणाली पर उनका भरोसा बनाये रखना बेहद जरूरी है। सिंह के पत्र को एक्स पर साझा करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सीबीएसई के नौवीं और दसवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में तीसरी भाषा को मनमाने और गैर-योजनाबद्ध तरीके से शामिल करने पर रोक लगाने की मांग की है, जो सीबीएसई के शासी मंडल के फैसले के विरोधाभासी है।

आचार्य दयासागर महाराज ससंघ का रिहाबाड़ी की ओर मंगल विहार

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। असम के राजकीय अतिथि परम पूज्य आचार्य दया सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में गुवाहाटी प्रवास के अंतिम दिन आज प्रातः 9.30 बजे भगवान महावीर धर्मस्थल, गुवाहाटी में एक भव्य एवं विशेष धर्मसभा का आयोजन किया गया। गुरुदेव के प्रवास के अंतिम दिन आयोजित इस धर्म सभा मे श्रद्धालुओं को धर्म- प्रभावना,आत्मचिंतन, गुरु भक्ति एवं पूज्य गुरुदेव की अमृतमयी वाणी के श्रवण का एक दुर्लभ एवं पुण्यदायी अवसर प्राप्त हुआ। गुरुदेव के दिव्य सान्निध्य में आयोजित यह कार्यक्रम समस्त श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा एवं आत्मकल्याण का अनुपम अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर की समस्त दिगंबर जैन समाज के अलावा विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण, युवक- युवतिया, मातृशक्ति एवं समस्त धर्मानुरागी बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक एवं पुण्यदायी अवसर को सफल बनाया। धर्मसभा के समापन पश्चात शाम 4 बजे परम पूज्य आचार्य श्री ससंघ का भगवान महावीर धर्मस्थल से मंगल विहार हुआ। प्रचार प्रचार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि गुरुदेव ससंघ फैंसी बाजार स्थित (बड़े) मंदिर के दर्शन कर रिहाबाड़ी की और प्रस्थान किया। श्रद्धालुगण ने इस दुर्लभ अवसर पर गुरुवर के विहार, दर्शन एवं अनुमोदना का लाभ प्राप्त किया। इससे पूर्व आचार्य श्री ससंघ के प्रवास के अंतिम दिन बच्चों में धार्मिक संस्कारों के संवर्धन एवं संत संस्कृत के प्रति श्रद्धा जागृत करने के उद्देश्य से संघ की आहारचया में बच्चों द्वारा पडगाहन एवं आहार समर्थन का विशेष आयोजन किया गया।

मेघना खेमका का साड़ी प्रेम बना चर्चा का विषय

डिब्रुगढ़, 7 जून (ख.सं.)। डिब्रुगढ़ निवासी मेघना खेमका साड़ी को भारतीय संस्कृति की सबसे सुंदर पहचान मानती हैं। वे वर्षों से पारंपरिक भारतीय परिधानों और असम की सांस्कृतिक विरासत को विशेष महत्व देती रही हैं। मेघना को 200 से अधिक तरीकों से साड़ी पहनने और सजाने की कला का ज्ञान है। उनका मानना है कि साड़ी भारतीय नारी की गरिमा, सौंदर्य और आत्मविश्वास का प्रतीक है। विशेष रूप से असम का पारंपरिक परिधान मेखेला चादर उन्हें अत्यंत प्रिय है। वे बताती हैं कि मेखेला चादर को भी 65 से अधिक अलग-अलग आकर्षक शैलियों में पहना जा सकता है। मेघना असम की पारंपरिक बुनाई और हस्तशिल्प को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने की पक्षधर हैं। उनका विश्वास है कि भारतीय परिधान हमारी संस्कृति और जड़ों को मजबूत बनाते हैं।

बीकानेर नागरिक मंच और किरणश्री ग्रुप ने लगाया रक्तदान शिविर

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। मानवता की सेवा और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए बीकानेर नागरिक मंच, गुवाहाटी एवं किरणश्री ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आजरा स्थित होटल किरणश्री ग्रांड में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकजुटता की एक मिसाल भी पेश की। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मंच के वरिष्ठ सदस्यों और होटल प्रबंधन के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। सचिव रजत स्वामी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए किरणश्री ग्रुप और सहरिया ब्लड सेंटर के अमूल्य सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। प्रेरणादायक उद्बोधन और सामाजिक संकल्प किरणश्री ग्रुप के डायरेक्टर अनुराग सिपानी ने अपने प्रेरणादाई संबोधन में रक्तदान को महादान बताते हुए युवाओं को इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया। वहीं बीकानेर नागरिक मंच के अध्यक्ष बाबूलाल नवलखा ने मंच की सामाजिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा उपहार है, जो किसी को नयी जिंदगी दे सकता है। हमें ऐसी गतिविधियों को निरंतर जारी रखना चाहिए। उत्साह और भागीदारी का संगम कार्यक्रम चेयरमैन घेवर चंद सिपानी ने शिविर की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि आयोजन में मंच के सदस्यों, होटल स्टाफ और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में 100 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया, जिसमें तकनीकी मानकों पर खरे उतरते हुए 75 यूनिट से अधिक रक्त का सफलतापूर्वक संग्रहण किया गया। कार्यक्रम का संचालन होटल के एचआर प्रमुख नियाज अहमद द्वारा किया गया। इस कार्य को सफल बनाने में कमल चंद गोलछा, श्याम सिपानी, नवरत्न सेठिया, संजय बाफना, बिमल महणोत, रवि दसानी, धर्मेंद्र बैद और राहुल कोठारी जैसे समर्पित सदस्यों की भूमिका सराहनीय रही। मंच के कोषाध्यक्ष एवं जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार फलोदिया ने जानकारी दी कि बीकानेर नागरिक मंच भविष्य में भी समाज सेवा के ऐसे प्रकल्पों को प्राथमिकता के साथ आयोजित करता रहेगा।

जेसीआई गुवाहाटी प्रिंसेस का निःशुल्क स्वास्थ्य व नेत्र जांच शिविर संपन्न

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। जेसीआई गुवाहाटी प्रिंसेस द्वारा हरिजन कॉलोनी स्थित एलपी स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, नेत्र जांच शिविर, रक्तदान शिविर एवं खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा परियोजना में हरिजन कॉलोनी के निवासियों तथा विद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और शिविर का लाभ उठाया। शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लोगों की स्वास्थ्य एवं नेत्र संबंधी जांच की गयी। जांच के दौरान कई लोगों में आंखों एवं स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की पहचान हुई, जिनके लिए उन्हें आवश्यक परामर्श एवं आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही लाभार्थियों को उपचार में सहायता के लिए डिस्काउंट कार्ड भी वितरित किये गये। रक्तदान शिविर में भी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। वहीं खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदान की गयी। इस अवसर पर जेसीआई गुवाहाटी प्रिंसेस की अध्यक्ष आशा अग्रवाल ने कहा कि संस्था समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे ताकि अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें तथा जिन लोगों को उपचार की आवश्यकता है, उन्हें उचित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। कार्यक्रम की स्थानीय लोगों ने सराहना की और इसे समाज हित में एक सराहनीय पहल बताया।

पंचांग

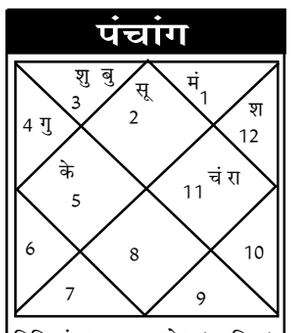

तिथि संवत: प्रथम ज्येष्ठ (अधिक) कृष्ण पक्ष अष्टमी। विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य उत्तरायण, ऋतु ग्रीष्म, नव सवंत्सर (रौद्र) तारीख 8 जून सोमवार।
सूर्योदयकालीन नक्षत्र : शतभिषा प्रातः 9.04 बजे तक इसके बाद पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र रहेगा।
योग :- विशकुंभ प्रातः 9.27 बजे तक तदुपरांत प्रीति योग रहेगा !
करण - बालव अपराह्न 3.29 बजे तक तदुपरांत कौलव करण रहेगा।
ग्रह विचार : (प्रातः 4.30) सूर्य-वृष, चंद्र-कुंभ
मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-मिथुन, शनि - मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।
राहुकाल : प्रातः काल 7.30 बजे से 9 बजे तक रहेगा।
सूर्योदय : 4.30 बजे सूर्यास्त 612 बजे।

ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी मो. 9529781915

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का आयोजन

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पंडित दीनदयाल उपाध्याय महा प्रशिक्षण अभियान 2026 के अंतर्गत आज पार्टी के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी, राष्ट्रीय सचिव कामाख्या प्रसाद तासा, प्रदेश संगठन महामंत्री रवींद्र राजू तथा राष्ट्रीय प्रशिक्षण टीम के सदस्य हेमंत गोस्वामी और वरुण झावेरी ने विशेष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। सभी वरिष्ठ नेताओं ने कार्यशाला में विभिन्न सांगठनिक व नीतिगत विषयों पर गहन चर्चा की और उपस्थित कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। इस कार्यशाला के दौरान पार्टी के आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गयी। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए आगामी 15 जून से 5 जुलाई तक क्षेत्र स्तर पर और उसके बाद 6 जुलाई से 20 जुलाई तक जिला स्तर पर विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे ताकि जमीनी स्तर तक सभी कार्यकर्ताओं को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सके।

नौ तक जारी रहेगा व्यापक वृक्षारोपण अभियान

काजलगांव, 7 जून (ख.सं.)। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर रिजोनिया ने अपने विभिन्न परियोजना क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत संस्था ने एक सप्ताह के भीतर 500 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अभियान की शुरुआत बीते 5 जून को रिजोनिया की सहयोगी संस्था केइसी के राखलडुबी स्थित कार्यालय परिसर से की गई। इसके बाद काजलगांव पुलिस स्टेशन और सिदली राजस्व चक्र कार्यालय परिसरों में भी पौधे लगाए गए। आगामी 8 और 9 जून तक यह अभियान रिजोनिया के परियोजना क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विभिन्न अस्पतालों, स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में लगातार जारी रहेगा। इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए रिजोनिया के प्रवक्ता ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का एक प्रयास नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य हमारे समाज के लिए एक स्वस्थ और पर्यावरण के अनुकूल भविष्य का निर्माण करना है। उन्होंने आगे कहा कि यह कदम पर्यावरण संरक्षण में सार्थक योगदान देने के साथ-साथ एक हरित भविष्य के लिए सभी को सामूहिक रूप से कदम उठाने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। गौरतलब है कि इस अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए रिजोनिया ने विशेष योजना बनाई है। संस्था द्वारा हर महीने रोपे गए पौधों की आवश्यक देखभाल और उचित प्रबंधन किया जाएगा। साथ ही, इनकी नियमित निगरानी और रखरखाव भी जारी रहेगा ताकि पौधे नष्ट न हों और सुरक्षित ढंग से बड़े हो सकें। इस सराहनीय अभियान में रिजोनिया और केइसी के विभिन्न अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ-साथ काजलगांव पुलिस और सिदली राजस्व चक्र कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स** : 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय** : 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा **प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।* **संपादक : परमेश्वर सिंह**

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

हर आत्मा मुझसे जुड़ी है,
कोई भी मुझसे अलग नहीं।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

सोमवार, 8 जून, 2026

मौसम
अधिकतम 34°
न्यूनतम 25°

Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

शिक्षा ही समाज और देश के नवनिर्माण का मुख्य आधार : विजय गुप्ता

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय कुमार गुप्ता ने असम गोर्खा सम्मेलन की कामरूप महानगर जिला समिति द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। यह कार्यक्रम इस वर्ष की मैट्रिक एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान में आयोजित किया गया था। महानगर के पंजाबाड़ी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र के भाषाविद् डॉ. वाणीकांत काकती सभागार में आयोजित इस सम्मान समारोह का हिस्सा लेकर अपना उदगार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान सभी मेधावी छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मंच पर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल व सफल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस विशेष अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए विधायक गुप्ता ने शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम नहीं है बल्कि यह पूरे समाज और संपूर्ण मानव जाति के उत्थान व विकास में सबसे महत्वपूर्ण और बुनियादी भूमिका निभाती है। उन्होंने इस बात पर गहरा विश्वास जताया कि आज अपनी कड़ी मेहनत से सफलता का परचम लहराने वाले ये प्रतिभावान छात्र आने वाले दिनों में न केवल असम का नाम रोशन करेंगे, बल्कि समाज और देश के नवनिर्माण में भी अपनी अग्रणी और अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। असम गोर्खा सम्मेलन द्वारा आयोजित इस सराहनीय प्रयास में स्थानीय समाज के कई गणमान्य व्यक्ति, शिक्षाविद और भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे, जिन्होंने छात्रों का हौसला बढ़ाया।

पूप्रमास ने मुख्यमंत्री का किया अभिनंदन

नेपा अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे शिरकत

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से असम सचिवालय में सौहार्द भेंट कर उन्हें विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनसमर्थन एवं पुनः मुख्यमंत्री पद का दायित्व संभालने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रतिनिधिमंडल में सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज जैन काला, सम्मेलन सहयोगी एवं माहेश्वरी सभा गुवाहाटी के अध्यक्ष सीताराम बिहानी तथा घनश्याम धानुका शामिल थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का राजस्थानी परंपरा के अनुरूप पगड़ी, चुनड़ी दुपट्टा एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया तथा श्री सालासर दरबार की पावन तस्वीर भी भेंट की गयी। संयोगवश मुख्यमंत्री की वैवाहिक वर्षगांठ होने पर प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें एवं उनके परिवार को शुभकामनाएं देते हुए मिठाई खिलाकर बधाई दी। भेंटवार्ता के दौरान सम्मेलन की ओर से समग्र मारवाड़ी समाज द्वारा मुख्यमंत्री का नागरिक अभिनंदन आयोजित करने की इच्छा व्यक्त करते हुए समय प्रदान करने का अनुरोध किया गया। मुख्यमंत्री ने समाज के प्रति अपना आत्मीय स्नेह व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के इच्छुक हैं तथा मारवाड़ी अस्पताल के 110वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम एवं समाज द्वारा प्रस्तावित अभिनंदन समारोह में उपस्थित रहने का प्रयास करेंगे। बैठक में एग्रीकल्चर मार्केटिंग से संबंधित व्यापारियों की समस्याओं एवं व्यावहारिक कठिनाइयों का विषय भी उठाया गया। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने इस विषय पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि संबंधित विभाग का कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं संबंधित पक्षों के साथ औपचारिक बैठक आयोजित कर विषय पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी 20 सितंबर को गुवाहाटी में आयोजित होने वाले नेपा अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का आत्मीयतापूर्वक कुशलक्षेम जाना तथा समाज के प्रति अपने सहयोग एवं सद्भाव की भावना व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल ने उनके सफल, यशस्वी एवं जनकल्याणकारी कार्यकाल की मंगलकामनाएं प्रेषित की।

मेयर ने किया चार बड़े विकास कार्यों का उद्घाटन

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के मेयर मृगेन शरणिया ने आज 35 नंबर न्यू गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिप्लु रंजन शर्मा की उपस्थिति में असम दर्शन योजना के तहत मिली राशि से चार विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इन विकास कार्यों के अंतर्गत द्वारका नगर के नवोदय रोड पर स्थित द्वारका नगर सार्वजनिक नामघर के विकास कार्य की शुरुआत की गयी। इसके साथ ही हेंगराबारी कार्बी देहल दरबार के हाउस वर्क का उद्घाटन हुआ। वहीं मथुरा नगर में स्थित उत्तर दिसपुर श्रीश्री हरि मंदिर समिति के विकास कार्य का भी शुभारंभ किया गया और अंत में श्रीश्री गोपाल कृष्ण नामघर के कार्य का भी उद्घाटन संपन्न हुआ। आज के इस विशेष कार्यक्रम में जीएमसी के वार्ड नंबर 49 के पार्षद अरूप डेका मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय लोग भी भारी संख्या में उपस्थित थे। इस मौके पर यह संदेश भी दिया गया कि गुवाहाटी हम सबकी जिम्मेदारी है और हमारा अपना शहर है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। प्राग्ज्योतिषपुर चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (पीएमसीएच) ने राष्ट्रीय चिकित्सा संगठन (एनएमओ) असम इकाई के साथ मिलकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह पूरा कार्यक्रम विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था, जिसका मूल और मुख्य उद्देश्य हमारे समाज को तंबाकू के जानलेवा जाल से मुक्त कराना और लोगों को एक स्वस्थ, रोगमुक्त जीवन जीने की दिशा में प्रेरित करना था। आज के समय में तंबाकू का बढ़ता चलन एक बड़ी सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बन चुका है, इसलिए समाज के हर वर्ग को इस खतरे के प्रति सचेत करना बेहद जरूरी हो गया है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम के दौरान एक बेहद ज्ञानवर्द्धक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में उपस्थित विभिन्न विशेषज्ञों ने तंबाकू के सेवन से मानव शरीर और स्वास्थ्य को होने वाले गंभीर तथा दीर्घकालिक नुकसानों पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष रूप से जोर दिया कि केवल कानून या प्रतिबंधों के भरोसे तंबाकू पर पूरी तरह रोक नहीं लगायी जा सकती, बल्कि इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता, सही शिक्षा और समाज के सभी वर्गों के सामूहिक व निरंतर प्रयासों की सख्त आवश्यकता है। इस विशेष सत्र में गुवाहाटी के प्रतिष्ठित अपोलो अस्पताल के प्रसिद्ध फुफ्फुसीय रोग विशेषज्ञ डॉ. कृपेश रंजन शर्मा ने अपनी बात रखी। उन्होंने चिकित्सा विज्ञान के दृष्टिकोण से एक बेहद जानकारीपूर्ण और आंखें खोल देने वाला व्याख्यान दिया। डॉ. शर्मा ने विस्तार से समझाया कि तंबाकू का सेवन किस तरह हमारे श्वसन तंत्र को पूरी तरह तबाह कर देता है, फेफड़ों की कार्यक्षमता को खत्म करता है और अंततः पूरे शरीर के स्वास्थ्य पर कितना घातक और जानलेवा असर डालता है। उन्होंने सिगरेट, बीड़ी और चबाने वाले तंबाकू के दुष्प्रभावों के अंतर और उनसे होने वाली गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के बारे में भी लोगों को आगाह किया। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए एनएमओ के सचिव मृणाल हालोई ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में तंबाकू मुक्त भारत के बड़े और सुंदर सपने को साकार करने के रोडमैप पर बात की। उन्होंने रेखांकित किया कि इस राष्ट्रीय मिशन में डॉक्टरों, नर्सों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ-साथ मेडिकल के छात्रों और पूरे समाज की भूमिका कितनी ज्यादा महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोग समाज में एक रोल मॉडल की तरह होते हैं, इसलिए उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे आम जनता को इस लत को छोड़ने के लिए सही मार्गदर्शन प्रदान करें।

हेरोइन समेत पांच ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। सोनापुर पुलिस ने जुगदल के समीप टोल गेट इलाके में अभियान चलाकर एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया। पकड़े गये तस्कर निजाम अली (29) के रूप में की गयी है। उसके पास 12.06 हेरोइन और एक कार बरामद की गयी। वहीं दूसरी ओर वशिष्ठ पुलिस ने खानापाड़ा गोलपार और भेटरनरी कॉलेज पार्किंग में अभियान चलाकर चा ड्रग्स तस्करों की पहचान विकास अली (26), रियान देउरी उर्फ रिंकु (30), माणिक राजवंशी (40) और मुकुट मंडल (26) के रूप में की गयी है। उनके पास से 111 ग्राम हेरोइन, एक सौ खाली कंटेनर, तीन मोबाइल, नकद 1550 रुपये और स्कूटी बरामद की गयी।

हथियार समेत तीन डकैत बंदी

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। गड़चुक पुलिस ने डकैतों के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन डकैतों को गिरफ्तार किया। पकड़े गये डकैतों की शिनाख्त बंधुराम बसुमतारी (43), जनक बसुमतारी (36) और मनु बसुमतारी (40) के रूप में की गयी है। इनके पास से एक प्वाइंट 32 बोर पिस्तौल, 14 जीवित कारतूस, दो मैगजिन, दो खुकरी, तीन मोबाइल, एक वायर कटर, पांच टी-शर्ट, एक टोपी तथा तीन बैग बरामद किये गये। पुलिस इन डकैतों से पूछताछ कर रही है।

कॉटन विवि आसू इकाई ने दी छात्र नेता माधुर्य बर्मन को श्रद्धांजलि

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। कॉटन विश्वविद्यालय (आसू) इकाई की पहल पर विवि के माणिक चंद्र बरुवा भवन के सामने छात्र नेता माधुर्य बर्मन की स्मृति में एक भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। पश्चिम नलबाड़ी क्षेत्रीय छात्र संघ के सहायक सचिन माधुर्य बर्मन की उस समय चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गयी थी, जब वे अपनी बहन के साथ जा रहे थे। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम का संचालन इकाई के महासचिव कुलदीप गौतम शर्मा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र संघ (यूएसयू) के पदाधिकारियों के साथ-साथ कई प्रोफेसर और कर्मचारी भी शामिल हुए। संघ के महासचिव कृतिमय कश्यप ने शोक व्यक्त करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की, वहीं शिक्षक समाज ने भी इस घटना की घोर निंदा करते हुए दिवंगत आत्मा को नमन किया। इस मौके पर विवि के छात्र उज्ज्वल डेका ने कहा कि एक असमिया युवक और छात्र की हत्या का सीधा मतलब एक उभरती हुई प्रतिभा की मौत है। कार्यक्रम में इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अकुंठिता बरठाकुर, गणित विभाग के सहायक प्रोफेसर नवजीत तालुकदार, असमिया विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. ज्ञानेंद्र बर्मन, बांग्ला विभाग के सहयोगी प्रोफेसर डॉ. प्रशांत चक्रवर्ती और संघ की सहायक सचिव मयूरी बरुआ सहित पूर्व पदाधिकारियों और कई अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। शर्मा ने इस दुखद घटना पर बोलते हुए कहा कि नलबाड़ी के माधुर्य बर्मन की इस नृशंस हत्या ने पूरे असम को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह घटना केवल एक युवक की हत्या भर नहीं है बल्कि हमारे समाज की शांति, सद्भाव और मानवीय मूल्यों पर एक बहुत बड़ा और जघन्य हमला है। हम इस बर्बर घटना की तीव्र आलोचना करते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह इस तरह की आखिरी घटना होगी, क्योंकि एक सभ्य समाज में ऐसी क्रूरता को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में बार-बार हो रही इस तरह की घटनाएं आम जनता के मन में असुरक्षा की भावना पैदा कर रही हैं।

आईसीएआई ने जीएसटीएटी अपील फाइलिंग पर आयोजित किया सेमिनार

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की गुवाहाटी शाखा ने कल आईसीएआई भवन, माणिक नगर में जीएसटीएटी अपील फाइलिंग पर एक सेमिनार आयोजित किया। यह कार्यक्रम लागू होने के आठ साल से अधिक समय बाद गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल के कामकाज शुरू होने और ट्रिब्यूनल के समक्ष पात्र लंबित अपीलों को फाइल करने की 30 जून 2026 की निकट आती समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया था। सेमिनार की शुरुआत गुवाहाटी शाखा के उपाध्यक्ष और न्यायिक सदस्य सोमनाथ गांगुली के उद्घाटन भाषण से हुई, जिन्होंने कानून और अपीलेट ट्रिब्यूनल के कामकाज पर बहुमूल्य जानकारी साझा की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने जीएसटी विवाद समाधान तंत्र में जीएसटीएटी की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया और पेशेवरों के लिए अपीलीय कार्यवाही के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। उनके भाषण ने प्रतिभागियों को अपीलीय अधिकारियों की प्रक्रियाओं और अपेक्षाओं, विशेष रूप से ई-फाइलिंग के माहौल में, के बारे में गहरी समझ प्रदान की। इस अवसर पर बोलते हुए गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष अंजनी कुमार मुंधड़ा ने कहा कि सेमिनार एक महत्वपूर्ण समय पर आयोजित किया गया था क्योंकि जीएसटीएटी के समक्ष पात्र लंबित जीएसटी अपीलों को फाइल करने की नियत तारीख 30 जून 2026 है। उन्होंने जोर दिया कि जीएसटी लागू होने के आठ साल से अधिक समय बाद जीएसटीएटी के चालू होने के साथ, कर पेशेवरों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर करदाताओं को उनके अपीलीय उपायों को आगे बढ़ाने में सहायता करने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार रहना चाहिए।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा का शपथ विधि समारोह संपन्न

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी (सत्र-2026-28) का शपथ विधि समारोह आज सुबह 10 बजे स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में जैन संस्कार विधि से आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ णमोकार महामंत्र से किया गया। सभा गीत एवं विजय गीत का संगान विनीत चिंडालिया एवं साथियों ने किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन महासभा के उपाध्यक्ष विजय कुमार चोपड़ा ने किया। सभाध्यक्ष बाबूलाल सुराणा ने स्वागत वक्तव्य में अपने कार्यकाल की सफलता के लिए अपनी टीम एवं समाजबंधुओं के प्रति आभार प्रकट किया तथा नये कार्यकाल के लिए शुभ भावना व्यक्त की। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रितेश खटेड़ को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवायी। तत्पश्चात उपाध्यक्ष सुशील कुमार डागा व अशोक सेठिया, मंत्री सुरेश कुमार मालू, सहमंत्री सीए सुभाष सुराणा व सीएस विकास महणोत, कोषाध्यक्ष सीए पंकज भूरा व संगठन मंत्री मनोज सुराणा (टीटीटी) को महासभा के उपाध्यक्ष विजय कुमार चोपड़ा ने शपथ दिलायी। उसके बाद सदस्यीय कार्यकारिणी सदस्यों को सभा के चुनाव अधिकारी सीए मनोज नाहटा ने शपथ दिलायी। तत्पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष रितेश खटेड़ को कार्यभार हस्तांतरण किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित सभाध्यक्ष रितेश खटेड़ का विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने फूलाम गामोछा एवं साहित्य से स्वागत किया। महासभा के उपाध्यक्ष विजय कुमार चोपड़ा, सभा के चुनाव अधिकारी सीए मनोज नाहटा ने अपने संबोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं प्रेषित की। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष सुशीला मालू, तेरापंथ युवक परिषद् के मंत्री हितेश चोपड़ा, टीपीएफ के अध्यक्ष पंकज भूरा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष संजय चौरड़िया एवं एटीएमआरएफ के अध्यक्ष विजयराज डोसी ने नयी टीम को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पार्षद प्रमोद स्वामी एवं सौरभ झुनझुनवाला, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा, कामरूप शाखा, महिला शाखा, मारवाड़ी युवा मंच की गुवाहाटी शाखा, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा, कामाख्या शाखा, कल्याण आश्रम महानगर समिति, महिला समिति, राष्ट्रीय सामाजिक विकास समिति, लाडनूं ओसवाल परिषद, साधुमार्गी जैन श्रावक संघ एवं समाज की विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भी नवनिर्वाचित अध्यक्ष खटेड़ को शुभकामनाएं दी। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रितेश खटेड़ ने निवर्तमान अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा एवं उनकी टीम को हार्दिक बधाई दी तथा अध्यक्ष निर्वाचित करने के लिए संपूर्ण समाज का आभार प्रकट किया एवं सबको साथ लेकर कार्य करने की घोषणा की। संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल संचालन सभा के कार्यकारिणी सदस्य राजेश जमड़ एवं नवनियुक्त मंत्री सुरेश कुमार मालू ने किया। धन्यवाद ज्ञापन नवमनोनीत मंत्री सुरेश कुमार मालू ने किया।

कार्बी आंग्लांग : 154 नये फोर टावर साइट्स की मंजूरी

खेरनी, 7 जून (ख.सं)। डिजिटल डिवाइड को पाटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारत सरकार ने कार्बी आंग्लांग और पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलों में डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) 4 सैचुरेशन स्कीम के तहत 154 नये 4 मोबाइल टावर साइट्स को मंजूरी दे दी है। बीएसएनएल द्वारा लागू किये जाने वाले इन टावरों से दूरदराज और कम सेवा वाले गांवों में विश्वसनीय 4 मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराया जाएगा, जहां पहले वाणिज्यिक आधार पर नेटवर्क स्थापित करना संभव नहीं था। कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद (काक) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) डॉ. तुलीराम रंघांग ने इस विकास को क्षेत्र के आंतरिक इलाकों में रहने वाले लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया। डॉ. रंघांग ने कहा कि पिछले कई वर्षों से ग्रामीण और दूरदराज के गांवों के अपने बार-बार दौरे के दौरान विश्वसनीय मोबाइल कनेक्टिविटी की कमी निवासियों द्वारा उठायी जाने वाली प्रमुख चिंताओं में से एक रही है। उन्होंने

बताया कि खराब नेटवर्क कवरेज के कारण छात्रों, किसानों, मरीजों, उद्यमियों और आम जनता को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, बैंकिंग और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। नये स्वीकृत टावर भारत सरकार की महत्वाकांक्षी डिजिटल भारत निधि 4 सैचुरेशन स्कीम का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य पूरे देश में सार्वभौमिक 4 कवरेज सुनिश्चित करना है। यह पहल दूरसंचार विभाग द्वारा लागू की जा रही है। डॉ. रंघांग ने राष्ट्रव्यापी डिजिटल समावेशन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया का इस परियोजना को सुविधाजनक बनाने के लिए और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा का पूरे राज्य में टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। स्वीकृत साइट्स कार्बी आंग्लांग के कई हिस्सों में फैले बड़े संख्या में गांवों और बस्तियों को कवर करेंगी, जिनमें हवाईपुर, अमरेंग, रंग्खांग, हावराघाट, बोकाजान, लुम्बाजोंग, लांगसोमेपी, देओपानी, डकमका, लांगहिन, लांगटुक, रंगमंगवे, सोचेंगे, सरबुरा, सिकारी, सिलोनिजान तथा अन्य कई आंतरिक क्षेत्र शामिल हैं। परियोजना की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए डॉ. रंगहांग ने कहा कि मोबाइल कनेक्टिविटी आधुनिक जीवन का एक आवश्यक हिस्सा बन गयी है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आपातकालीन प्रतिक्रिया, शासन, व्यवसाय और समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि नये टावर डिजिटल खाई को काफी हद तक कम करेंगे और कार्बी आंग्लांग के सबसे दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए नयी संभावनाएं खोलेंगे। डॉ. रंघांग ने आश्वासन दिया कि वे परियोजना की प्रगति पर व्यक्तिगत रूप से नजर रखेंगे और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करके स्वीकृत टावरों को शीघ्र से शीघ्र स्थापित और चालू कराने के लिए प्रयास करेंगे।

कछार में 240 किलो गांजा बरामद, दो तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिलचर, 7 जून (ख.सं)। कछार जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए 240 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित बाजार कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार दिन में ही बासकांदी क्षेत्र में एक ऑटो-रिक्शा से 100 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मामले में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर दूसरी कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तार किये गये आरोपियों राजीव सिंह और मणिपुर निवासी पाओना सिंह के बयान के आधार पर लखीपुर उपमंडल के पुलिस अधीक्षक पृथ्वीराज राजखोवा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कचुदरम और धोलाई थाना क्षेत्रों के

बीच स्थित एक स्थान पर छापेमारी की। इस अभियान के दौरान पुलिस ने 240 किलोग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जब्त किये गये मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये आंकी गयी है। मामले की जांच जारी है और इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। कछार पुलिस ने हाल के दिनों में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाते हुए कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं। अधिकारियों का कहना है कि जिले में नशे के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

हजरत मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी की निंदा, तीन लोगों की गिरफ्तारी की मांग

रंगिया, 7 जून (ख.सं)। ऑल बोड़ो माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएमएसयू) ने आज आज रंगिया प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता में पैगंबर हजरत मोहम्मद के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए तीन व्यक्तियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। एबीएमएसयू के अध्यक्ष टायसन हुसैन ने आरोप लगाया कि हिरण हिंदू असम, रूपा कलिता और रातुल कलिता ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर अपमानजनक और सांप्रदायिक टिप्पणियां की हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गयी है। उन्होंने असम पुलिस की आलोचना करते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। हुसैन ने मांग की कि मामले की सीआईडी जांच कराकर संबंधित व्यक्तियों को जल्द गिरफ्तार किया जाये। एबीएमएसयू ने कहा कि धार्मिक उकसावे और सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ढेकियाजुली नागरिक मंच ने सिंघल का किया अभिनंदन

ढेकियाजुली, 7 जून (ख.सं)। ढेकियाजुली नागरिक मंच के तत्वाधान में असम सरकार के मंत्री अशोक सिंघल को अभिनंदन करने के लिए जुबिन गर्ग प्रेक्षागृह में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ वंदे मातरम्, असम के जातीय संगीत ओ मुर आपुनार देश से किया गया। उक्त कार्यक्रम की उद्देश्य व्याख्या समाजसेवी काजल बोरा ने की। जादव चंद्र नाथ ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि आप लोगो को ढेकियाजुली नागरिक मंच की तरफ से स्वागत करता हूं। जादव चंद्र नाथ ने मंत्री अशोक सिंघल को मंच की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं दी। सर्वप्रथम ढेकियाजुली नागरिक मंच के पदाधिकारी नारायण चंद्र बोरा, जादव चंद्र नाथ, महेंद्र चांडक, दिलीप सेनापति, चंदनमल बोथरा, रातुल कुमार नाथ, दिलीप दे ने

फूलाम गामोछा, गुलदस्ता, जापी आदि भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में 200 से अधिक दल-संगठन ने मंत्री अशोक सिंघल को फूलाम गामोछा, जापी आदि भेंट कर सम्मानित किया। मंत्री सिंघल ने कहा कि प्रधानमंत्री, अमितशाह के नेतृव मे भारत विश्व में अपनी पहचान बनायी। उनके नेतृत्व मे देश में शांति है। मुख्यमंत्री शर्मा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि 102 विधायक होने के वावजूद भी मुझे अपने मंत्रिमंडल में स्थान दिया, इसके लिए मैं उनका आजीवन आभारी रहूंगा। मंत्री सिंघल ने कहा कि मुझे सेंट्रल गुवाहाटी से इस बार के चुनाव में टिकट मिल रहा था, लेकिन जब 2016 में बिना परिचय के ढेकियाजुली से भारी मतों से जीता था और उसी को ध्यान मे रखते हुए मैंने 2026 में ढेकियाजुली से चुनाव लड़ा। और 50 हजार वोटों के अंतर से विजय प्राप्त किया। सिंघल ने कहा कि जब तक राजनीति में रहूंगा तब तक ढेकियाजुली से ही चुनाव लड़ूंगा और सबसे बड़ी बात कहा कि मेरे राजनीति जीवनकाल में ढेकियाजुली को किसी भी तरह का दाग नहीं लगने दूंगा। उन्होंने कहा कि राज्य मे ढेकियाजुली का एक अलग पहचान रहेगा इसके लिए मै सदैव तत्पर रहूंगा। सिंघल ने कहा कि मेरे ऊपर झूठे तरीके से जमीन कब्जा करने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि मेरे पास इतनी संपत्ति है कि मेरे परिवार सुखी से जीवन यापन कर सकते हैं। इस बार युवा शक्ति को अग्रधिकार दिया जाएगा। खेल, योगा इत्यादि के क्षेत्र में समाज के बदन बरफुकन को पहचान के रखिए नहीं तो समाज खंडित हो जाएगा।

लमडिंग में गहराता नशे का संकट विरोध करने वाले युवकों पर हमला

लमडिंग, 7 जून (ख.सं)। रेल नगरी लमडिंग में बढ़ती मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की प्रवृत्ति को लेकर चिंताओं के बीच कल रात जरंगदीसा क्षेत्र में घटी एक घटना ने स्थानीय नागरिकों के बीच गहरी बेचैनी पैदा कर दी है। नशीले पदार्थों के कथित सेवन को लेकर उत्पन्न विवाद के दौरान कुछ स्थानीय युवकों पर हमला किये जाने तथा एक प्रत्यक्षदर्शी युवक के दोपहिया वाहन को क्षतिग्रस्त किये जाने के आरोप सामने आये हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार जरंगदीसा क्षेत्र के एक अपेक्षाकृत सुनसान स्थान पर कुछ युवक कथित रूप से नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे थे। क्षेत्र के कुछ जागरूक युवकों ने इस गतिविधि का विरोध करते हुए उन्हें रोकने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रारंभ में स्थिति सामान्य प्रतीत हो रही थी, किंतु कुछ ही समय में विवाद ने तनावपूर्ण रूप धारण कर लिया। आरोप है कि विरोध का सामना करने के बाद संबंधित युवकों और स्थानीय नागरिकों के बीच तीखी बहस शुरू हो गयी, जो बाद में हाथापाई में बदल गयी। स्थानीय लोगों का दावा है कि कथित रूप से नशे के प्रभाव में मौजूद कुछ व्यक्तियों ने विरोध करने वाले युवकों के साथ आक्रामक व्यवहार किया। साथ ही धारदार हथियार दिखाकर भय का वातावरण उत्पन्न करने और लोगों को डराने-धमकाने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के दौरान क्षेत्र में तनाव और असुरक्षा का माहौल व्याप्त हो गया।

गौरीपुर में नकली सोने के साथ तीन बंदी

गौरीपुर, 7 जून (ख.सं)। गौरीपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली सोने की तस्करी में संलिप्त तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खुधीमारी क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर आरोपियों को नकली सोने के एक टुकड़े (नग) के साथ दबोचा। गिरफ्तार किये गये आरोपियों की पहचान लखीमपुर के बंगालमारा निवासी महिर उद्दीन, खुधीमारी निवासी जाहिरुल इस्लाम तथा फूलकटारी निवासी फैजल हक के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा जब्त किये गये नकली सोने का कुल वजन लगभग 2.15 किलोग्राम बताया गया है। बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गयी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित नेटवर्क का पता लगाने के लिए गिरफ्तार तस्करों से लगातार पूछताछ की जा रही है।

तेजपुर में लगाया गया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

तेजपुर, 7 जून (ख.सं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, तेजपुर शाखा एवं लायंस क्लब ऑफ तेजपुर ग्रेटर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद स्क्रीनिंग शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में गुवाहाटी लायंस आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं उनकी टीम द्वारा कुल 148 लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच की गयी, जिनमें से 56 लोगों में मोतियाबिंद पाया गया। इसके अतिरिक्त सभी लाभार्थियों की ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच भी निःशुल्क की गयी। प्रारंभिक जांच एवं आवश्यक परामर्श के उपरांत 33 मोतियाबिंद मरीजों एवं 5 सहयोगियों को गुवाहाटी स्थित लायंस आई हॉस्पिटल भेजा गया। मरीजों के आने-जाने, रहने एवं भोजन की संपूर्ण व्यवस्था आयोजकों द्वारा निःशुल्क की

गयी। अस्पताल में विस्तृत जांच एवं उपचार के पश्चात 29 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुए, जबकि शेष मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं चश्मे उपलब्ध कराये गये। ऑपरेशन के बाद सभी मरीज स्वस्थ एवं प्रसन्नतापूर्वक अपने घर लौटे तथा उन्होंने इस सेवा कार्य के लिए आयोजकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष देवश्री बैद और प्रकल्प प्रमुख जगदम्बा धानुका ने बताया सेवा ही हमारा प्रमुख उद्देश्य है और इसी बात को ध्यान मे रखकर हमारे सभी सदस्य पीड़ित मानवता के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं द्वारा निस्वार्थ भाव से अपना योगदान प्रदान कर रहे है।

विधायक राजदीप ग्वाला को किया गया सम्मानित

सिलचर, 7 जून (ख.सं)। बराक चाय श्रमिक यूनियन कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यकारी और जेनरल काउन्सिल सदस्यों की बैठक के बाद उदारबंद के नवनिर्वाचित विधायक एवं बराक चाय श्रमिक यूनियन के महासचिव राजदीप ग्वाला को सम्मानित किया गया। आज यूनियन पदाधिकारी एवं कार्यालय कर्मी ने उन्हें मेमेन्टो, स्मृति चिन्ह और फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने उन्हें उनकी राजनीतिक सफलता पर बधाई दी और क्षेत्र के विकास के लिए उनके नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त किया। इसके बाद बराक चाय श्रमिक यूनियन और बराक वैली टी यूथ वेलफेयर सोसायटी की संयुक्त पहल के तहत बराकघाटी के चाय समुदाय के उन मेधावी छात्रों के लिए एक स्वागत समारोह आयोजित किया

गया, जिन्होंने माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इस कार्यक्रम में माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 186 छात्रों और उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 96 छात्रों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह, फाइल कवर और नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता सांसद कृपानाथ मल्लाह ने किया। समारोह का संचालन यूनियन के महासचिव बाबुल नारायण कानू और बराकवैली टी यूथ वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष लालन प्रसाद ग्वाला ने की। इस कार्यक्रम में गुरुचरण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. निरंजन रॉय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों में कछार जिले के विद्यालय निरीक्षक, मिठुन जहरी, उदारबंद स्थित जगन्नाथ सिंह कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. एस. समरेंद्र सिंह, पयलापुल स्थित नेहरू कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. शुभजीत चक्रवर्ती, भाजपा मंडल अध्यक्ष पुलक देव थे। इसके अलावा यूनियन के सलाहकार महाबल कोइरी, डॉ. संतोष रंजन चक्र वर्ती, जहर राय, उपाध्यक्ष राधेश्याम कोइरी व सिपूजन रविदास, सहयाक महासचिव खीरोद कर्मकार, बिपुल कुर्मी, बाबुल नारायण कानू और सुरेश बडाइक, सचिव दुर्गेश कुर्मी मंच पर थे। अपने भाषण में विधायक एवं यूनियन के महासचिव राजदीप ग्वाला ने कहा कि शिक्षा सामाजिक विकास के प्रमुख साधनों में से एक है। आज चाय उत्पादक समुदाय के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो अत्यंत गर्व की बात है।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा ने मेधावी छात्रा योग्यता चोरड़िया का किया स्वागत

सिलचर, 7 जून (ख.सं)। मारवाड़ी सम्मेलन, सिलचर शाखा एवं महिला शाखा द्वारा हायर सेकेंडरी की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रतिभाशाली छात्रा योग्यता चोरड़िया, सुपुत्री राजेश चोरड़िया को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य है कि मारवाड़ी सम्मेलन, सिलचर शाखा एवं महिला शाखा द्वारा 24 मई को 85फीसदी या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानित किया गया था। उस अवसर पर योग्यता चोरड़िया की अनुपस्थिति के कारण उन्हें सम्मानित नहीं किया जा सका था। इसी क्रम में आज विशेष रूप से उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उपस्थित मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष जय कुमार बरड़िया,मंत्री प्रकाश चंद सुराणा , शिक्षा संयोजक संजय नाहटा, झवर पटवा प्रमुख पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य सदस्यों ने योग्यता चोरड़िया को उत्तरीय, सम्मान, स्मृति-चिन्ह एवं गिफ्ट प्रदान कर उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियां समाज के लिए गर्व का विषय है तथा ऐसे सम्मान समारोह अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

रंगामाटी में पति ने की पत्नी की हत्या, जंगल में छिपाया शव

पर्वतझोरा, 7 जून (ख.सं)। असम के पर्वतझोरा क्षेत्र स्थित रंगामाटी हिल्स में एक दिल दहला देने वाली हत्या की घटना सामने आयी है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव को घने जंगल में छिपा दिया और बाद में उसे लापता बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार आरोपी हानिफ अली अपनी पत्नी को लकड़ी काटने के बहाने जंगल में ले गया, जहां उसने कथित रूप से उसकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद उसने शव को जंगल में छिपा दिया ताकि किसी को इस अपराध की भनक न लगे। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद और तनाव चल रहा था। हत्या के बाद स्वयं को बचाने के उद्देश्य से हानिफ अली ने पत्नी के लापता होने की कहानी गढ़ी और बोगरीबाड़ी थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करायी। हालांकि पुलिस जांच के दौरान आरोपी के बयान और परिस्थितियों पर संदेह होने के बाद मामले की गहन पड़ताल की गयी। जांच में हत्या का पूरा मामला सामने आ गया। इसके बाद पुलिस ने घने जंगल से महिला का शव बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी पति हानिफ अली को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में हत्या से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है और स्थानीय लोगों के बीच गहरा आक्रोश तथा शोक का माहौल है।

कोकराझाड़ में निकाली गयी साइकिल रैली

कोकराझाड़, 7 जून (ख.सं)। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आज कोकराझाड़ स्टेडियम में स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष दिन को यादगार बनाने के लिए साइकिल रैली के साथ-साथ योग सत्र और जुम्बा डांस जैसी कई गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। वहीं बीटीसी द्वारा आयोजित विश्व साइकिल दिवस में 135 ईटीएफ ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण गतिविधि के साथ हुई, जिसके बाद कोकराझाड़ शहर में एक साइकिल रैली निकाली गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोकराझाड़ पश्चिम की विधायक सिउलि महिलारी और बीटीसी के कार्यकारी सदस्य देरहासात बसुमतारी

ने विशेष रूप से शिरकत की। विधायक सिउली महिलारी और ईएम देरहासात बसुमतारी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया और कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। स्वास्थ्य और पर्यावरण का दिया संदेश इस अवसर पर अपने संबोधन में अतिथियों ने दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइकिल न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए उत्तम है, बल्कि यह प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित योग और जुम्बा सत्र का उद्देश्य लोगों को फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था।

हैलाकांदी में खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को किया गया जागरूक

हैलाकांदी, 7 जून (ख.सं)। मृदा स्वास्थ्य संरक्षण सतत कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाये रखने के उद्देश्य से देशव्यापी रूप से संचालित खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत आज हैलाकांदी जिले के मणिपुर ग्राम पंचायत कार्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) हैलाकांदी द्वारा जिला कृषि विभाग के सहयोग से किया गया।कार्यक्रम में पांच गांवों के कुल किसानों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग एवं केवीके के अधिकारियों ने उपस्थित रहकर किसानों को कृषि से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं।कार्यक्रम के दौरान आईसीएआर केवीके हैलाकांदी के मत्स्य विज्ञान विभाग के विषय विशेषज्ञ अंगोम बलेश्वर सिंह ने खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुशंसाओं के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करने से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है। इसके विपरीत रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं अव्यवस्थित उपयोग से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ जाता है और लाभकारी सूक्ष्मजीव भी प्रभावित होते हैं। उन्होंने किसानों को जैविक खाद वर्मी कम्पोस्ट हरी खाद तथा अजोला की खेती जैसी पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने विस्तार से बताया कि कृषि भूमि से बहकर जलाशयों में पहुंचने वाले अतिरिक्त उर्वरक एवं पोषक तत्व यूट्रोफिकेशन की समस्या उत्पन्न करते हैं, जिससे जलीय पर्यावरण और मत्स्य संसाधनों को नुकसान पहुंचता है।वहीं कृषि विभाग के अधिकारियों ने नियमित मृदा परीक्षण तथा मिट्टी की आवश्यकता के अनुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी।

स्वदेशी पीपुल्स फोरम की बैठक में रंगिया जिला समिति का गठन

रंगिया, 7 जून (ख.सं)। स्वदेशी पीपुल्स फोरम की एक महत्वपूर्ण बैठक आज रंगिया में आयोजित की गयी। केंद्रीय समिति की उपस्थिति में आयोजित इस सभा के दौरान फोरम की रंगिया जिला समिति का विधिवत गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संगठन के राज्य अध्यक्ष गजेंद्र भराली ने की। सभा को संबोधित करते हुए राज्य अध्यक्ष गजेंद्र भराली ने कहा कि असम के प्रत्येक मूल निवासी (खिलंजीया) समुदाय को सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाना बेहद जरूरी है। इसके लिए उन्होंने सभी वर्गों से मिलकर काम करने का आह्वान किया। नागरिकता के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए भराली ने मांग की कि भारत के अन्य राज्यों की तरह असम में भी नागरिकता के निर्धारण का आधार वर्ष अनिवार्य रूप से 1951 ही होना चाहिए। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य उपाध्यक्ष छत्रधर दास और राज्य कार्यकारी अध्यक्ष तिलक कलिता ने भी अपने विचार रखे और स्थानीय समुदायों के अधिकारों को सुरक्षित करने पर जोर दिया। नयन दास बने जिला अध्यक्ष और जयंत भुइयां सचिव सभा के अंतिम चरण में केंद्रीय समिति ने सांगठनिक विस्तार करते हुए स्वदेशी पीपुल्स फोरम की नवगठित रंगिया जिला समिति के पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की।

onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250

व्यवसायियों ने साहित्य और साहित्यिक संस्थाओं को दिया प्रोत्साहन : डॉ. बरमुदै

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। व्यवसायी वर्ग ने हमेशा साहित्य और साहित्यिक संस्थाओं को प्रोत्साहन दिया है। व्यवसायी वर्ग नहीं होता तो साहित्यिक संस्थाओं को आर्थिक कठिनाइयों से गुजरना पड़ता। ये विचार आज व्यक्त किए असमिया साहित्य के जान-माने समालोचक, लेखक और अनुवादक डॉ. आनंद बरमुदै ने। डॉ. बरमुदै आज श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय में आयोजित पांचवें सज्जन जैन स्मृति साहित्य पुरस्कार प्रदान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। हर दो साल के अंतराल पर दिया जाने वाला यह पुरस्कार इस बार नवोदित कहानीकार सृंजना शर्मा को उनके पहले कहानी संग्रह गल्पर शाक-पाचलि के लिए दिया गया है। इस पुरस्कार में एक मानपत्र, एक अंगवस्त्र, शराई तथा नगद 21 हजार रुपये शामिल हैं। इस पुस्तक का प्रकाशन गुवाहाटी के प्रकाशन संस्थान आंक-बाक ने किया है। अपने धन्यवाद भाषण में शर्मा ने कहा कि उन्होंने अपनी पहली कहानी नौंवी कक्षा में पढ़ाई करते समय लिखी थी। मानव मन के द्वंद्व और निस्संगता को लेकर वे हमेशा से सोचती रही हैं और साहित्य उनके लिए मन की निस्संगता से बाहर निकलने का एक माध्यम है। इससे पहले पुस्तकालय के अध्यक्ष विनोद रिंगानिया ने कहा कि असमिया संस्कृति में भाषा को जननी कहा गया है। इसकी संतानें आज भी अपनी ही भाषा में लेखन कार्य कर रही हैं, यानी उनलोगों ने अपनी मां की गोद को छोड़ा नहीं है। ऐसी संस्कृति के बीच जन्म लेना और कार्य करना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय के नाम के साथ हिंदी शब्द जुड़ा है लेकिन यहां असमिया और अंग्रेजी का श्रेष्ठ साहित्य भी संग्रहित है और इसे और भी बढ़ाया जा रहा है। पुस्तकालय के उपाध्यक्ष अशोक सिवोटिया के सफल संचालन में आयोजित कार्यक्रम में पुस्तकालय ट्रस्ट के चेयरमैन आनंद पोद्दार ने कहा कि नयी पीढ़ी में पढ़ने की संस्कृति विकसित करने के लिए पुस्तकालय में बच्चों के लिए विशेष रूप से उड़ान कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम को लेकर बच्चों में बहुत अधिक चाव है जोकि एक नयी आशा जगाता है। एसएम फाउंडेशन की ओर से बोलते हुए ललिता जैन ने कहा कि इस पुरस्कार के कारण सज्जन की स्मृति आज भी जीवंत बनी हुई है। स्वर्गीय सज्जन जैन के विचार और कार्य आज भी परिवार और समाज के लोगों के लिए प्रेरणादायक बने हुए हैं। इसके पहले कार्यकारिणी सदस्य अंशु सारड़ा अन्वि ने स्व. जैन का परिचय देते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा शिक्षा, स्वास्थ्य और साहित्य से जुड़ी हुई परियोजनाओं को प्रोत्साहन दिया था। पुरस्कार समिति के संयोजक किशोर जैन ने बताया कि इस बार पुरस्कार के लिए प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं, जिनमें से जूरी की सहायता से सृंजना शर्मा की पुस्तक गल्पर शाक-पाचलि का चयन किया गया। जूरी की ओर से असमिया की जानी-मानी कवयित्री और समीक्षक लुत्फा हानूम सलीमा बेगम ने पुरस्कृत कहानी संग्रह के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि नयी पीढ़ी अपने ढंग से सोचती है और हमें इसमें किसी प्रकार का व्यवधान पैदा नहीं करना चाहिए। उड़ान प्रोजेक्ट की संयोजक पुष्पा सोनी ने मुख्य अतिथि का परिचय सभा के सामने रखा जबकि बौद्धिक विकास समिति की संयोजक कांता अग्रवाल ने सृंजना शर्मा को प्रदान किये गये मानपत्र का पाठ किया जबकि कार्यकारिणी सदस्य सविता जोशी ने सृंजना शर्मा का परिचय पढ़कर सुनाया। अंत में धन्यवाद प्रस्ताव सचिव सिद्धार्थ नवलगढ़िया ने रखा। समारोह में अन्य लोगों के अलावा जैन परिवार की ओर से स्व. सज्जन जैन के भाई शरद जैन, कैलाश लोहिया, सुभाष सीकरिया, डॉ. सुधा श्रीवास्तव, पुस्तकालय के पूर्व अध्यक्ष अनिल जैना, रवि अजितसरिया, नारायण खाकोलिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन तीस सितंबर तक मुफ्त

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी ने आज महानगर में राइड टूगेदर, स्टे फिट, इंस्पायर चेंज थीम के तहत आयोजित विश्व साइकिल दिवस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, कल्याण और नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान यूआईडीएआई के प्रतिनिधियों ने उपस्थित लोगों के साथ बातचीत की और विभिन्न सरकारी व कल्याणकारी योजनाओं का बिना किसी बाधा के लाभ उठाने के लिए आधार सेवाओं और आधार विवरण को हमेशा अद्यतन रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ायी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन के महत्व से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि 5 से 7 वर्ष और 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन पूरा नहीं किया जाता है तो मौजूदा नियमों के अनुसार आधार नंबर को निष्क्रिय किया जा सकता है। एक अद्यतन आधार स्कूल में प्रवेश लेने, प्रवेश परीक्षाओं के लिए पंजीकरण करने, छात्रवृत्ति का लाभ उठाने, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं और अपार आईडी जैसी विभिन्न सेवाओं को आसानी से प्राप्त करने में मदद करता है। यदि इसे समय पर अद्यतन नहीं कराया गया तो बाद में सरकारी लाभ प्राप्त करने के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण करते समय बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों ने इस बात पर भी विशेष ध्यान दिलाया कि अक्सर कई छात्र और अभिभावक बिल्कुल अंतिम समय पर आधार अद्यतन कराने के लिए केंद्रों पर पहुंचते हैं, जिससे उन्हें अनावश्यक रूप से मानसिक तनाव और देरी का सामना करना पड़ता है। समय रहते अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन पूरा करके ऐसी आपातकालीन स्थितियों और परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है। बायोमेट्रिक अद्यतन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में बच्चे की तस्वीर, सभी दस उंगलियों के निशान और दोनों आंखों के आईरिस स्कैन को आधार डेटाबेस में कैप्चर और अपडेट किया जाता है। यूआईडीएआई ने नागरिकों को सूचित किया कि 5 से 17 वर्ष के बच्चों के लिए यह अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन 30 सितंबर तक पूरी तरह से मुफ्त प्रदान किया जा रहा है।

तीस्ता नदी में गिरी कार, चार लोगों की मौत

गंगटोक, 7 जून (एजें)। सिक्किम और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर हुआ एक दर्दनाक हादसा 7 जून को भारी मातम में बदल गया। गंगटोक से सिलीगुड़ी जा रहे एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव तीस्ता नदी में डूबी एक टाटा नेक्सॉन कार से बरामद कर लिए गए हैं। मृतकों की पहचान स्मारिका न्यौपाने (28), सैब्या न्यौपाने (27), जीका दहल (27) और पांच वर्षीय मासूम दित्या छेत्री के रूप में हुई है। यह परिवार पूर्वी सिक्किम के काबी लुंगचोक (लिंगडोक) का रहने वाला था और 5 जून को अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदारों से मिलने सिलीगुड़ी जा रहा था। 5 जून की शाम राम्बी इलाके के पास परिवार से आखिरी बार संपर्क हुआ था, जिसके बाद वे लापता हो गए। 6 जून को शिकायत दर्ज होने के बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पश्चिम बंगाल पुलिस और स्थानीय बचाव दलों ने दार्जिलिंग के सांसद राजू बिस्टा और समाजसेवी विक्रम राय के सहयोग से बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया। बाघपुल के पास भूस्खलन प्रभावित हिस्से से कार की बैटरी और बंपर मिलने के बाद खोजबीन का दायरा तीस्ता नदी की ओर बढ़ाया गया। शनिवार शाम को भारी बारिश और तेज बहाव के बीच डूबी हुई कार का पता चला। रात के अंधेरे और खराब मौसम के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा, लेकिन रविवार सुबह तड़के दोबारा अभियान शुरू कर कार के भीतर से चारों शवों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस हादसे का मुख्य कारण भारी बारिश, भूस्खलन और एनएच-10 की जर्जर स्थिति को माना जा रहा है। इस घटना से पूरा सिक्किम स्तब्ध है, क्योंकि हादसे का शिकार हुए तीनों वयस्क सरकारी कर्मचारी थे। स्मारिका एसटीएनएम अस्पताल में नर्सिंग लेक्चरर थीं, सैब्या संस्कृति विभाग में जूनियर इंजीनियर और जीका बागवानी विभाग में कार्यरत थीं।

शब्द भारती के सहयोग से सीपेट में राजभाषा हिंदी कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं)। केंद्रीय पेट्रोरसायन एवं अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीपेट), चांगसारी स्थित कार्यालय में आज एक भव्य राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के केंद्र प्रभारी डॉ हरिकृष्ण डेका ने किया। कार्यशाला का विषय था भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं वार्षिक कार्यक्रम 2026-27। कार्यक्रम के प्रारंभ में केंद्र प्रभारी श्री डेका ने डॉ मोहन कोइराला का फुलाम गामोछा ओढ़ाकर स्वागत किया। शब्द भारती (हिंदी संसाधन केंद्र), गुवाहाटी के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य संसाधन व्यक्ति एवं शब्द भारती के सचिव डॉ मोहन कोइराला ने भारत सरकार की राजभाषा नीति पर 52 मिनट की स्लाइड प्रस्तुति के माध्यम से गहन विश्लेषणात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने संघ की राजभाषा नीति के प्रभावी

कार्यान्वयन हेतु भारत सरकार के वर्ष 2026-27 के वार्षिक कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं को विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यशाला में सीपेट कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा विशेषज्ञ से राजभाषा से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से उन्हें राजभाषा हिंदी के संबंध में व्यापक एवं उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर नेशनल क्वालिटी कॉन्क्लेव नॉर्थ ईस्ट 2026 के सिलसिले में गुवाहाटी आए तथा सीपेट कार्यालय के मैत्री दौरे पर उपस्थित देश के अग्रणी वैज्ञानिक संस्थान सीएसआईआर के वैज्ञानिक डॉ शिव कुमार जायसवाल (वैज्ञानिक-डी), डॉ डी डी शिवांगम (वैज्ञानिक-एफ), डॉ एस पी सिंह (वैज्ञानिक-एफ), डॉ संजय के श्रीवास्तव (वैज्ञानिक-एफ) तथा संयोजक श्री भारत लदसरिया ने कार्यशाला की सफलता हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी के ताज विवांता होटल में आयोजित नेशनल क्वालिटी कॉन्क्लेव नॉर्थ ईस्ट 2026 में उक्त वैज्ञानिकों को संबोधन हेतु आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन का बीज भाषण सीपेट के केंद्र प्रभारी डॉ हरिकृष्ण डेका ने प्रस्तुत किया।

सिक्किम में 1965 में बना ऐतिहासिक मठ जलकर खाक

गंगटोक, 7 जून (एजें)। सिक्किम के लाचेन में मौजूद ऐतिहासिक थंगू सेरतोक गुम्पा मठ में लगी भीषण आग से सब कुछ तबाह हो गया है। 5 जून की रात 11 बजे भड़की इस आग ने न सिर्फ इस दशकों पुराने मठ को, बल्कि पास के दो घरों को भी पल भर में राख कर दिया। इस हादसे से स्थानीय लोगों में भारी शोक की लहर है। लाचेन के पीपोन चो बांदु लाचेनपा के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि मठ के भीतर रखे किसी भी पवित्र सामान को बचाने का मौका नहीं मिला। इस दर्दनाक हादसे में वर्षों पुराने पवित्र धार्मिक अवशेष, मूर्तियां, प्राचीन ग्रंथ, धर्मग्रंथ और अन्य मूल्यवान ऐतिहासिक सामग्रियां जलकर राख हो गईं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इस भयावह आग का कारण इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आधी रात के वक्त जब लोग सो रहे थे, तभी अचानक आग भड़क उठी और उसने पूरे मठ परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और न ही किसी के घायल होने की खबर है, लेकिन करोड़ों रुपये की अपूरणीय सांस्कृतिक क्षति हुई है। लगभग वर्ष 1965 में निर्मित, थंगू सेरतोक गुम्पा इस क्षेत्र के लोगों के लिए अगाध धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व रखता था। दशकों से यह मठ थंगू और आसपास के गांवों के निवासियों के लिए पूजा-अर्चना और सामुदायिक बैठकों का एक मुख्य केंद्र था।

भारतीय विकास परिषद ने मेधावी छात्रों का किया अभिनंदन

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। सभी छात्र-छात्राओं को एक-एक मैडल, सर्टिफिकेट, पेनसेट एवं मिठाई का पैकेट दिया गया सबसे पहले भारत माता की फोटो पर दीप प्रज्ज्वलित करके फूल माला अर्पित किया गया उसके बाद में सामूहिक वंदे मातरम गान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया मातृ वंदना गान सुचिरिता राय ने प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विवेकानंद केंद्र से श्रीमती रश्मि रेखा मलिक थीं बीएमबी कॉलेज के डॉक्टर राधेश्याम जी तिवारी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया कि 'आज के जो विद्यार्थी हैं कल वो डॉक्टर, वकील, इंजीनियर बनेंगे उनको धन के पीछे नहीं भागना है 'एक राष्ट्र श्रेष्ठ राष्ट्र' के संकल्प के साथ समाज सेवा करना ही आपके जीवन का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। परिषद के प्रभारी श्री संतलाल जी मित्तल ने कहा कि 'देश हमें देता है सब कुछ हमको भी देना सीखें इसी समर्पण की भावना के साथ सभी विद्यार्थियों को देश की सेवा करनी चाहिए और इसी का संकल्प लेकर के जीवन में आगे बढ़ना है। इस कार्यक्रम में परिषद के प्रभारी श्री संतलाल मित्तल, विमल अग्रवाल, भंवरलाल अग्रवाल, अध्यक्ष श्रीचंद पारिक, सचिव अभय घोशल, संपर्क प्रमुख ओमप्रकाश भंसाली, मीडिया प्रभारी तनसुख राठी, सह सचिव राजीव राय, हेमंत डागा, त्रिलोक गोयल, नटवर अग्रवाल, मनमोहन शर्मा, राजेंद्र उपाध्याय, एडवोकेट विश्वंभर शर्मा, सुशील अग्रवाल, आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजीराय ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ सभी छात्र-छात्राओं को तथा उनके अभिभावकों को मिठाई के पैकेट दिए प्रेस में जानकारी मीडिया प्रभारी तनसुख राठी द्वारा दी गई।

ओम्नीप्रोजेक्ट ए स्टोरी जाएगी एआईएफएफ 2026

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और फिल्म निर्माता हेमंत शर्मा द्वारा निर्देशित लघु फिल्म ओम्नीप्रोजेक्ट ए स्टोरी को 17वें अहमदाबाद इंटरनेशनल फिल्म महोत्सव (एआईएफएफ) 2026 के लिए आधिकारिक तौर पर नामांकित किया गया है। महोत्सव 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित होगा, जहां इस असमिया फिल्म को दुनिया भर की चुनिंदा फिल्मों के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। इस साल इस प्रतिष्ठित महोत्सव में दुनिया भर के 150 से अधिक देशों से 4,700 से अधिक फिल्में आई थीं, जिनमें से जूरी ने इस फिल्म की बेहतरीन कहानी और रचनात्मक प्रस्तुति से प्रभावित होकर इसे मुख्य प्रतियोगिता के लिए चुना है। यह पर्यावरण थीम पर आधारित फिल्म स्वच्छ भारत अभियान के आदर्शों से प्रेरित है, जो एक प्रतीकात्मक कहानी के जरिए प्लास्टिक प्रदूषण, शहरी समाज की उपभोक्तावादी मानसिकता और मानवीय लापरवाही के गंभीर पर्यावरणीय परिणामों को उजागर करती है।

एक निराहार यात्रा : असम्पूर्ण आत्मचरित्री का विमोचन

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। गौहाटी विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. आतावार रहमान की पुस्तक एक निराहार यात्रा: असम्पूर्ण आत्मचरित्री का आज एनईएफ लॉ कॉलेज में औपचारिक विमोचन हुआ। कार्यक्रम में प्राग न्यूज के मुख्य संपादक प्रशांत राजगुरु मुख्य अतिथि, एनईएफ के निदेशक डॉ. जाकिर हुसैन अध्यक्ष और गौहाटी विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. अखिल रंजन दत्त विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रहमान ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि परिवार और शुभचिंतकों के आग्रह पर उन्होंने जीवन के खट्टे-मीठे अनुभवों को इस किताब में समेटा है। उन्होंने अपने गहरे सामाजिक जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा कि वे जीवन में कब्रिस्तान से ज्यादा श्मशान घाट गए हैं। राजगुरु ने डॉ. रहमान के उदार व्यक्तित्व की सराहना की और कहा कि यह आत्मकथा समाज, विशेषकर मुस्लिम समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने शिक्षा, गरीबी और निराश्रयता जैसी सामाजिक चुनौतियों से बाहर निकलने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। वहीं दत्त ने कहा कि भौतिक विज्ञान के साथ-साथ कुरान का गहरा अध्ययन और दोनों के बीच वैज्ञानिक संबंध तलाशने का लेखक का यह दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ी को साहस देगा। उन्होंने पुस्तक में पश्चिमी असम के सामाजिक-आर्थिक चित्रण और क्रोध की सुंदर व्याख्या की सराहना की। इस अवसर पर कई अन्य प्रबुद्ध जनों ने भी डॉ. रहमान के स्पष्टवादी और अनुशासित जीवन की प्रशंसा की। प्रोफेसर योगेन कलिता और दैनिक गण अधिकार के मुख्य संपादक खबीर अहमद ने भी डॉ. रहमान को पानी की तरह स्वच्छ, समय का पाबंद और एक अत्यंत स्पष्टवादी व्यक्ति बताते हुए उम्मीद जताई कि वे जल्द ही अपनी इस अधूरी आत्मकथा को पूरा करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता लुत्फर रहमान, गौहाटी उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता हसीबुर रहमान व मोइनुल हक चौधरी, प्रसिद्ध लेखक डॉ. रेजाउल करीम, सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. तौफिक रहमान बरबोरा सहित भारी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अपहृत 26 नगा नागारिकों का अब तक पता नहीं

इंफाल, 7 जून (एजें)। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में हथियारबंद समूहों द्वारा कथित तौर पर अगवा किए गए नागा और कुकी समुदायों के 20 लोगों का 26 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों की ओर से लगभग चार सप्ताह से संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन अब तक लापता लोगों का पता नहीं चल सका है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कांगपोकपी जिले में हालिया हिंसा के असर को फैलने से रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने इंफाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) के किनारे स्थित लिटन, महादेव और सिनाकेइथेल गांवों के आसपास के इलाकों में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया।

चचल में मिनरल वाटर प्लांट का उद्घाटन

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। गुवाहाटी के चचल में नीरभा अकुआ सॉल्यूशन मिनरल वाटर प्लांट का शुभारंभ किया गया है। युवा उद्यमी तफिजुल इस्लाम द्वारा उनके निवास स्थान (महापुरुष माधवदेव पथ के पास) पर स्थापित इस पेयजल परियोजना की उत्पादन क्षमता 2000 लीटर प्रति घंटा है, जो मेसर्स रीफ लाइफ (नीरभा) के तहत संचालित होगी। इस संयंत्र का उद्घाटन एक समारोह में असम पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और भारत गौरव पुरस्कार विजेता डॉ. मिनेश्वर हजारिका ने किया। इस अवसर पर अधिवक्ता लोहित हजारिका, सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. नव नाहरडेका, हाजी अबू बकर अली, तमीजुद्दीन अहमद, दरबेज अली, स्थानीय समाजसेवी हरेंद्र मांटा और ऊपर चचल बिहू सम्मेलन के महासचिव नव कुमार मुदै सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. हजारिका ने परियोजना की गुणवत्ता और मौलिकता को बनाए रखने पर जोर दिया और उम्मीद जताई कि यह प्लांट राज्य के एक बड़े प्रोजेक्ट के रूप में उभरेगा। उन्होंने युवा उद्यमी को अपनी शुभकामनाएं भी दीं। प्रसिद्ध सांस्कृतिक आयोजक धनंजय तालुकदार द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में सैकड़ों स्थानीय लोग मौजूद थे, जिन्होंने तफिजुल इस्लाम को उनके इस नए प्रयास के लिए बधाई दी।

नमो नारायणी के भजन संध्या में उमड़ा जनसैलाब

शिलांग, 7 जून (ख.सं)। शहर की वादियों मे नमो नारायणी भक्तों द्वारा आयोजित एक शाम दादी के नाम किया जाने वाला एक भव्य धार्मिक और आध्यात्मिक उत्सव में इस ग्रुप के द्वारा बहुत ही सराहनीय व्यवस्था की गई इस महोत्सव में शहर के हर इलाके से दादीजी के भक्त शामिल हुए और पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया जाता। इस ग्रुप के द्वारा हर साल शिलांग में यह आयोजन किया जाता है तैयारी के अनुसार इस नमो नारायणी ग्रुप के द्वारा हर परिवार को फोन करते हुए निमंत्रण दिया जाता है और हर मोबाइल ग्रुप में मैसेज डालकर सबकों बुलाया जाता है। शिलांग में बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाता है यह प्रोग्राम। महोत्सव का सबसे मुख्य हिस्सा दरबार की सजावट रही दादी के दरबार में सैंकड़ों महिलाएँ एवं पुरुषों ने ज्योत लेकर खुशियों के लिए प्रार्थना की। इस आयोजन में नमो नारायणी ग्रुप में पुरुषों एवं महिलाओं की ड्रेस कोड बहुत ही आकर्षक रही वो एक पहचान भी रही। आमंत्रित गायकारों के द्वारा दादीजी की महिमा का पाठ एवं भजनों की रस गंगा बहाई शिलांग में आयोजित इस कार्यक्रम में दादीजी के भजनों की अमृत वर्षा की गई, जहां भक्त झूमने पर मजबूर हो गए। चुनड़ी उत्सव के दौरान महिलाओं के द्वारा दादी को विशेष रूप से सुंदर और भव्य चुनड़ी अर्पित की गई। अलौकिक श्रृंगार और दरबार महोत्सव के दौरान नारायणी दादीजी का बेहद खूबसूरत और भव्य दरबार सजाया गया यहाँ विगत कई वर्षों से अनवरत रूप से वार्षिक नारायणी नमो नारायणी भजनोत्सव और मंगलपाठ का आयोजन बड़ी भव्यता के साथ होता आ रहा है। इस महोत्सव के दौरान चुनड़ी, मेहंदी,छत्र, एवं नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा भी बहुत ही मनमोहक कार्यक्रम किया। कार्यक्रम के बीच चाय-पानी की सुचारु व्यवस्था देखी गई वहीं कार्यक्रम के बाद प्रसाद का आयोजन भी किया जहां पर सैकड़ों समाज बंधुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। दरबार के माध्यम से नमो नारायणी ग्रुप के द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया।

पत्रकारिता में अर्धसत्य झूठ से भी ज्यादा खतरनाक : प्रखर श्रीवास्तव

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं.)। विश्व संवाद केंद्र असम के तत्वावधान में देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस वर्ष का प्रतिष्ठित देवर्षि नारद पुरस्कार वरिष्ठ पत्रकार और ईशान दर्पण के संपादक नव ठाकुरिया को प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरूप उन्हें 50 हजार रुपये की नकद राशि, अंगवस्त्र, मानपत्र, भारत माता का चित्र और पुस्तकों का बंडल भेंट किया गया। इसके साथ ही पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए तीन युवा पत्रकारों एनके टीवी के वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्यज्योति गोगोई, प्रथम खबर की चीफ रिपोर्टर रंजीता राभा और दैनिक असम के उप-संपादक मृदुल हलै को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। महानगर के बरबारी स्थित सुदर्शनालय में आयोजित इस समारोह की शुरुआत त्रिवेणी बुजरबरुआ द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष डॉ. गौरांग शर्मा और सचिव किशोर शिवम ने देवर्षि नारद के जीवन दर्शन व उनके 84 भक्ति सूत्रों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। नव बुजरबरुआ द्वारा संचालित इस सभा में धन्यवाद ज्ञापन गुरुप्रसाद मेधी ने किया और इसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े तीन सौ से अधिक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित दिल्ली दूरदर्शन केंद्र के वरिष्ठ सलाहकार व वरिष्ठ पत्रकार प्रखर श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि समकालीन पत्रकारिता में गलतियों से भी बड़ा खतरा अर्धसत्य का प्रकाशन और उसका विश्लेषण है। वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों और ऐतिहासिक भूलों पर तथ्यात्मक रूप से बोलते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के संदर्भ में कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि आज भले ही संघ के प्रति मीडिया का दृष्टिकोण सकारात्मक हुआ है, लेकिन अतीत में ऐसा नहीं था। वर्ष 1925 में संघ की स्थापना के बाद जब देश विभाजन के दौर से गुजर रहा था, तब पाकिस्तान के सिंध प्रांत में संघ के स्वयंसेवकों ने कट्टरपंथियों के हमलों के बीच अपनी जान जोखिम में डालकर हिंदू और सिख समाज के लोगों को सुरक्षित बचाया था। उन्होंने तत्कालीन रक्षा मंत्री बलदेव सिंह द्वारा गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को लिखे उस पत्र का भी विशेष उल्लेख किया, जिसमें पाकिस्तान में फंसे लोगों को बचाने के लिए संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए सरकार से सहयोग की अपील की गई थी। श्रीवास्तव ने दावा किया कि इस पत्र से तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मन में विद्वेष की भावना पैदा हुई और नेहरू ने गांधीजी की हत्या के आरोपों से भी ज्यादा पाकिस्तान में संघ के राहत अभियान से असंतुष्ट होकर उस पर प्रतिबंध लगाया था। अपने व्याख्यान को आगे बढ़ाते हुए प्रखर श्रीवास्तव ने एक और ऐतिहासिक पहलू को उजागर करते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत में गांधीजी की हत्या के बाद पहली मॉब लिंचिंग की घटना हुई थी। इस हिंसा को खुद को गांधीवादी कहने वाले एक वर्ग ने अंजाम दिया था और इसका पहला शिकार वीर सावरकर का परिवार हुआ था, जिसमें डॉ. नारायण सावरकर और उनके परिजनों को देश की पहली मॉब लिंचिंग की भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। उन्होंने असम में सर सादुल्ला के समय से ही शुरू हुए अवैध प्रवासन, राज्य में हुए जनसांख्यिकीय बदलाव और इसमें मोइनुल हक व फकरुद्दीन अली अहमद जैसे नेताओं की भूमिका पर भी बेबाक टिप्पणी की। वहीं पुरस्कार ग्रहण करने के बाद ठाकुरिया ने कहा कि समाज के हित में प्रश्न उठाना और सकारात्मक सलाह देना ही नारद जी की विशेषता थी, जो आज की पत्रकारिता के लिए सबसे बड़ा पाठ्य है। उन्होंने कहा कि आज की पत्रकारिता में पौराणिक चरित्र नारद जी की स्वीकार्यता बेहद जरूरी है, क्योंकि विदेशी संस्थागत पत्रकारिता के व्यक्ति-केंद्रित मॉडल ने भारत की संस्कृति और प्रकृति-केंद्रित समाचार व्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचाया है।

अपने प्रदर्शन के दम पर वैभव ने ली टीम इंडिया में एंट्री

भारतीय क्रिकेट में समय-समय पर ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आते हैं, जिन्होंने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा से पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया है। अब इसी कड़ी में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम जुड़ गया है। टीम इंडिया की टी-20 टीम में उनके चयन में क्रिकेट प्रेमियों के बीच उत्साह और उम्मीदों की नयी लहर पैदा कर दी है। महज 15 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना उनकी असाधारण प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण है। वैभव सूर्यवंशी ने पिछले कुछ समय में घरेलू और आयु वर्ग क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। आईपीएल 2026 में उनके विस्फोटक बल्लेबाजी प्रदर्शन और सर्वाधिक रन बनाने की उपलब्धि में यह साबित कर दिया कि उनमें बड़े मंच पर खेलने की क्षमता मौजूद है। यही कारण है कि चयनकर्ताओं ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें टीम इंडिया में अवसर देने का निर्णय लिया। उनके चयन से सबसे अधिक खुशी युवा क्रिकेटरों और खेल प्रेमियों में देखने को मिल रही है। यह संदेश गया है कि भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा और प्रदर्शन को महत्व दिया जाता है, उम्र को नहीं। यदि कोई खिलाड़ी अपनी क्षमता के दम पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसके लिए राष्ट्रीय टीम के दरवाजे खुले हैं। इससे देश भर के लाखों युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। वैभव की सफलता बिहार जैसे राज्य के लिए भी गर्व का विषय है, जहां से निकलकर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी है। छोटे शहरों और कस्बों के युवाओं के लिए उनका सफर इस बात का उदाहरण है कि सीमित संसाधन भी बड़े सपनों को रोक नहीं सकते। दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर मेहनत से कोई भी खिलाड़ी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। क्रिकेट प्रशंसकों के उत्साह का एक बड़ा कारण वैभव की आक्रमक और निडर बल्लेबाजी शैली भी है। आधुनिक टी-20 क्रिकेट में जिस प्रकार के बल्लेबाजों की आक्रमकता होती है वैभव उसी सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं। सोशल मीडिया और क्रिकेट समुदायों में भी उनके चयन का व्यापक स्वागत हुआ है और कई प्रशंसक इसे भारतीय क्रिकेट में एक नये युग की शुरुआत के रूप में देखते हैं। हालांकि उत्साह के साथ-साथ संतुलन बनाया रखना भी जरुरी है। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में कई युवा खिलाड़ियों को शुरुआती सफलता मिली, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर प्रदर्शन करना सबसे बड़ी चुनौती साबित हुआ। इसलिए वैभव पर अनावश्यक दबाव बनाने के बजाय उन्हें सीखने और खुद को स्थापित करने का प्रयास और दिया जाना चाहिए। यानी वैभव सूर्यवंशी की टीम इंडिया में चयन केवल एक खिलाड़ी की उपलब्धि नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट की मजबूत प्रतिभा व्यवस्था का प्रमाण है। इससे क्रिकेट प्रेमियों में नया उत्साह पैदा हुआ है और यह विश्वास भी मजबूत हुआ है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में हैं। अब पूरे देश की निगाहें इस युवा सितारे पर होंगी, जो अपने प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का सपना देख रहा है।

जीरो टॉलरेंस की नीति बने

आज का युवा जब हाथ में लेटेस्ट स्मार्टफोन लेकर 5 जी की रफ़्तार से दुनिया फतह करने का सपना देखता है, उसी समय उसकी दूसरी हथेली में जम्बो का एक छोटा सा पुड़ियानुमा पैकेट उसके अस्तित्व को शून्य करने की साजिश रच रहा होता है। यह सिर्फ एक नशा नहीं, यह भारत के भविष्य का केमिकल लोचा है। 21वीं सदी के भारत की चमक-धमक, स्टार्टअप्स और वैश्विक नेतृत्व के दावों के पीछे एक गहरा काला साया हमारी डेमोग्राफिक डिविडेंड यानी युवा शक्ति को निगल रहा है। दिल्ली के आलीशान पबों से लेकर पंजाब, हरियाणा और मुंबई की गलियों तक फैला यह जम्बो महज़ एक नशा नहीं, बल्कि घातक रसायनों का ऐसा कॉकटेल है जिसे मौत का सीधा आमंत्रण कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। जम्बो' वास्तव में कोई एक दवा नहीं, बल्कि मेफेड्रोन, हेरोइन और जानवरों को दिए जाने वाले ट्रांक्विलाइज़र जैसे ज़ाइलाज़ीन जैसे घातक रसायनों का एक अनियंत्रित कॉकटेल है। तस्कर इसकी अत्यधिक तीव्रता के कारण इसे जम्बो कहते हैं, जिसकी एक सूक्ष्म खुराक भी व्यक्ति को हफ़्तों तक मदहोश रख सकती है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह मिश्रण मस्तिष्क के डोपामाइन सिस्टम को पूरी तरह नष्ट करने के साथ-साथ सीधे श्वसन और हृदय तंत्र पर प्रहार करता है, जो इसे सामान्य नशों की तुलना में कहीं अधिक जानलेवा बनाता है। भारत में नशीली दवाओं के प्रसार को रोकने के लिए स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (एन-डी-पी-एस) सबसे सशक्त कानूनी हथियार है। इसकी धारा 8 मादक पदार्थों के व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, जबकि धारा 15 से 25 के तहत व्यावसायिक मात्रा में ड्रग्स पाए जाने पर 20 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है। हालाँकि, जम्बो जैसे आधुनिक डिजाइनर ड्रग्स कानून के लिए चुनौती बने हुए हैं। इनके निर्माता नशीले पदार्थों की आणविक संरचना में सूक्ष्म बदलाव कर देते हैं, जिससे ये प्रतिबंधित सूची से बाहर रह जाते हैं। यह कानूनी पेचीदगी स्पष्ट करती है कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में कानून को निरंतर अपडेट करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। न्यायपालिका ने ड्रग तस्करी को समाज के विरुद्ध एक संगठित अपराध मानते हुए सख्त रुख अपनाया है। स्टेट ऑफ पंजाब बनाम बलदेव सिंह (1999) के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार न केवल अर्थव्यवस्था को खोखला कर रहा है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। इसी कड़ी में, हाल के वर्षों में अदालतों ने जमानत याचिकाएं खारिज कर पुनः यह स्पष्ट संदेश दिया है कि नशे के सौदागर के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। आज के दौर में रेव पार्टियां नशे को एक स्टेटस सिंबल और कूल दिखने के माध्यम के रूप में परोस रही हैं। सोशल मीडिया और वेब सीरीज के मायाजाल से भ्रमित होकर युवा इसे महज एक रोमांचक प्रयोग समझते हैं, जबकि यह प्रयोग वास्तव में उनके जीवन की अंतिम यात्रा का टिकट साबित हो सकता है। पर्दे पर नशे का महिमामंडन स्वतंत्रता लग सकता है, लेकिन हकीकत की जमीन पर यह केवल हंसते-खेलते परिवारों की बर्बादी की पटकथा लिखता है। युवाओं को यह समझना होगा कि दिखावे के स्वैगर और जीवन के संघर्ष के बीच एक बहुत बारीक रेखा है; क्योंकि अस्पताल के बिस्तर या जेल की सलाखों के पीछे कोई एटीट्यूड काम नहीं आता, वहां सिर्फ पछतावा शेष रह जाता है। नशा केवल एक व्यक्तिगत पसंद नहीं, बल्कि एक पारिवारिक और सामाजिक त्रासदी है। एक व्यक्ति का नशा उसके माता-पिता के सपनों, अपनों के भरोसे और स्वयं के सुनहरे भविष्य को जड़ से खत्म कर देता है। नशा मुक्ति के लिए कानून, तकनीक और संवेदना का समन्वय आवश्यक है। कानूनी स्तर पर, एन-डी-पी-एस मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट और साइबर-निगरानी को कड़ा करना होगा, वहीं दूसरी ओर, सामाजिक स्तर पर, शिक्षा के माध्यम से जमीनी जागरूकता फैलानी होगी। दृष्टिकोण में बदलाव लाते हुए नशा करने वालों को अपराधी के बजाय उपचार योग्य रोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। आधुनिक पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से उन्हें सुधार कर समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक तरीके से पुनर्स्थापित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। आज नशा डिजिटल ट्रैपिंग के जरिए युवाओं के घर तक पहुंच चुका है, जहां डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड ऐप्स ने इसे बेहद सुलभ बना दिया है। निस्संदेह, नशा अक्सर मानसिक तनाव या अकेलेपन का एक भ्रामक समाधान होता है। असली बहादुरी रसायनों के पीछे छिपने में नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का बिना किसी कृत्रिम सहारे के सामना करने में है। जम्बो जैसे जानलेवा पदार्थों से लड़ने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं; इसके लिए समाज और परिवारों में जीरो टॉलरेंस की नीति अनिवार्य है। विंस्टन चर्चिल ने ठीक ही कहा था, जीत अंतिम नहीं है, हार घातक नहीं है; जारी रखने का साहस ही मायने रखता है। समय आ गया है कि हम अपनी तकनीक और प्रगति का उपयोग जहर फैलाने के लिए नहीं, बल्कि एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए करें। हमारी आज की जागरूकता ही कल की पीढ़ियों की सुरक्षा की गारंटी है। भारत का भविष्य स्मार्टफोन की धुंधली स्क्रीन पर नहीं, बल्कि उसके युवाओं के फौलादी स्वास्थ्य और सुदृढ़ चरित्र में सुरक्षित है।

- डॉ सुधीर कुमार

विदेश मंत्री रूबियों देश के नेताओं को दिखा गये आईना

योगेंद्र योगी

भारत दौर पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि दुनिया के हर देश में बेवकूफ लोग होते हैं। हम इन्हें गंभीरता से लेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में भी बेवकूफ लोग मौजूद हैं। 'क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग' (क्वाड) की बैठक में शिरकत करने राजधानी दिल्ली में आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अमरीका में भारतीयों पर नस्लीय हमलों को लेकर यह जवाब दिया। अमरीकी विदेश मंत्री को शायद अंदाजा होगा कि नस्लवाद, जातिवाद, सांप्रदायिकता और क्षेत्रवाद भारत के अभिन्न अंग हैं। इन मुद्दों पर राजनीतिक करके देश को कमजोर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने में भारत के राजनीतिक दल ही सबसे आगे हैं। इसमें चाहे विपक्ष हो या सत्ता पक्ष, कोई भी अपने राजनीतिक स्वार्थों को भुनाने में पीछे नहीं रहता। सत्ता में जो भी राजनीतिक दल होता है, वह यंत्रणा और क्रूरता को कानूनी आड़ में जायज ठहराने का प्रयास करता है। इसका देश में सबसे बड़ा उदाहरण है पुलिस हिरासत में होने वाली मौतें।

अमरीका में एक अश्वेत युवक की पुलिसकर्मियों ने हत्या कर दी थी। इससे पूरे अमरीका में बवाल मच गया था। 25 मई 2020 को मिनियापोलिस शहर में 'डेरेक शॉविन' नामक एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने जॉर्ज फ्लॉयड नाम के निहत्थे अश्वेत व्यक्ति की गर्दन पर लगभग 9 मिनट तक अपना घुटना दबाए रखा था, जिससे दम घुटने से उनकी मौत हो गई थी। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद 'ब्लैक लाइव्स मैटर' आंदोलन के तहत अमेरिका के सभी 50 राज्यों में ऐतिहासिक प्रदर्शन हुए। आरोपी पुलिस अधिकारी को हत्या का दोषी ठहराया गया और 2021 में उसे 22.5 साल की जेल की सजा सुनाई गई।

इसके विपरीत भारत में पुलिस हिरासत में मौतें साधारण घटनाओं में शुमार है। सरकारी तंत्र को ऐसी मौतों से खास फर्क नहीं पड़ता। सरकार ऐसी मौतों को कभी गंभीरता से नहीं लेती। कारण साफ है ऐसी मौतों में कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर सत्तातंत्र जिम्मेदार होता है। यही वजह है कि हिरासत में मौतों जैसे बेहद अमानवीय और संवदेनशील मुद्दे पर भी सरकारें खामोश रहती हैं। विपक्ष जरूर कुछ शोर मचाता है, किन्तु विपक्ष जब सत्ता में रहा होता है, तब भी ऐसी मौतें होती रही हैं, इसलिए सत्ता पक्ष द्वारा गढ़े मुर्दे उखाड़े जाने के भय विपक्ष प्राय: चुप्पी ही साधे रहता है।

अदालतों ने भारत में पुलिस हिरासत में मौतें रोकने के प्रयास किए हैं, किन्तु सफल नहीं हो पाई। सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में होने वाली हिंसा को व्यवस्था पर धब्बा बताया था। ऐसी मौतों के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट का सख़्त सवाल पूछा था कि क्या केंद्र सरकार हमें हल्के में ले रही है? सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा, 'अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं। 'शीर्ष अदालत पूरे भारत के पुलिस स्टेशनों में काम न कर रहे सीसीटीवी कैमरों के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई करने के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ यह सख्त टिप्पणी की थी।

हिरासत में मौतों पर अपवादस्वरूप ही दोषी पुलिसकर्मियों को अदालतों से सजा मिल पाती है। अप्रैल 2026 में, एक ऐतिहासिक और दुर्लभतम फैसले में मदुरै की एक अदालत ने वर्ष 2020 में पुलिस हिरासत में एक पिता (पी. जयराज) और पुत्र (जे. बेनिक्स) की बेरहमी से हत्या करने के मामले में 9 पुलिसकर्मियों को फांसी (मृत्युदंड) की सजा सुनाई। जबकि अधिकतर मामलों में सबूतों के अभाव या गवाहों के मुकरने के कारण पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराना मुश्किल होता है, जिसके चलते कई मामलों में पुलिसकर्मियों को केवल विभागीय कार्रवाई का सामना करना पड़ता है या वे बरी हो जाते हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार वर्ष 2024 में 2,739 लोगों की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। हिरासत में यातना सत्ता तंत्र की शक्ति और संवैधानिक मूल्यों का घोर दुरुपयोग है। ऐसा इसलिए, क्योंकि हिरासत में रखे गए लोग कमजोर और

असुरक्षित स्थिति में होते हैं और वहाँ शक्ति का संतुलन भी उनके खिलाफ होता है। जवाबदेही तय करने की स्वतंत्र जांच नहीं हो पाती है, क्योंकि हिरासत में हुई मौतों की जांच अक्सर उसी पुलिस विभाग द्वारा की जाती है, जिनके संरक्षण में ऐसी घटना घटित होती है। यातना के उपयोग को पुलिस बल के भीतर हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने से जोड़ा गया है।

भारत में यातना (टॉर्चर) को रोकने या उससे निपटने के लिए अब तक कोई विशेष, स्वतंत्र कानून नहीं बन पाया है। यद्यपि भारत ने 1997 में 'संयुक्त राष्ट्र यातना विरोधी सम्मेलन' पर हस्ताक्षर किए थेलेकिन वर्तमान में यातना से निपटने के लिए भारतीय दंड संहिता और भारतीय संविधान के प्रावधानों का ही उपयोग किया जाता है। यातना निवारण विधेयक 2010 में लोकसभा द्वारा पारित किया गया था, जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन की पुष्टि करना और यातना को स्पष्ट रूप से दंडनीय अपराध बनाना था। हालाँकि, प्रवर समिति को भेजे जाने और संशोधनों की सिफारिशों के बाद, यह विधेयक लैप्स हो गया और कानून का रूप नहीं ले सका।

मानवाधिकार समूहों का कहना है कि भारत में हर साल सैकड़ों लोग हिरासत में मारे जाते हैं। उनका कहना है कि संदिग्धों से जबरन कबूलनामा निकलवाने के लिए यातना और दुर्व्यवहार करना पुलिसिंग का हिस्सा बन गया है। संयुक्त राष्ट्र के कई विशेषज्ञों ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुरूप पुलिस व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए बड़े सुधार करने का आह्वान किया था। लेकिन केंद्र सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। जब हिरासत में मौतों को लेकर देश की सरकारों को खास फर्क नहीं पड़ता, तब अमरीकी विदेश मंत्री को अमरीका में मौजूद मामूली से नस्लवाद को लेकर शर्मिंदा होना देश के नेताओं को आईना दिखाने जैसा है।

रोम से अमेरिका तक : शक्ति शून्य का खतरनाक इतिहास

अंशुमान तिवारी

नाटो विदेश मंत्रियों की बैठक। स्वीडन की विदेश मंत्री मारिया स्टेनरगार्ड माइक पर हैं। चेहरे पर थकान और हैरानी। ट्रंप चाहते क्या हैं, समझना आसान नहीं। ट्रंप ने दो हफ्ते पहले यूरोप से 5,000 अमेरिकी सैनिक वापस बुलाए। जर्मनी से ब्रिगेड कॉम्बैट टीमें हटीं। यूरोप ने समझाअमेरिका जा रहा है। पोलैंड घबराया। बाल्टिक देशों में रूस का डर। और फिर अचानक ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया'5,000 सैनिक पोलैंड भेज रहे हैं।' वापस बुलाए। फिर भेजे। किसी को बताया नहीं। नाटो के सचिव जनरल मार्क रूते ने कहा'यूरोप को अपनी सुरक्षा खुद संभालनी होगी।' स्पेन ने ईरान पर बमबारी के लिए अमेरिकी बमवर्षकों को एयरबेस इस्तेमाल करने से मना करते हुए हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। ट्रंप ने धमकी दीस्पेन को नाटो से निलंबित कर देंगे। पेंटागन का ईमेल लीक हुआ, जिसमें कहा गया कि जो दोस्त नहीं मानता, उसे सजा दो। यूरोप में सनसनी है। 81 साल पहले अमेरिका ने यूरोप को बचाने के लिए नॉरमैंडी के समुद्र तट पर जंग लड़ी थी, पर आज वह अपनी छतरी समेट रहा है। आइए, टाइम मशीन तैयार है। सीट पकड़िए, चलते हैं अतीत में यह देखने कि यह पहले भी हुआ था और क्यों। जब भी बड़ी ताकत ने वापसी की है, दुनिया बदल गई है। हम ब्रिटेन पहुंच गए हैं, मगर यह रोम वाला ब्रिटेन है। साल 410 ईस्वी। टाइम मशीन लंदिनियम की सड़कों पर उतर रही है। मगर यह लंदन नहीं, यह रोम का शहर है। सड़कें पत्थर की। स्नानघर गर्म पानी के। अदालतें लातिन में। चार सदियों से रोम का राज है यहां। रोमनों ने इस द्वीप को सभ्यता दी है-कानून, सड़कें, दीवारें, व्यापार दिया है। मगर रोम टूट रहा है। गॉथ दरवाजे पर हैं। सम्राट होनोरियस को हर सीमा पर सैनिक चाहिए। ब्रिटेन से रोमन सेनाओं यानी लीजन की वापसी शुरू हो गई है। पहले एक लीजन गई, फिर दूसरी, फिर तीसरी। ब्रिटेन के स्थानीय नेताओं ने रोम को खत लिखा है। इतिहास में इसे 'बर्तानवियों की पुकार' के नाम से दर्ज किया जाएगा। ब्रिटेन के लोग कह रहे हैंमत जाओ, हमें छोड़कर। बारबेरियंस आ रहे हैं। वे हमें समुद्र की तरफ धकेल रहे हैं और समुद्र हमें बारबेरियंस की तरफ। दोनों तरफ मौत है। हम या तो डूबेंगे या कटेंगे।' रोम का जवाब, 'अपनी रक्षा खुद करो।' याद कीजिए। यही शब्द मार्क रूते ने मई, 2026 में कहे-अपनी रक्षा खुद करो। 1,616 साल का फासला। वही एक वाक्य। तीस साल के भीतर रोमन ब्रिटेन खत्म। सड़कें टूटीं। स्नानघर सूखे। अदालतें बंद। एंग्लो-सैक्सन कबीले आए। सात रियासतें बनीं। अंधेरा युग शुरू हुआ। रोम ने चार सौ साल सभ्यता बनाईतीस साल में मिट गई। इसके बाद आ गए वाइकिंग। टाइम मशीन तेजी से दूसरे पड़ाव की तरफ बढ़ रही है।

हाउस ऑफ कॉमन्स। हम ब्रिटिश संसद की गैलरी के पास हैं। प्रधानमंत्री हेरॉल्ड विल्सन खड़े हैं। थके हुए चेहरे पर पसीना। पाउंड गिर रहा है। खजाना खाली है। विल्सन बोलते हैं'हम मलयेशिया और सिंगापुर से अपनी सेनाएं 1971 तक वापस बुलाएंगे। फारस की खाड़ी से भी। यूरोप के बाहर कोई विशेष सैनिक क्षमता नहीं रखी जाएगी।' विल्सन ने कहा है कि सुएज के पूर्व में अब ब्रिटेन की सेना नहीं रहेगी। ईस्ट ऑफ सुएज ये तीन शब्द ब्रिटिश साम्राज्य का मृत्यु प्रमाणपत्र बन जाएंगे। ये तीन शब्द रुडयार्ड किपलिंग की कविता ऑन रोड टु मांडले से चर्चा में आए थे। विल्सन ने इसे ग्लोबल कूटनीति की सबसे बड़ी घटना में बदल दिया है। ब्रिटेन एडन से निकला। सिंगापुर छोड़ा। बहरीन खाली किया। तीन साल में सुएज नहर से हांगकांग तकहर ठिकाना बंद। वह साम्राज्य, जिसमें कभी सूरज नहीं डूबता था, उसने अपनी बत्ती खुद बुझा दी। लंदन में एक चिट्ठी की चर्चा है। अमेरिकी संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने रक्षा मंत्री को लिखा है'ब्रिटिश की वापसी शक्ति शून्यता पैदा करेगी, जिसका फायदा सोवियत संघ और चीन उठाएंगे।'

यही हुआ है। यह मार्च, 1968 है। ब्रिटिश घोषणा के दो महीने बाद सोवियत नौसेना पहली बार हिंद महासागर में स्थायी रूप से उतरी है। हिंद महासागर। तेरह सदियों की समुद्री ताकतजो ईसा की पहली सदी से चौदहवीं सदी तक दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैली थी, अंग्रेज उसे समेट ले गए और हिंद महासागर में रूसी पनडुब्बियां तैरने लगी हैं। शून्य पैदा हुआ, तो उसे भरने वाले आ गए। हम 1956 में हैं। टाइम मशीन मिस्र की बंदरगाह सईद के ऊपर मंडरा रही है। नीचे ब्रिटिश और फ्रांसीसी पैराट्रूपर उतर रहे हैं। मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने सुएज नहर पर कब्जा कर लिया है। नहर का राष्ट्रीयकरण हो गया है। ब्रिटेन और फ्रांस ने हमला किया। मगर वाशिंगटन से एक फोन आया। आइजनहावर ने कहारुको। वापस जाओ। नहीं जाओगे तो पाउंड को गिरा दूंगा। ब्रिटेन वापस चला गया। उस दिन दुनिया ने देख लियापुरानी ताकत का रुतबा गया। अमेरिका ने हुक्म दिया और ब्रिटेन ने सिर झुकाया। सुएज वह क्षण था, जब ताज गिरा। अगला पड़ाव है 15 फरवरी, 1989। टाइम मशीन काबुल-जलालाबाद सड़क पर उतर रही है। धूल, बारूद की गंध। टैंकों की कतार अमू दरिया की तरफ बढ़ रही है।

जनरल बोरिस ग्रोमोव आखिरी सोवियत सैनिक है, जो पुल पार कर रहा है। पीछे मुड़कर देखता है। दस साल का युद्ध। पंद्रह हजार सोवियत सैनिक मरे। दस लाख अफगान। ग्रोमोव कह रहा है-'मेरे पीछे कोई सोवियत सैनिक नहीं बचा।' सोवियत संघ ने वादा किया थानजीबुल्लाह की सरकार टिकेगी। हथियार भेजते रहेंगे। पैसा आता रहेगा। 1991 में सोवियत संघ खुद टूट गया। हथियार बंद। पैसा बंद। 1992 में नजीबुल्लाह गिरे। 1996 में तालिबान ने काबुल को जीत लिया। नजीबुल्लाह को संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय तक घसीटकर ट्रैफिक पोल पर लटका दिया गया। बड़ी ताकत गई, तो तालिबान आया। अब आपके सामने 2021 का अफगानिस्तान है। अमेरिका ने अफगानिस्तान छोड़ा। काबुल एयरपोर्ट पर लोग जहाज के पहियों से लटके। तालिबान वापस। बीस साल, बीस खरब डॉलर, ढाई हजार अमेरिकी सैनिकऔर नतीजा वही, जो 1989 में सोवियत संघ का था। पैटर्न देखिएबड़ी ताकत आती है, किले बनाती है, वादे करती है, और एक दिन चुपचाप चली जाती है। पीछे रह जाते हैं टूटे वादे और भरे हुए शून्य। टाइम मशीन वापस लौट रही है। बड़ी ताकतों ने जब भी वापसी की है, उसके नतीजे खतरनाक रहे हैं। अब अमेरिका यूरोप से हट रहा है। ईरान से जंग ने बजट बिगाड़ दिया है। 370 खरब डॉलर का कर्ज है। यूरोप का खर्च कौन उठाए, इसलिए यूरोप खुद को संभालने की बात कर रहा है। 1956 में अमेरिका ने ब्रिटेन को रोका। पर 2026 में अमेरिका खुद रुक नहीं पा रहा। क्या यह अमेरिका का सुएज क्षण है? अगर अमेरिका यूरोप छोड़ता है, तो क्या वह सचमुच एशिया आएगा? या 1968 की तरह फिर एक शून्य बनेगाइस बार हिंद-प्रशांत में? चीन की नौसेना दुनिया में सबसे बड़ी हैजहाजों की संख्या में। दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप बन चुके हैं। और अमेरिका? वह यूरोप से भी जा रहा है, ईरान में भी फंसा है, और एशिया की भी बात कर रहा है। एक साम्राज्य तीन मोर्चों पर एक साथ नहीं लड़ सकता। रोम ने यह सिखाया, ब्रिटेन ने यह सबक दिया। अब अमेरिका की बारी है। शून्य बन रहा है, मगर इसे भरने वाला बगल में खड़ा है। नाम है बीजिंग। बाकी आप खुद समझदार हैं।

देश की निरीक्षण व्यवस्था पर टूटे हुए कथन के अनुसार

योगेश कुमार गोयल

दस्तावेज़ की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और प्रबंधन परीक्षण से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटो कोटा लेकर सेलेक्ट छात्रों तक प्रश्नपत्र निष्कर्ष का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो ये केवल आरोप नहीं बल्कि आरोप हैं। जिस संस्था को सामुहिकता की सार्थकता थी, यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही समाप्त हो जाता है। नीट पेपर्स लाइक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर्स' के नाम पर करीब 150 से ज्यादा क्लासिक्स का हुबहू मिल गया, एग्जाम से पहले 600 प्वाइंट तक के स्टूडियोज, प्लॉक और ऑर्केस्ट्रा जैसे प्लेटफॉर्म्स पर कंपोजिशन पेपर्स का घूमना, ये सब किसी भी संयोग का परिणाम नहीं हो सकता। यह एक संबद्ध, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से अक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली के हर ड्राअल सीक्कल को भेदता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की बाइबिल, बैपटिस्ट और 2026 में जारी की गई स्थिति और खराबियां कैसे हुईं? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या प्रौद्योगिकी कम और इच्छाशक्ति की अधिकता है। भारत के परीक्षा प्रणाली का ढाँचा ही तीन पूर्व स्तर पर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है।

जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंच से पहले स्कैन स्कैन डिजिटल रूप में विफल हो सकती है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अभूतपूर्व विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग इंजीनियरिंग अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन गया है। इस बाजार में 'सफलता' एक ऐसा उत्पाद है, जो छात्रों और अभिभावकों के लिए किसी भी हद तक जाने को मजबूर है। इसी प्रॉसेस का फ़ायदेमंद शिक्षा माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलैक्शन डेमोकैथ' और 'इनसाइडर एजेकेज़' जैसे कि कैथी वादों के माध्यम से पूरे सिस्टम को खोखला किया जा रहा है। भारत में परीक्षा में अब सर्वोच्च योग्यता का पैमाना नहीं रखा गया है, बल्कि यह लाखों सपने की खूबसूरत सुंदरता बन गई है, लेकिन जब यह परीक्षा बार-बार बदनाम हो जाती है, जब मेहनत और साख की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' का बोलबाला हो जाता है, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लाइक के साथ नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सोमनाथ की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर प्रश्न और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं सामूहिक साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गंभीर समस्या संकट में फंस गई है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब लागू है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे वैज्ञानिक तस्वीर पेश करता है।

लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवार का त्याग और वर्षों की तैयारी एक संकेत में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा को रद्द नहीं किया जा रहा था बल्कि उस विश्वास को तोड़ा गया था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक दस्तावेजी तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनटीए) के अंदर तक डकैती का आरोप सामने आया। यदि नीट एपिसोड परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा होता है तो डुप्लिकेट का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की संरचना पर गंभीर चोट लगती है। डिजिटल एस्टीमेट को प्लांट और प्लांट को बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई देंगे। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को कम अंक और स्कैन की गई कॉपियों में भारी शैतानियां, ये सब इस बात का संकेत है कि प्रौद्योगिकी को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया है। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थीं, कुछ गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिलीं और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटिपूर्ण नहीं मानी जा सकती है, बल्कि यह बहुत ही गंभीर सार्वजनिक श्रेणी है। यदि किसी छात्र की मेहनत किसी दूसरे की कॉपी से बदल दी जाए तो यह केवल हानिकारक नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य पर ध्यान देना है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड वेल ही इन समीम को सीमित मामलों तक विशेष पल्ला झाड़ने की कोशिश करते हैं लेकिन छात्रों में भारी असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है। तीसरी बड़ी घटना, एसएस और कंसल्टेंसी जीडी परीक्षा धांधली में, इस बात से यह स्पष्ट होता है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी उद्यम और निजीकरण के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर में यूपी के बदमाशों ने इस धांधली को आधुनिक रूप में शामिल किया। सर्वेसर्वा, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी चॉइस के माध्यम से परीक्षाओं में भाग लिया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लाइक से कहीं ज्यादा खतरनाक है क्योंकि इसमें इस तकनीक का इस्तेमाल कर पूरे सिस्टम को अंदर से हैक किया जा रहा है। इन त्रिमूर्ति घटनाओं को एक साथ देखें तो एक सादृश्य चित्र उभरता है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं है, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं है और परीक्षण प्रक्रिया को रेखांकित नहीं किया गया है। सबसे ज्यादा पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्र के हजारों विद्यार्थी, जिनके माता-पिता कर्ज लेकर या जमीन लेकर उन्हें कोचिंग लॉज में रखते हैं, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षण रद्द होने का मतलब केवल नमूना परीक्षण नहीं होता है बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक दबाव और आर्थिक नुकसान का कारण बनता है।

यह संपूर्ण संकट एक और खतरनाक परिदृश्य है, जो व्यवस्था की ओर बढ़ता हुआ विश्वास है। जब विद्यार्थी यह स्नातक की उपाधि प्राप्त करते हैं तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक मूल्यांकन का भी पतन होता है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, बिल्डर और स्टेटमेंटबाजी से काम चलेगा? स्पष्ट है कि नहीं. सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और डिजिटल मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों का परीक्षण से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे जुड़ी सेवाएं समाप्त हो गईं। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। शैक्षिक संस्थानों में केवल प्रशिक्षण और उत्तरदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीग को गैर-जमानती कठोर कानून बनाने के लिए प्रासंगिक आर्थिक अपराध घोषित किया गया। जब तक शार्पनर को कड़ी सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह खतरा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर पर्यवेक्षक को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और स्टैचर्ड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष जीन निर्मित किया जाना चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। डुप्लिकेट ओसम डिस्कशन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक का समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है। सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और अमानवीय इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक अकेले-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, ओम्सकॉम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किया गया तो आने वाले समय में हर परीक्षा में संदेह करना होगा। टैब की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हो गया बल्कि यह होगा कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह से टूट जाएगा। और जिस राष्ट्र के युवा ही अपनी व्यवस्था पर विश्वास खो देते हैं, उसका भविष्य कितना खोखला हो जाता है, यह आंकड़ा मुश्किल नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल में हुई 25 मरीजों की सर्जरी

वाराणसी, एजेंसी। राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल चौकाघाट में दो दिन तक चली कार्यशाला में बवासीर, फिशर, फिस्टूला इन एनो सहित अन्य बीमारियों से परेशान 25 मरीजों की निशुल्क सर्जरी की गई। इसके साथ ही सर्जरी की विधियों के बारे में भी विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की।आयुर्वेदिक अस्पताल के शल्य विभाग और नीमा सर्जिकल सोसायटी यूपी चैप्टर की ओर से आयोजित सुश्रुतकॉन के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ.केके द्विवेदी ने कहा कि आयुर्वेदिक पद्धति से किए जाने वाले उपचार में नई तकनीक के प्रयोग से युवा डॉक्टरों को सहूलियत होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर डीके मौर्य ने इस तरह के कार्यशालाओं को उपयोगी बताया। इस दौरान डॉ. आलोक गुप्ता, प्रोफेसर पी हेमंत कुमार, डॉ. अशोक कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर सुमन यादव, डॉ. मृगांक शेखर, प्रोफेसर लक्ष्मण सिंह, डॉ. अरुण दत्त राजोरिया और डॉ. श्रुति सिंह मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो पलटा, चालक घायल

गोरखपुर, एजेंसी। एम्स थाना क्षेत्र में गोरखपुर-कुशीनगर मार्ग पर शनिवार दोपहर दो बजे अज्ञात चारपहिया वाहन की टक्कर से एक ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसपर सवार एक महिला बाल-बाल बच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया।जानकारी के अनुसार, मलपुर निवासी धर्मेंद्र यादव (35) ऑटो लेकर गोरखपुर की ओर जा रहे थे। कुसम्ही बाजार कस्बे से आगे एक निजी धर्मकांटा के समीप पहुंचते ही पीछे से आए एक तेज रफ्तार अज्ञात चारपहिया वाहन ने ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक धर्मेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए।वहीं ऑटो में बैठी एक महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित बच गई। घटना की सूचना मिलते ही एम्स थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पर्यावरण संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान

मेरठ, एजेंसी। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसका आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति समिति और राष्ट्रीय सेवा योजना ने मिलकर किया। कार्यक्रम का विषय मिशन लाइफ (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट) था। इस दौरान सभी ने पर्यावरण संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। विद्यार्थियों ने पोस्टर और प्रदर्शनी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। एक भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। भारतीय वन सेवा की वरिष्ठ अधिकारी वंदना फोगाट मुख्य अतिथि थीं। एनईपी समन्वयक अर्चना आर्या ने मिशन लाइफ को जनभागीदारी वाला जनांदोलन बताया। उन्होंने सभी से दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने का आह्वान किया। वंदना फोगाट ने प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने पौधरोपण, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने को प्रेरित किया। कुलपति प्रो. त्रिवेणी दत्त ने विश्वविद्यालय को सामाजिक एवं पर्यावरणीय परिवर्तन का माध्यम बताया।

एमबीए-एमएसडब्ल्यू व एमपीएच प्रवेश परीक्षा में 4,254 अभ्यर्थियों ने किया आवेदन, कोलकाता-केरल में भी केंद्र

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के शैक्षणिक सत्र 2026-27 में एमबीए, एमएसडब्ल्यू, एमपीएच और बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा 7 जून को होगी। इसके लिए अलीगढ़, कोलकाता और कोझिकोड (केरल) में केंद्र बनाए गए हैं। एमबीए, एमएसडब्ल्यू और एमपीएच पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक जबकि बीएड की प्रवेश परीक्षा शाम चार से छह बजे तक होगी। एमबीए, एमएसडब्ल्यू और एमपीएच पाठ्यक्रमों के लिए कुल 4,254 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इनमें 2,398 पुरुष और 1,569 महिला अभ्यर्थी अलीगढ़ केंद्र पर परीक्षा देंगे। इसके अलावा कोलकाता में 177 और कोझिकोड में 110 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 2,184 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। इनमें अलीगढ़ केंद्र पर 1,155 महिला और 472 पुरुष अभ्यर्थी परीक्षा देंगे, जबकि शेष विद्यार्थी अन्य केंद्रों पर शामिल होंगे।अलीगढ़ में विश्वविद्यालय ने महिला कॉलेज, कला संकाय, जाकिर हुसैन इंजीनियरिंग कॉलेज, विज्ञान संकाय लेक्चर कॉम्प्लेक्स, शिक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग, भूगोल विभाग, रसायन विज्ञान विभाग, भूगर्भ विज्ञान विभाग, प्राणी विज्ञान विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, दीमेंस पॉलिटेक्निक और विधि संकाय सहित 13 परीक्षा केंद्र बनाए हैं।

कॉक्रोच जनता पार्टी की मांग के समर्थन में उतरे प्रशांत किशोर

चंपारण, एजेंसी। जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर शनिवार को बगहा पहुंचे। इस दौरान कॉक्रोच जनता पार्टी द्वारा दिल्ली के जंतर-मंतर पर किए जा रहे प्रदर्शन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के सवाल पर उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि हम उसका समर्थन करते हैं

इस्तीफे की मांग का समर्थन: शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज यह पहले भी स्पष्ट रूप से कह चुका है कि बार-बार पेपर लीक होने की घटनाओं के आधार पर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था।

पेपर लीक पर तंज: प्रशांत किशोर ने देश और राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि यह कोई पहली बार नहीं है कि जब देश या बिहार में कोई प्रश्नपत्र लीक हुआ है। आज के दौर में खबर यह बिल्कुल नहीं है कि कहां पेपर लीक हुआ है, बल्कि असली खबर तो तब बनती है जब कोई परीक्षा पूरी ईमानदारी से हो जाए और उसका पेपर लीक न हो

मूल्यांकन में भारी घालमेल: उन्होंने देश की मौजूदा परीक्षा प्रणाली की कमियों को उजागर करते हुए आगे कहा कि इस बार तो खुद बारहवीं की परीक्षा के मूल्यांकन में कुछ युवाओं ने पूरी प्रक्रिया की पोल खोलकर रख दी है। युवाओं ने पूरी तरह उजागर किया है कि इसमें कितना बड़ा घालमेल चल रहा है, जहां किसी की उत्तर पुस्तिका होती है, किसी का नंबर होता है और किसी को यह तक पता नहीं है कि यह सब कौन कर रहा है, इसलिए धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा होना ही चाहिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस का हवाला: उन्होंने पिछले चुनाव की घटनाओं को याद दिलाते हुए दावा किया कि खास तौर पर जन सुराज ने इनके खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और इनकी तस्वीरें भी सार्वजनिक तौर पर जारी की थीं। उन तस्वीरों में साफ दिख रहा था कि कैसे धर्मेंद्र प्रधान जन सुराज के प्रत्याशियों से गुपचुप तरीके से मिलकर उन्हें प्रभावित करने, डराने-धमकाने या फिर सीधे तौर पर खरीदने का प्रयास कर रहे थे।

शिक्षा व्यवस्था पर सवाल: प्रशांत किशोर ने सख्त लहजे में कहा कि इस तरह के पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति के शिक्षा मंत्री रहते हुए देश में शिक्षा की स्थिति कभी भी सुधरने वाली नहीं है। उन्होंने जंतर-मंतर पर डटे छात्रों को अपना खुला समर्थन देते हुए कहा कि जो बच्चे मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं और दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार धरना दे रहे हैं, उनके समर्थन में हम लोग पूरी मजबूती के साथ खड़े हैं।

बगहा पहुंचे प्रशांत किशोर: दरअसल प्रशांत किशोर इन दिनों अपनी पार्टी के जमीनी संगठन को पूरी तरह मजबूत करने के लिए 'बिहार नवनिर्माण अभियान' के तहत बिहार के तमाम जिलों का लगातार दौरा कर रहे हैं।

नेताओं से मुलाकात: वे बिहार के हर एक जिले में जमीनी स्तर पर खुद जाकर संगठन के प्रमुख नेताओं और सक्रिय कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर रहे हैं। इसी क्रम में आज बगहा स्थित कमला टॉकीज श्रीवास्तव मैरिज हॉल में जन सुराज की जिला कार्यकारिणी कार्यशाला सह संगठनात्मक बैठक का भव्य आयोजन किया गया था।

संगठनात्मक बैठक: इस महत्वपूर्ण बैठक में जिले की सभी सांगठनिक इकाइयों के शीर्ष पदाधिकारी और जमीनी स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए थे। जन सुराज के इस बड़े मंच से प्रशांत किशोर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के भविष्य के रोडमैप और रणनीतियों को विस्तार से साझा किया।

घर-घर जाने का संकल्प: बैठक के उद्देश्य पर बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं आज यहां विशेष रूप से जन सुराज की जिला कार्यकारिणी की इस पहली महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए आया हूं। उन्होंने आगे बताया कि वर्तमान में जन सुराज के पूरे संगठन को नए सिरे से पुनर्गठित करने की प्रक्रिया को बहुत तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

बिहार बदलने का संकल्प: पीके ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए आगे कहा कि आने वाले तीन से चार महीनों के भीतर हम लोग जन सुराज के मूल विचार और बिहार बदलने के इस पवित्र संकल्प को राज्य के घर-घर तक लेकर जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि जनता अब बिहार की मौजूदा व्यवस्था से पूरी तरह ऊब चुकी है और विकल्प की तलाश में है।

नीतीश कुमार पर निशाना: इसके बाद विधानसभा चुनाव के दौरान एनडीए द्वारा महिलाओं को प्रति माह 2 लाख रुपये देने के वादे के अब तक पूरा न होने के सवाल पर प्रशांत किशोर ने नीतीश सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया।

सत्य साबित हुई बात: प्रशांत किशोर ने कहा कि महिलाओं को दिए गए इस झूठे प्रलोभन के खिलाफ जन सुराज ने सबसे पहले प्रमुखता से आवाज उठाई थी और आगे भी जनता के हक के लिए आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि जो बात जन सुराज ने चुनाव के समय कही थी, वह आज कहीं न कहीं पूरी तरह से सत्य साबित हो रही है।

जनादेश पर बड़ा दावा: नीतीश कुमार की तत्कालीन सरकार पर निशाना साधते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि 202 विधायकों का भारी-भरकम समर्थन होने के बाद भी नीतीश कुमार को अपना मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार को भी भली-भांति पता है कि 202 विधायकों का वह समर्थन जनता द्वारा बनाई गई किसी ईमानदार सरकार का नहीं था।

खरीदे गए वोटों की सरकार: उन्होंने तीखा हमला जारी रखते हुए कहा कि वह बहुमत जनता के वास्तविक समर्थन का नहीं बल्कि जनता के ही पैसे से खरीदे गए वोटों का एक तात्कालिक परिणाम था। उन्होंने साफ किया कि जन सुराज इस मुद्दे को लेकर जमीनी स्तर पर अभी कोई बड़ा आंदोलन इसलिए नहीं कर रही है क्योंकि नई सरकार को बने अभी केवल छह महीने का ही समय हुआ है।

सपाइयों ने बैल-बुग्गी चलाकर जताया पेट्रोल-डीजल के दामों का विरोध

मेरठ, एजेंसी। पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों और बढ़ती महंगाई के विरोध में समाजवादी युवजन सभा ने शनिवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने कमिश्नरी से कलक्ट्रेट तक बैल-बुग्गी चलाकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान पुलिसकर्मियों से उनकी कहासुनी और धक्कामुक्की भी हुई।

पुलिस ने युवजन सभा के कार्यकर्ताओं को बैल-बुग्गी के साथ कलक्ट्रेट के अंदर जाने से रोक दिया। पुलिसकर्मियों ने गेट को लॉक कर उन्हें बाहर ही रोका। बाद में युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष और अन्य सपा कार्यकर्ता पैदल कलक्ट्रेट के अंदर गए। जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर अपर जिलाधिकारी ने उनकी मांगों से संबंधित ज्ञापन लिया। सपाइयों के हाथों में नारे लिखी तख्तियां भी थीं। उन्होंने बढ़ती कीमतों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

सपा युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष प्रदीप कसाना ने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई से देश के हालात बिगड़ रहे हैं। किसान, मजदूर और नौकरीपेशा वर्ग को दैनिक जीवन के लिए भारी संघर्ष करना पड़ रहा है। डीजल, पेट्रोल, गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं के बेतहाशा बढ़ते दामों ने सभी वर्गों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकारें महंगाई के विरोध में सत्ता में आई थीं, पर अब अपने वादे भूल चुकी हैं। प्रदर्शन में ईशु गुर्जर, सोनू, दीपक, आशीष, रोबिन, इमरान, सुमित, सावेज और आशीष आदि शामिल है।

प्रदेश के 22 और जिलों में आधार सेवा केंद्र शुरू

71 और स्थानों पर शुरू करने का लक्ष्य

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के 22 और जिलों में आधार सेवा केंद्रों का संचालन शुरू हो गया है। अब इनकी संख्या कुल 32 हो गई है। ये सेवा केंद्र सीधे भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की तरफ से संचालित किए जाते हैं। यहां की क्षमता अधिक होती है, जिससे एक दिन में अधिक से अधिक लोगों को आधार सेवा संबंधी सेवा उपलब्ध कराई जाती है।

पहले 12 जिलों में ही इस तरह के आधार सेवा केंद्र संचालित हो रहे थे। इसमें लखनऊ, आगरा, गौतमबुद्धनगर, सहारनपुर, कानपुर, गोंडा, मेरठ, मुरादाबाद, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर और गाजियाबाद शामिल थे। अब इसमें 22 और जिले जुड़ गए हैं। इसमें अलीगढ़, अयोध्या, हापुड़, मुजफ्फरनगर, रायबरेली, उन्नाव, हाथरस, सीतापुर, बलरामपुर, मथुरा, इटावा, मैनपुरी, गाजीपुर, मऊ, मिर्जापुर, अमेठी, बस्ती और चंदौली है। सुविधा के शुरू होने से इन जिलों व आसपास जिलों के रहने वालों को आधार सुविधाएं बेहतर तरीके से मिल रही हैं। कम समय में काम हो रहा है और एक दिन में अधिक लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि कुल 32 जिलों में ये सुविधा शुरू हो चुकी है। 39 जिलों में इस तरह के सेवा केंद्र शुरू करने की प्रक्रिया जारी है। इसके लिए दफ्तर के लिए स्थान चिन्हित कर लिए गए हैं। मैनपॉवर व मशीनें आदि उपलब्ध कराई जा रही हैं। एक दो महीने में इन जिलों में भी आधार सेवा केंद्र शुरू कर दिए जाएंगे।

इसलिए इन केंद्रों पर है सहूलियत

जिन जिलों में यूआईडीएआई द्वारा संचालित केंद्र नहीं हैं वहा बैंकों व पोस्ट ऑफिसर में आधार संबंधी कार्य होते हैं। वहां की क्षमता कम है लिहाजा कम आवेदन ही स्वीकार किए जाते हैं। यूआईडीएआई से सीधे संचालित केंद्रों पर सभी सुविधाएं हैं। इसलिए इसका लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिलता है।

धान की भूसी में 80 लाख की शराब बरामद

चालक गिरफ्तार, बिहार में शराबबंदी के बीच तस्करी

बलिया एजेंसी। बिहार में लागू शराबबंदी कानून के बावजूद शराब तस्कर नए-नए तरीके अपनाकर अवैध कारोबार को अंजाम देने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे ही एक बड़े तस्करी प्रयास का खुलासा शनिवार की रात उस समय हुआ, जब मांझी पुलिस और मद्य निषेध इकाई पटना की संयुक्त टीम ने विशेष अभियान चलाकर एक कंटेनर से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की। तस्करों ने शराब की खेप को धान की भूसी के बीच छिपाकर पुलिस की नजरों से बचाने का प्रयास किया था, लेकिन संयुक्त टीम की सतर्कता के चलते उनका मंसूबा विफल हो गया।

पुलिस के अनुसार बैरिया थाना क्षेत्र से होकर जयप्रभा सेतु पार करने वाले वाहनों की जांच के लिए बिहार सीमा में स्थित बलिया मोड़ के पास विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध कंटेनर को रोककर उसकी तलाशी ली गई। जांच के दौरान कंटेनर के भीतर धान की भूसी के बड़े-बड़े ढेर दिखाई दिए। जब पुलिस ने गहन तलाशी ली तो भूसी के नीचे बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब छिपाकर रखी गई मिली।

पुलिस ने की कार्रवाई : तलाशी में कुल 1,013 कार्टून अंग्रेजी शराब बरामद हुई। अधिकारियों के अनुसार जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 80 लाख रुपये है। इतनी बड़ी मात्रा में शराब की बरामदगी से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में भी हलचल मच गई। पुलिस ने मौके से कंटेनर चालक पुनमा राम को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में चालक ने बताया कि शराब की खेप पंजाब से लोड की गई थी और उसे बिहार के विभिन्न जिलों में पहुंचाया जाना था। हालांकि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस अवैध तस्करी नेटवर्क के पीछे कौन लोग शामिल हैं और शराब की यह बड़ी खेप किसके निर्देश पर भेजी जा रही थी। इसके लिए कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

कार्रवाई के बाद बरामद शराब को मांझी थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया। थाना परिसर में जमा शराब के विशाल जखीरे को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। क्षेत्र में पूरे दिन इस कार्रवाई की चर्चा होती रही।

मांझी पुलिस और मद्य निषेध इकाई के अधिकारियों ने कहा कि शराब तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। गिरफ्तार चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और तस्करी गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब चींटी जनता पार्टी

मेरठ, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए मेरठ से चींटी जनता पार्टी (सीजेपी) का गठन किया गया है। सीजेपी का गठन भाजपा के पूर्व नेता एडवोकेट अनूप राघव ने किया है। उन्होंने पार्टी का ध्येय वाक्य बनाया है कि देश में फैले भ्रष्टाचार को चींटी समाप्त करेगी। 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की नींव शहर से रखी गई थी।

गढ़ रोड स्थित जनकपुरी निवासी अनूप राघव भाजपा श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके हैं। 2014 के बाद भाजपा में निष्क्रिय हो चुके राघव ने कॉकरोच जनता पार्टी के जवाब में चींटी जनता पार्टी का गठन किया है। उन्होंने बताया कि सीजेपी ने पांच सूत्रीय वादे किए हैं। इनमें किसानों को लागत पर 50 प्रतिशत मुनाफे की एमएसपी गारंटी दी जाएगी। मजदूर सम्मान कार्ड पर 12 हजार रुपये प्रति महीना न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। गांव रोजगार मिशन के तहत हर पंचायत में 100 नए रोजगार, शिक्षा क्रांति करके 12वीं तक मुफ्त शिक्षा और हर गांव में डिजिटल स्मार्ट क्लास बनेगी। लोगों को मूलभूत सुविधा के तहत नल से जल, पक्की सड़क, 24 घंटे बिजली, पीएचसी बनाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि सीजेपी को चुनाव आयोग में पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए कागजात तैयार किए जा रहे हैं। पार्टी का सदस्यता शुल्क दस रुपये रखा गया है। पार्टी का संकल्प-खेती, मेहनत और सम्मान रखा गया है। पार्टी के कई नारे भी बनाए गए हैं। ना नेता की कोठी, ना अफसर की नोटी, अब चलेगी ईमानदारी की चींटी, रिश्वतखोर को जेल, ईमानदार को मेडल, हर ऑफिसर में सीसीटीवी-चींटी की नजर, बड़े-बड़े खा गए देश को अब चींटी बचाएगी देश को।

रोज 100 फरियादी गोरखनाथ मंदिर पहुंच रहे, थाने-तहसील से निराश लोग लगा रहे गुहार

गोरखपुर , एजेंसी। यहां प्राप्त प्रार्थना-पत्रों को संबंधित जिलों और विभागों तक पहुंचाने की व्यवस्था है। गोरखपुर और बस्ती मंडल से जुड़े मामलों में संबंधित जिलों के कर्मचारी सप्ताह में एक दिन मंदिर पहुंचकर प्रार्थना-पत्र लेते हैं और उनके निस्तारण की प्रक्रिया आगे बढ़ाते हैं। अन्य मंडलों से संबंधित शिकायतों को कार्रवाई के लिए लखनऊ भेजा जाता है। गोरखपुर जिले के मामलों में संबंधित अधिकारियों को मंदिर बुलाकर प्रार्थना-पत्र सौंपे जाते हैं।

उन्हें भरोसा है कि गोरखनाथ मंदिर स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में प्रार्थना-पत्र देने पर उनकी समस्या संबंधित अधिकारियों तक पहुंचेगी और उसके समाधान की पहल होगी। कैंप कार्यालय में प्रतिदिन करीब 100 फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचते हैं।

केस-1: बेटे के मौत के आरोपियों को सजा दिलाने की गुहार : ललितपुर के गौरकला गांव निवासी बलवंत सिंह ने गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में प्रार्थना-पत्र सौंपा। वे बेटे की मौत के आरोपियों को सजा दिलाना चाहते हैं। यही गुहार लेकर आए हैं। उनका कहना है कि उनके पुत्र रामश्याम के साथ गांव के कुछ लोगों ने मारपीट की थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस को सूचना देने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। बलवंत सिंह का कहना है कि ललितपुर से लेकर भोपाल तक इलाज कराने के बाद भी दो माह बाद उनके बेटे की मौत हो गई। उन्होंने पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए मामले में न्याय और कार्रवाई की मांग की है।

केस-2 पति की मौत के बाद से लोग धमका रहे : वृंदावन स्थित राधा पार्क संत कॉलोनी, परिक्रमा मार्ग निवासी मिथलेश ने भी गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में प्रार्थना-पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले उनके पति का निधन हो गया था, जिसके बाद कुछ लोग उन्हें मकान खाली करने के लिए दबाव बना रहे हैं। उनका आरोप है कि आए दिन उन्हें और उनकी दो बेटियों को धमकाया जा रहा है तथा वृंदावन छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

केस-3 निजी जमीन से निर्माण ध्वस्त कराया : मुरादाबाद जिले के मुंडा पांडे थाना क्षेत्र के अक्काबाद गांव निवासी अंकित सिंह ने दिए प्रार्थना-पत्र में कहा है कि वह अपनी निजी जमीन पर निर्माण कराए थे लेकिन लेखपाल ने जेसीबी लगाकर निर्माण को ध्वस्त करा दिया। लेखपाल एक भूमाफिया से मिला हुआ है। उसकी शह पर उसने निर्माण को ध्वस्त करा दिया।

मंदिर में ऐसे होता है शिकायतों का निस्तारण

यहां प्राप्त प्रार्थना-पत्रों को संबंधित जिलों और विभागों तक पहुंचाने की व्यवस्था है। गोरखपुर और बस्ती मंडल से जुड़े मामलों में संबंधित जिलों के कर्मचारी सप्ताह में एक दिन मंदिर पहुंचकर प्रार्थना-पत्र लेते हैं और उनके निस्तारण की प्रक्रिया आगे बढ़ाते हैं। अन्य मंडलों से संबंधित शिकायतों को कार्रवाई के लिए लखनऊ भेजा जाता है।

गोरखपुर जिले के मामलों में संबंधित अधिकारियों को मंदिर बुलाकर प्रार्थना-पत्र सौंपे जाते हैं। इसके अलावा कई मामलों में मंदिर प्रशासन के प्रमुख लोग सीधे संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर शिकायतों के समाधान का प्रयास करते हैं। जरूरत पड़ने पर दूसरे मंडलों के अधिकारियों से भी संपर्क कर मामलों के निस्तारण के लिए कहा जाता है। शिकायतों की प्रगति पर लगातार नजर रखी जाती है और संबंधित अधिकारियों से यह भी जानकारी ली जाती है कि मामले में अब तक क्या कार्रवाई हुई है।

इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए माकपा ने ब्रिटास को किया नामित

नयी दिल्ली, 7 जून (भा)। विपक्षी इंडिया गठबंधन की आज होने वाली बैठक में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का प्रतिनिधित्व पार्टी के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास करेंगे। वहीं, वामपंथी पार्टी केरल विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान लगे आरोपों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार माकपा महासचिव एमए बेबी ने हाल में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण मांगा, जिनमें केरल में माकपा और भाजपा के बीच राजनीतिक मिलीभगत के दावे किये गये थे। इस पत्र की प्रतियां इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के अन्य घटक दलों के साथ भी साझा की गयीं। पत्र में तर्क दिया गया है कि ऐसे आरोप विपक्षी गठबंधन के आधारभूत सहयोग की भावना के विपरीत हैं। वामपंथी दल का कहना है कि उसे इस मामले पर कांग्रेस से स्पष्टीकरण की प्रतीक्षा है। माकपा के सूत्रों ने बताया कि पार्टी को कांग्रेस से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है और ब्रिटास द्वारा बैठक में इस मुद्दे को उठाने की उम्मीद है। अपने पत्र में बेबी ने चिंता व्यक्त की थी कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और खरगे सहित कांग्रेस नेताओं द्वारा लगाये गये आरोप चुनावी आलोचना से कहीं आगे हैं, जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सामूहिक रूप से चुनौती देने के लिए बने गठबंधन के कामकाज पर सवाल उठते हैं। केरल विधानसभा चुनाव के बाद से यह मुद्दा दोनों पार्टियों के बीच विवाद का विषय बना हुआ है। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ संयुक्त रणनीति पर चर्चा करेंगे और विपक्षी एकता को मजबूत करने पर विचार करेंगे। सूत्रों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी, शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष खरगे सहित कई नेताओं के इस बैठक में शामिल होने की संभावना है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और आम आदमी पार्टी (आप) के इस बैठक में शामिल होने की संभावना नहीं लग रही। यह बैठक हाल में हुए विधानसभा चुनावों के मद्देनजर हो रही है, जिनमें पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में क्रमश: तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक दोनों ही सत्ता से बेदखल हो गयीं।

देर रात हो रही पार्टी में छापा प्रतिबंधित धूम्रपान सामग्री जब्त

पुणे, 7 जून (भा)। पुणे में पुलिस ने कल देर रात हो रही एक पार्टी में छापा मारा और गांजा, प्रतिबंधित धूम्रपान सामग्री तथा निर्धारित समय से अधिक समय तक परोसी जा रही शराब जब्त की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस पार्टी में 150 से अधिक लोग मौजूद थे। पुलिस उपायुक्त (अपराध) गौहर हसन ने बताया कि विशिष्ट सूचना के आधार पर शनिवार देर रात करीब 2.30 बजे लोनिकंद पुलिस थाना क्षेत्र के तुलपुर गांव में एक स्थान पर छापा मारा गया। उन्होंने बताया कि वहां 107 पुरुष और 49 महिलाओं सहित कुल 156 लोग मौजूद थे। इनमें से तीन की उम्र 21 वर्ष से कम थी। हसन ने बताया कि कार्यक्रम के लिए प्राप्त शराब का परमिट छह जून रात 11.30 बजे तक ही वैध था। हालांकि पार्टी निर्धारित समय से भी आगे चलती रही। छापेमारी के दौरान पुलिस ने लगभग तीन ग्राम गांजा बरामद किया और 10 प्रतिबंधित हुक्का फ्लेवर से भरे तीन कप जब्त किये। कार्यक्रम स्थल से 9.22 लाख रुपये की शराब भी बरामद हुई। उन्होंने बताया कि जब्त की गयी सामग्री का कुल मूल्य लगभग 85 लाख रुपये है। हसन ने बताया कि पुलिस ने ब्लेज़ एंटरटेनमेंट के ऐमन शेख और स्टार लाइट एंटरटेनमेंट के यश चौधरी को इस कार्यक्रम का मुख्य आयोजक बताया है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक-एयू फाइनेंस बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई के छापे

नयी दिल्ली, 7 जून (भा)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हरियाणा सरकार और चंडीगढ़ प्रशासन के विभागों से सरकारी धन की हेराफेरी से जुड़े कथित 661 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में चंडीगढ़, पंचकूला और दिल्ली-एनसीआर में छह स्थानों पर छापे मारे। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू फाइनेंस बैंक में जमा धनराशि के कथित दुरुपयोग की जारी जांच के तहत शुक्रवार को हरियाणा कैडर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और नोएडा स्थित विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक से जुड़े परिसरों पर छापे मारे गये। सीबीआई के अनुसार इस धोखाधड़ी से हरियाणा सरकार के आठ विभाग और चंडीगढ़ के दो विभाग चंडीगढ़ नगर निगम और चंडीगढ़ नवीकरणीय ऊर्जा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसायटी (सीआरईएसटी) प्रभावित हुए। बयान में कहा गया कि जांच के दौरान ऐसे सबूत सामने आये हैं, जिनसे पता चलता है कि सरकारी कर्मचारियों ने बैंक अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके खाते खुलवाये और धन हस्तांतरण किया और फिर उसका इस्तेमाल दूसरे कामों में किया। सीबीआई ने आरोप लगाया कि सरकारी कर्मचारियों ने लेन-देन को सुगम बनाने और अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई न करने के बदले अनुचित लाभ प्राप्त किये। जांच एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया कि विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते में अपराध से प्राप्त धनराशि जमा हुई, जिसे बाद में उसके निदेशक के निजी खाते में स्थानांतरित कर दिया गया। सीबीआई ने कहा कि छापे के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, संपत्ति संबंधी दस्तावेज और अन्य संबंधित सामग्री जब्त की गयी। यह जांच हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से लिये गये एक मामले और चंडीगढ़ के आर्थिक अपराध शाखा पुलिस थाने द्वारा मूल रूप से दर्ज किये गये दो मामलों से संबंधित है। सीबीआई ने बताया कि ये मामले कथित आपराधिक साजिश, सरकारी धन के दुरुपयोग और बैंक अधिकारियों और लोक सेवकों की मिलीभगत से किये गये संबंधित अपराधों से जुड़े हैं। सीबीआई ने कहा कि उसने पंचकूला की एक विशेष अदालत में अपना पहला आरोप पत्र दाखिल कर दिया है, जिसमें हरियाणा पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के लोक सेवकों की कथित भूमिका का विस्तृत विवरण दिया गया है। आरोपपत्र में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू फाइनेंस बैंक में जमा सरकारी धन की हेराफेरी के लिए इस्तेमाल किए गए कथित तौर-तरीकों का भी विवरण दिया गया है। जांच जारी है और इस मामले में संलिप्त पाये गये अन्य आरोपियों के खिलाफ अतिरिक्त आरोपपत्र दाखिल किये जाएंगे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री शिवकुमार मेट्रो से पहुंचे कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र

बेंगलुरु, 7 जून (भा)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार आज अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों का आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित कृतज्ञता यात्रा में भाग लेने के लिए कनकपुरा जाते समय मेट्रो रेल से यात्रा करते नजर आये। मुख्यमंत्री बनने के बाद शिवकुमार की बेंगलुरु दक्षिण जिले में स्थित कनकपुरा की यह पहली यात्रा है। मेट्रो में सवार होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि लोग मुझे मेरे पैतृक गांव डोड्डालहल्ली से यहां तक लेकर आये हैं। डोड्डालहल्ली, सथानूर (मेरा पूर्व विधानसभा क्षेत्र), कनकपुरा और बेंगलुरु दक्षिण के लोगों ने मुझे यहां तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री बनने के बाद वहां के लोग मुझसे मिलना चाहते थे, लेकिन मैं उन्हें समय नहीं दे पा रहा था। जो लोग यहां मिलने आते थे, वे भी नहीं मिल पाते थे। मैंने भी उनसे बेंगलुरु नहीं आने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे कहा था कि मैं खुद उनसे मिलने आऊंगा। इसलिए मुख्यमंत्री बनने के बाद मेरी पहली यात्रा अपने विधानसभा क्षेत्र की है, जहां मैं अपने लोगों से मिलकर उनका आभार व्यक्त करूंगा। पिछले 40 वर्षो से जिन्होंने मुझे राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाया, उनके प्रति कृतज्ञता जताना मेरा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस दौरे के दौरान लोगों से मिलने के लिए लगभग 20-25 स्थान चिह्नित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि मैं लोगों से मिलने और उनके कार्यों को पूरा कराने के लिए अलग से अधिकारियों की नियुक्ति करूंगा। वहां के लोग राजनीतिक रूप से जागरूक हैं। उनकी सेवा करना मेरा कर्तव्य है। यात्रा के दौरान शिवकुमार ने सहयात्रियों का अभिवादन किया और यात्रियों से बातचीत भी की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री शिवकुमार ने बेंगलुरुवासियों को असुविधा से बचाने के लिए मेट्रो से यात्रा करने का फैसला किया। शिवकुमार ने विधान सौध मेट्रो स्टेशन से ट्रेन पकड़ी और कनकपुरा रोड के अंतिम स्टेशन तक यात्रा की।

एक दिन का सरपंच पहल से छात्रों को जमीनी स्तर पर शासन का अनुभव मिला

सोलापुर, 7 जून (भा)। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में एक अनूठी पहल के तहत मेधावी स्कूली छात्रों को एक दिन के लिए ग्राम सरपंच की भूमिका निभाने का मौका दिया गया, जिससे उन्हें समाधान सुझाने की स्वतंत्रता और जमीनी स्तर पर शासन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो रहा है। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण सोलापुर पंचायत समिति द्वारा चार जून को शुरू की गयी इस पहल का उद्देश्य छात्रवृत्ति और प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के बीच लोकतांत्रिक जागरूकता, नेतृत्व कौशल और नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। अधिकारियों ने बताया कि कक्षा पांचवीं और आठवीं की छात्रवृत्ति परीक्षाओं के साथ-साथ नवोदय प्रवेश परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले 13 छात्रों को उनके पैतृक गांवों में एक दिन के लिए सरपंच नियुक्त किया गया, जिनमें दक्षिण सोलापुर तहसील के मंद्रुप, वलसंग, खानापुर, आंतरोली और निंबर्गी शामिल हैं। दक्षिण सोलापुर खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) मनोज राउत ने बताया कि युवा नागरिकों में राजनीतिक जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से आज का विद्यार्थी, कल का जन प्रतिनिधि नारे के तहत यह पहल शुरू की गयी है। उन्होंने कहा कि हमने छात्रवृत्ति और नवोदय परीक्षाओं में तालुका स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों का चयन किया और उन्हें अपने गांवों में एक दिन के लिए सरपंच के रूप में कार्य करने का अवसर दिया। छात्रों का विधिवत स्वागत किया गया और उन्हें सरपंच की कुर्सी पर बैठाया गया, साथ ही उनके माता-पिता और अभिभावकों को सम्मानित किया गया। राउत ने बताया कि इस अभ्यास के तहत छात्रों को स्कूलों, आंगनवाड़ियों और स्वास्थ्य केंद्रों जैसे ग्रामीण संस्थानों का दौरा कराया गया और उन्हें अपने गांवों के विकास के लिए आवश्यक उपायों और निर्णयों के सुझाव देने की पूरी छूट दी गयी। बीडीओ ने बताया कि छात्रों ने कई सुझाव दिये, जिनमें क्षतिग्रस्त स्कूल की छतों की मरम्मत, पुस्तकालयों का निर्माण, खेल के मैदानों का विकास, शौचालय सुविधाओं में सुधार और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है। उन्होंने बताया कि यह पहल मूल रूप से एक शैक्षणिक प्रयोग है, जो बच्चों को लोकतंत्र, शासन और नेतृत्व को समझने में मदद करता है।

पंजाब में लिव-इन साथी की किशोर बेटी की हत्या के आरोप में युवक गिरफ्तार

चंडीगढ़, 7 जून (भा)। पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर (एसबीएस नगर) जिले में 23 वर्षीय एक युवक ने कथित तौर पर अपनी लिव-इन साथी की किशोर बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी और उसके शव को एक सूटकेस में भरकर एक जंगल में ले जाकर आग लगा दी। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इलाके के सीसीटीवी फुटेज में वह एक सूटकेस ले जाते हुए दिखाई दिया था, जिसमें कथित तौर पर लड़की का शव था। 16 वर्षीय लड़की 29 मई से लापता थी। ऐसी जानकारी है कि वह अपनी मां के इस रिश्ते का विरोध करती थी। एसबीएस नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) तुषार गुप्ता ने बताया कि पुलिस को 38 वर्षीय ऊषा की शिकायत मिली थी कि उसकी बेटी 29 मई को लापता हो गयी है। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गयी। ऊषा, उसकी बेटी और गुरविंदर नवांशहर के जडली इलाके में एक साथ रहते थे। ऊषा अपने पति से अलग रह रही थी। गुरविंदर मजदूरी करता था, जबकि ऊषा शहीद भगत सिंह नगर जिले के राहों रोड स्थित नगर निगम में कार्यरत थी। नवांशहर के थाना प्रभारी अवतार सिंह ने बताया कि लड़की अपनी मां और गुरविंदर के संबंधों का विरोध करती थी। पुलिस के मुताबिक गुरविंदर ने जांच को गुमराह करने की भी कोशिश की। उसने सीसीटीवी फुटेज दिखाकर दावा किया कि लड़की किसी व्यक्ति के साथ मोटरसाइकिल पर जाती हुई दिखाई दे रही है। पुलिस ने इलाके के सभी सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें गुरविंदर अपनी मोटर साइकिल पर एक सूटकेस ले जाता हुआ दिखाई दिया। पूछताछ के दौरान उसने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उसने 29 मई को उस समय लड़की की हत्या कर दी थी, जब ऊषा काम पर गयी हुई थी। इसके बाद वह शव को सूटकेस में भरकर अपनी मोटरसाइकिल से लगभग 30 किलोमीटर दूर खुल्लरगढ़ साहिब के जंगल क्षेत्र में ले गया और वहां शव को आग के हवाले कर दिया।

पृष्ठ 1 का शेष

इंडिया गठबंधन की...

आरोपों पर स्पष्टीकरण मांगा है। इसके बावजूद सीपीआईएम ने बैठक में शामिल होने का फैसला किया है। पार्टी की ओर से राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास प्रतिनिधित्व करेंगे और माना जा रहा है कि वह यह मुद्दा बैठक में उठा सकते हैं। भाजपा ने इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि गठबंधन के पास न कोई मिशन है, न विजन, सिर्फ कन्फ्यूजन है। हालांकि कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा की आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि बैठक के नतीजों का इंतजार करना चाहिए। 23 दलों की मौजूदगी और अंदरूनी मतभेदों के बीच यह बैठक गठबंधन की एकजुटता की बड़ी परीक्षा मानी जा रही है।

हिमंत ने मंत्रियों को...

होजाई, कार्बी आंगलांग और पश्चिम कार्बी आंगलांग जिलों का अभिभावक मंत्री बनाया गया है। शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु को बिश्वनाथ और गोलाघाट जिलों का प्रभार दिया गया है, जबकि सुशांत बरगोहाई को माजुली और डिब्रूगढ़ जैसे महत्वपूर्ण जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इस दूरदर्शी प्रशासनिक निर्णय की आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने पूरा भरोसा जताया कि सभी मंत्री आवंटित जिलों के स्थानीय प्रशासनों के साथ मिलकर बेहद करीबी और जमीनी स्तर पर काम करेंगे। उन्होंने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि मंत्रियों और जिला प्रशासनों का यह सक्रिय व निरंतर समन्वय असम को प्रगति, सुशासन और चौमुखी समृद्धि की राह पर आगे ले जाने में एक बेहद महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

अजमल ने की...

फुटेज और अन्य सबूत भी सौंपे हैं। अजमल ने राज्यपाल से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की अपील की है। उन्होंने मांग की है कि राज्य सरकार को उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिये जाएं, आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दिलायी जाए, पीड़ित परिवारों को पर्याप्त सुरक्षा और मुआवजा दिया जाए और क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव व कानून का शासन बनाये रखने के लिए जरूरी कदम उठाये जाएं।

गौरव गोगोई का...

जनता कांग्रेस से जुड़ना चाहती है और इसके लिए संगठन के साथ-साथ उन्हें खुद में भी कुछ बदलाव लाने होंगे, जो काम में दिखने चाहिए। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए गोगोई ने कहा कि वे जोरहाट की जनता के पास जरूर जाएंगे और जिन लोगों तक अब तक नहीं पहुंच पाये हैं, उनसे मुलाकात करेंगे। कांग्रेस को नये सिरे से जनता के बीच स्थापित करने में थोड़ा समय जरूर लगेगा, लेकिन वे समय को महत्व देते हुए लगातार काम करते रहेंगे। उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कभी भी भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती बल्कि वह भ्रष्टाचार को संरक्षण देती है। बैठक में सांसद रकिबुल हुसैन, पूर्व प्रतिपक्ष नेता देवव्रत सैकिया, विपक्ष के उप-नेता जयप्रकाश दास, पूर्व मंत्री प्रणति फुकन, विधायक, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष मीरा बरठाकुर, रोजलीना तिर्की सहित नगांव लोकसभा क्षेत्र के लिए गठित समिति के लगभग सभी सदस्य उपस्थित रहे।

जापान की प्रधानमंत्री...

इसके अलावा हिंद-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र की स्थिरता और साझा रणनीतिक चिंताओं पर भी विचार-विमर्श हो सकता है, जहां हाल के वर्षों में भारत और जापान ने अपने सहयोग को और मजबूत किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी इस प्रस्तावित शिखर सम्मेलन में शामिल होने की संभावना जतायी जा रही है, जिससे इस आयोजन का महत्व और बढ़ जाएगा। यदि यह दौरा अंतिम रूप लेता है, तो यह असम के लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि होगी। साथ ही गुवाहाटी को अंतर्राष्ट्रीय संवाद और सहयोग के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। यह भारत की एक्ट ईस्ट नीति को भी और मजबूती प्रदान करेगा, जिसके तहत पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के साथ संबंधों को गहरा करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यात्रा के कार्यक्रम और शिखर सम्मेलन की अंतिम रूपरेखा को लेकर आने वाले सप्ताहों में आधिकारिक जानकारी जारी किये जाने की संभावना है।

अतीत की चिंताओं...

तीव्र विवाद उपजा है। शाह ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए चीन और ब्रिटेन की भागीदारी का भी सुझाव दिया था। नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के तेजी से वैश्विक आर्थिक और तकनीकी महाशक्ति में परिवर्तित होने को स्वीकार करते हुए इस गतिशील पड़ोसी के साथ साझेदारी की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी कागज़ पर किये गये बड़े-बड़े वादों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को कम करना है, अमूर्त राजनीतिक बयानों से हटकर ठोस, जीवन बदलने वाले परिणाम देना है।' खनाल ने कहा कि आइए हम एक ऐसी साझेदारी का निर्माण करें जो अतीत की चिंताओं से बंधी न हो, बल्कि हमारे साझा भविष्य की उच्च आशाओं और उज्ज्वल संभावनाओं से प्रेरित हो। नेपाल के विदेश मंत्री ने सीमा विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि वास्तविक परस्पर निर्भरता का अर्थ यह है कि साझा सीमाएं बेहद प्रभावी पुल की तरह काम करें, न कि निराशाजनक बाधाओं की तरह। नेपाल और भारत के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर पुराना सीमा विवाद है। भारत का दावा है कि ये क्षेत्र उत्तराखंड का हिस्सा हैं। पिछले महीने के अंत में नेपाल के प्रधानमंत्री शाह ने भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए चीन और ब्रिटेन की सहभागिता की मांग की थी। नयी दिल्ली ने इस विवाद को सुलझाने में किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया था। नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि ब्रिटेन की सहभागिता का मतलब ब्रिटिश पुस्तकालयों और संग्रहालयों से दस्तावेज और ऐतिहासिक विवरण प्राप्त करना था। उन्होंने कहा कि हम अपने विवादों को राजनयिक प्रक्रियाओं के माध्यम से हल करना चाहते हैं। हम बस यह देखना चाहते हैं कि क्या हम ब्रिटेन के पुस्तकालयों या संग्रहालयों में मौजूद कुछ दस्तावेजों तक पहुंच सकते हैं। हमारा रुख मध्यस्थता की मांग करने का नहीं था। नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि अति-राष्ट्रवादी प्रदर्शन में संलग्न होने के बजाय, हम संभावना से चुनौतियों का समाधान करने के लिए शांति, डेटा-आधारित और साक्ष्य-आधारित चर्चाओं का अनुसरण कर रहे हैं। लिपुलेख क्षेत्र से होकर कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति के बारे में पूछे जाने पर, खनाल ने कहा कि काठमांडू की चिंताएं भारत और चीन के बीच नेपाल से परामर्श किये बिना तीर्थयात्रा के लिए इस मार्ग का उपयोग करने की सहमति से उपजी हैं और दावा किया कि यह क्षेत्र उनके देश का है। उन्होंने कहा कि हमारी चिंता कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर भारत और चीन के बीच हुए समझौते के नवीनीकरण को लेकर है, जहां हम बहुत लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि यह जमीन हमारी है और नेपाल की सहमति के बिना दोनों देश अपने आप ऐसे समझौते नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमने दोनों देशों को भेजे गये राजनयिक पत्रों सहित संचार के अन्य माध्यम से यह बात स्पष्ट रूप से बता दी है। साथ ही नेपाली विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि नेपाल मौजूदा द्विपक्षीय तंत्रों के माध्यम से भारत के साथ इस मुद्दे का समाधान चाहता है। खनाल ने कहा कि नेपाल की नयी सरकार की भारत के साथ संबंधों को और गहरा करने की प्रबल इच्छा है। खनाल ने कहा कि जब हम सीमा पार देखते हैं तो हमें एक उभरता हुआ भारत दिखाई देता है, एक ऐसा भारत जिसने वैश्विक मंच पर एक गतिशील, तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकी और आर्थिक महाशक्ति के रूप में खुद को मौलिक रूप से एवं खूबसूरती से पुनर्परिभाषित किया है। उन्होंने कहा कि हम महत्वाकांक्षी और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से परिपूर्ण भारत के साथ जुड़ना चाहते हैं।

महाराष्ट्र समेत...

चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के मऊ और गाजीपुर में भी शनिवार को बारिश हुई।

पार्षद पर...

के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पार्षद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिनमें जबरन वसूली, आपराधिक धमकी, आगजनी का प्रयास और अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं। यह मामला स्थानीय वकील परमिता डे द्वारा दायर एक शिकायत से संबंधित है, जिन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने अपने आवास पर एक चैंबर स्थापित करने की कोशिश की, तो दासगुप्ता ने उनसे 20 लाख रुपये की मांग की। शिकायत के अनुसार लगातार दबाव और धमकियों का सामना करने के बाद डे ने आखिरकार दो लाख रुपये का भुगतान किया। अधिकारी ने कहा कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2021 के विधानसभा चुनाव परिणामों की घोषणा के तुरंत बाद दासगुप्ता और उनके साथियों ने गैरकानूनी रूप से डे के आवास में प्रवेश किया, संपत्ति में तोड़फोड़ की और आगजनी का प्रयास किया। पातुली थाने के बाहर प्रदर्शनकारियों ने पार्षद को चोर बताते हुए नारे लगाए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कई निवासियों ने दासगुप्ता पर जमीन हड़पने और जबरन उगाही का विरोध करने वालों को धमकाने का आरोप लगाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस काफिले को रोकने की कोशिश की और दासगुप्ता को ले जा रहे वाहन पर अंडे फेंके, जो इस मामले को लेकर जनता के आक्रोश को दर्शाता है। नवगठित भाजपा सरकार में मंत्री इंद्रनील खान ने कहा कि लोगों का यह आक्रोश टीएमसी नेताओं द्वारा उन पर किये गये अत्याचारों का परिणाम है। लोग अब शिकायतें दर्ज कराने के लिए आगे आ रहे हैं।

शाह का सीमावर्ती...

गृह मंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाये जाने चाहिए तथा मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। विज्ञप्ति में कहा गया कि शाह ने यह भी कहा कि सीमावर्ती जिलों में वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करना राज्यों की जिम्मेदारी है। उन्होंने जिलाधिकारियों और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों को प्रशिक्षित करने तथा केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को नकली मुद्रा को लेकर सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया कि केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सीमा के आसपास रहने वाले लोगों को मादक पदार्थों और आग्नेयास्त्रों के खतरों से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने के वास्ते शिविर आयोजित किये जाने चाहिए। उन्होंने इन शिविरों में पटवारियों, स्थानीय पुलिस और बीएसएफ कर्मियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्यमंत्री माणिक साहा, मुख्य सचिव जेके सिन्हा, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी आठ सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक शामिल हुए।

अमेरिका में भारत ...

की तलाश कर रही है। हालांकि ये फुटेज सार्वजनिक नहीं की गई है। अंशुल की बहन तन्वी का कहना है कि यह पूरी तरह एक जाल था। उन्होंने कहा कि जिस जगह पिज्जा पहुंचाने के लिए बुलाया गया, वहां कोई नहीं था। बाद में पता चला कि वह सिर्फ एक फर्जी ऑर्डर था। मेरे भाई को सिर्फ मारने के लिए वहां बुलाया गया था। हमें नहीं पता कि हमलावरों को इससे क्या मिला, लेकिन उन्होंने हमारे भाई की जान ले ली। परिवार ने विदेश मंत्रालय से अंशुल का पार्थिव शरीर जल्द भारत लाने की अपील की है। तन्वी ने कहा कि अधिकारियों ने कल तक शव सौंपने की बात कही है, लेकिन परिवार चाहता है कि प्रक्रिया जल्दी पूरी हो, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। उन्होंने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की भी मांग की। मीडिया से बातचीत में तन्वी भावुक हो गयीं। उन्होंने कहा कि मेरा भाई अमेरिका जाना ही नहीं चाहता था, लेकिन परिवार के कहने पर वह वहां गया। उसने मेहनत से पढ़ाई की, नौकरी की और अपना भविष्य बनाने की कोशिश की। आज वह हमारे बीच नहीं है। मैं सभी माता-पिता से कहना चाहती हूं कि बच्चों को विदेश भेजने से पहले अच्छी तरह सोचें।

प्रधान को सात...

सीजेपी संस्थापक ने दावा किया कि कल के प्रदर्शन में शामिल होने वाले ज्यादातर लोगों ने पहले कभी किसी विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने कहा कि हमारी सामूहिक उपस्थिति से उन्हें शिक्षा प्रणाली के प्रति अपना गुस्सा और निराशा जाहिर करने का हौसला मिला। दीपके ने भीषण गर्मी के बावजूद प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अगर हम आवाज नहीं उठाएंगे, तो बदलाव नहीं आ सकता। दीपके ने प्रधान पर पूरी पीढ़ी के साथ गलत करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विरोध-प्रदर्शन यहीं नहीं थमेंगे। उन्होंने कहा किअगर उन्हें अगले सात दिन के भीतर पद से नहीं हटाया गया या वे इस्तीफा नहीं देते हैं, तो हम अपना विरोध-प्रदर्शन जारी रखने के लिए मजबूर होंगे। दीपके ने इस बात पर जोर दिया कि आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार एकजुट और अहिंसक अभियान को नजरअंदाज नहीं कर सकती। सीजेपी संस्थापक ने कहा कि सरकार एकजुट, शांतिपूर्ण आंदोलन को छू भी नहीं सकती। हम जैसे कॉकरोच को उनसे डरने की कोई जरूरत नहीं है।

विशेष असम टेट...

वस्तुओं को सुरक्षित रखने की कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी। अभ्यर्थियों को केवल आवश्यक सामग्री ही परीक्षा कक्ष में ले जाने की अनुमति होगी। इनमें एडमिट कार्ड, वैध पहचान पत्र, नीले या काले रंग का बॉल प्वाइंट पेन, पेंसिल, स्केल, रबर, बिना लेबल वाली पारदर्शी पानी की बोतल, एक रूमाल तथा सीमित मात्रा में नकदी और डेबिट/क्रेडिट कार्ड शामिल हैं। अधिकारियों ने उम्मीदवारों से एडमिट कार्ड पर दिये गये सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने और उनका पालन करने का आग्रह किया है, ताकि परीक्षा के दिन किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। तकनीकी सहायता के लिए अभ्यर्थी कार्यदिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 8042303631 पर संपर्क कर सकते हैं।

नगांव की दो महिलाओं को विदेशी घोषित कर भेजा गया ट्रांजिट कैंप

नगांव, 7 जून (भा)। नगांव जिले की दो महिलाओं को विदेशी घोषित कर ग्वालपाड़ा जिले के एक ट्रांजिट कैंप में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बागारीगोरी गांव की जहानआरा बेगम और दगांव की ममताज बेगम नामक दो महिलाओं ने भारतीय नागरिकता का दावा किया है, लेकिन अपने माता-पिता के वैध दस्तावेज होने के बावजूद, वे ग्राम प्रधानों के प्रमाण पत्रों के बजाय शैक्षिक और जन्म प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज विरासत दस्तावेजों के रूप में प्रस्तुत करने में असमर्थ रहीं। जहानआरा की ओर से पेश अधिवक्ता जाहिदुल हक ने बताया कि दोनों को सबसे पहले वर्ष 2019 में जूरिया विदेशी न्यायाधिकरण (एफटी) ने विदेशी घोषित किया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद विदेशी न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती देते हुए गुवाहाटी उच्च न्यायालय में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गयीं। उच्च न्यायालय ने 24 अप्रैल को अपने आदेश में इन मामलों को पुनर्विचार के लिए जूरिया विदेशी न्यायाधिकरण को वापस भेज दिया था। हक ने कहा कि बाद में न्यायाधिकरण ने उनके परिवारों के वैध दस्तावेज होने के बावजूद उन्हें विदेशी घोषित कर दिया, क्योंकि वे संबंध साबित करने वाले दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि इसके बाद अधिकारियों ने पिछले सप्ताह उन्हें ट्रांजिट कैंप भेज दिया। अब हम सभी कानूनी विकल्पों का आकलन कर रहे हैं। हक ने बताया कि जहानआरा के खिलाफ मामला वर्ष 2016 में विदेशी न्यायाधिकरण (एफटी) में दायर किया गया था, जबकि ममताज के खिलाफ मामला 2015 में दायर किया गया था। उन्होंने कहा कि उनके दावों को खारिज किए जाने का कारण ग्राम प्रधान (गांव बुड़ा) के प्रमाणपत्रों के अलावा अन्य वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाना था। उनके पास जन्म प्रमाणपत्र नहीं हैं और अशिक्षा के कारण उनके पास शैक्षणिक प्रमाणपत्र भी नहीं हैं। हक ने कहा कि विदेशी न्यायाधिकरण ने ग्राम प्रधानों द्वारा जारी प्रमाणपत्रों को अस्वीकार करते हुए दोनों महिलाओं को विदेशी घोषित कर दिया। इस बीच अखिल असम ग्रामीण श्रमिक संस्था (एसएजीएसएस) और गणतंत्र सुरक्षा मंच (जीएसएम) ने आरोप लगाया है कि विदेशी न्यायाधिकरण (एफटी) ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के फैसले की अनदेखी करते हुए दोनों भारतीय नागरिकों को ट्रांजिट कैंप भेज दिया। हक ने कहा कि उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि वर्ष 2019 में विदेशी न्यायाधिकरण का फैसला दस्तावेजों में उपलब्ध साक्ष्यों पर समुचित चर्चा किये बिना दिया गया था। उन्होंने कहा कि इसलिए उस फैसले को निरस्त कर दिया गया और मामले को पुनर्विचार के लिए जूरिया विदेशी न्यायाधिकरण को वापस भेज दिया गया। याचिकाकर्ताओं को उच्च न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति के साथ नामित जूरिया विदेशी न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित होने और आवश्यक दस्तावेज जमा करने का भी निर्देश दिया गया था। हक ने आरोप लगाया कि न्यायाधिकरण ने दोनों महिलाओं को विदेशी घोषित करने और उन्हें ग्वालपाड़ा स्थित ट्रांजिट कैंप भेजने का नया आदेश पारित करने से पहले मामले की विस्तृत सुनवाई नहीं की।

अवैध गांजा तस्करी का खुलासा, 628.5 ग्राम मादक पदार्थ के साथ आरोपी गिरफ्तार

दौसा, एजेंसी। दौसा कोतवाली पुलिस, डीएसटी व स्पेशल सैल रेन्ज कार्यालय जयपुर की टीम ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में अभियुक्त हेमराज मीना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 628.5 ग्राम गांजा बरामद किया है। कोतवाल भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि एसआई बनेसिंह, बाबूलाल, कुम्हेर सिंह की टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान लालसोट पुलिया, दलेलपुरा रोड पर खड़ा एक व्यक्ति पुलिस को देखकर इधर-उधर भागने का प्रयास करने लगा। जिसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर उसको पकड़कर तलाशी ली। अभियुक्त हेमराज मीना पुत्र भरतलाल निवासी निठार थाना भुसावर जिला भरतपुर के पास अवैध गांजा 628.5 ग्राम मिला, जिसे वह बेचने के फिराक में था। आरोपी को गिरफ्तार कर गांजा लाने व बेचने के संबंध में गहनता से अनुसंधान जारी है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्रों का सम्मान, शिक्षा और सामाजिक एकता पर जोर

बयाना/भरतपुर, एजेंसी। कस्बे के अग्रवाल मैरिज होम में रविवार को कुशवाहा एवं सैनी समाज के तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं समाजिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों से अपने बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने तथा उन्हें बेहतर शिक्षा दिलाने का आह्वान किया गया। साथ ही युवाओं को शिक्षा के प्रति अधिक जागरूक रहने की प्रेरणा दी गई। वक्ताओं ने समाज में एकता बनाए रखने पर जोर देते हुए सामाजिक समरसता और संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों को शराब एवं अन्य नशों का त्याग करने की शपथ भी दिलाई गई। प्रतिभा सम्मान समारोह के अंतर्गत कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा हाल ही में सरकारी सेवाओं में चयनित समाज के प्रतिभावान युवाओं का भी सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिकों, युवाओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। मंच संचालन महेश सैनी एवं सुषमा सैनी ने किया। इस अवसर पर मोहन सिंह कुशवाह, मनोज सैनी, अशोक कुमार सैनी, प्रहलाद कुमार, रुकमन, प्रेम सिंह, राजीव, बबलेश सैनी सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

मोबाइल को लेकर नाराज बेटी ने डिग्गी में लगाई छलांग, बचाने कूदी मां भी डूबी; दोनों की मौत

बाड़मेर , एजेंसी। बालोतरा जिले के गुड़ामालानी थाना क्षेत्र के सीलू गांव में शनिवार को एक हादसे में मां-बेटी की डूबने से मौत हो गई। मोबाइल नहीं मिलने से नाराज 18 वर्षीय बेटी ने पानी की डिग्गी में छलांग लगा दी। उसे बचाने के लिए मां भी पानी में कूद गई, लेकिन गहरे पानी के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सकीं। जानकारी के अनुसार सीलू गांव निवासी अनिता उर्फ इंद्रा (38) पत्नी राजूराम दोपहर में अपने घर पर थीं। इसी दौरान उनकी बड़ी बेटी सुमन (18) ने मोबाइल मांगा। मां ने छोटे बच्चों के सोने का हवाला देते हुए शाम को मोबाइल देने की बात कही। इस बात से नाराज होकर सुमन घर के पास स्थित पानी की डिग्गी के किनारे जाकर बैठ गई। कुछ देर बाद अनिता उसे समझाने के लिए डिग्गी के पास पहुंचीं। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार मां को अपनी ओर आते देख सुमन ने अचानक डिग्गी में छलांग लगा दी। बेटी को पानी में डूबता देख अनिता ने भी उसे बचाने के लिए बिना देर किए डिग्गी में छलांग लगा दी। हालांकि डिग्गी में पानी अधिक होने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सकीं। घटना के समय पास में बकरियां चरा रहे लोगों ने शोर सुनकर ग्रामीणों और परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने काफी मशक्कत के बाद मां-बेटी को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर गुड़ामालानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को गुड़ामालानी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने बताया कि पीहर पक्ष को सूचना दे दी गई है। जालोर जिले के चितलवाना से परिजनों के आने तथा रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतका अनिता के चार बच्चे हैं, जिनमें तीन बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। सुमन परिवार की सबसे बड़ी संतान थी। उसने इसी वर्ष 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की थी और कॉलेज में प्रवेश की तैयारी कर रही थी। उसके पिता किसान होने के साथ गांव में वाटर आरओ प्लांट का संचालन भी करते हैं। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मां-बेटी की एक साथ मौत से परिजन और ग्रामीण गहरे सदमे में हैं।

विश्व साइकिल दिवस पर बीकानेर में साइकिल रैली मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिया फिटनेस का संदेश

बीकानेर, एजेंसी। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य पर रविवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित विशाल साइकिल रैली एवं 'मेरी साइकिल-मेरा हेलमेट' अभियान के तहत आयोजित विशेष कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने स्वयं साइकिल चलाकर फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही पहली बार मनाए गए साइकिल के जन्मदिन कार्यक्रम में केक काटकर आयोजन की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने विशाल साइकिल रैली को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली गंगा थिएटर से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः गंगा थिएटर पहुंची। रैली के माध्यम से फिट इंडिया, सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'मेरी साइकिल-मेरा हेलमेट' अभियान के संयोजक बस्तीराम बिश्नोई द्वारा साइकिल जन्मदिन समारोह के आयोजन से हुई। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने केक काटकर इस अनूठी पहल की सराहना की और इसे स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला अभिनव प्रयास बताया। अपने संबोधन में अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि साइकिल केवल एक साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का प्रतीक है। नियमित साइकिल चलाने से शारीरिक फिटनेस बेहतर होती है, हृदय संबंधी रोगों का खतरा कम होता है तथा मानसिक स्वास्थ्य भी सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और ईंधन खपत की चुनौतियों के बीच साइकिल पर्यावरण के अनुकूल सबसे बेहतर परिवहन साधनों में से एक है।

यदि अधिक से अधिक लोग अपने दैनिक जीवन में साइकिल का उपयोग करें तो प्रदूषण नियंत्रण के साथ-साथ स्वस्थ समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट के नियमित उपयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने 'मेरी साइकिल-मेरा हेलमेट' अभियान को जनहित में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए इसके लिए आयोजकों को बधाई दी। जिला खेल अधिकारी सुरेन्द्र हर्ष ने बताया कि गंगा थिएटर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में साइकिलिंग के अतिरिक्त प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन एवं फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर योग, रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता, रनिंग गतिविधि तथा ऊर्जावान जुंबा डांस सत्र आयोजित किए गए, जिनमें युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। योग प्रशिक्षक श्री भुवनेश पुरोहित की टीम ने योग प्रदर्शन किया।नगर निगम की ओर से खिलाड़ियों के लिए फल एवं जूस उपलब्ध करवाया गया।

कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलानीचामी, एडीएम उम्मेद सिंह रतनू, एडिशनल एसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़, हाल ही में आईपीएस में चयनित सुनील गोदारा, कोषाधिकारी धीरज जोशी, सीओ सिटी अनुज डाल, साई ट्रेनिंग सेंटर जोधपुर प्रभारी हनुमंत सिंह, जिला खेल अधिकारी सुरेन्द्र हर्ष, एनएलसी के राजेश कुमार, पॉलिटेक्निक कॉलेज के खेल निदेशक डॉ. शंकरलाल प्रजापत, साइकिलिंग कोच श्रवण भांभू व सुंदर बिश्नोई, जिला साइकिलिंग संघ के सचिव सुरेन्द्र कुकणा, 'मेरी साइकिल-मेरा हेलमेट' अभियान संयोजक बस्ती राम बिश्नोई, बीकानेर रन क्लब के ईशान शर्मा व क्लब सदस्य, अंतरराष्ट्रीय साइकिलिस्ट दयालाराम सारण, जेठाराम गाट,रामस्वरूप जाखड़, राष्ट्रीय खिलाड़ी पेमाराम व रामप्रसाद, सुरेश गुप्ता, अनवर अली, नवीन डूडी, बीएसएफ, एयरफोर्स, पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस, शिक्षा विभाग के शारीरिक शिक्षक सहित बड़ी संख्या में साइकिल प्रेमियों, युवाओं, खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

किसी की कठपुतली नहीं बनेंगे युवा : शेखावत

जोधपुर, एजेंसी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की युवा शक्ति पर भरोसा जताते हुए विपक्ष और अन्य राजनीतिक दलों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत का युवा कभी कठपुतली न था, न है और न कभी बनेगा। रविवार को शेखावत सर्किट हाउस में मीडिया से रू-ब-रू हुए। युवाओं से संबंधित सवाल पर शेखावत ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। हमारी सरकार युवा शक्ति के सृजन, उनके सशक्तीकरण और उन्हें बराबर के अवसर देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज 'मुद्रा योजना', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'स्टैंडअप इंडिया' जैसी तमाम महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसरों का सृजन किया जा रहा है, ताकि उनके लिए नए आयाम खड़े हो सकें। वे देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाकर तरक्की में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी पर स्थिति स्पष्ट करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह किसी सरकार की इच्छा से नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी वैश्विक चुनौती और अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण हुआ है। वैश्विक आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान में पूरे विश्व भर में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के दाम 30 प्रतिशत से लेकर 130 प्रतिशत तक बढ़े हैं, जबकि एलपीजी और सीएनजी के दाम दुनिया भर में 30 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। इस अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण पूरी वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हुई है, जिसका असर सभी देशों पर पड़ रहा है। शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि इस वैश्विक हाहाकार के बीच भी भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है, जहां कीमतों में टोटल ग्रोथ 10 प्रतिशत से भी कम रही है। सरकार लगातार अपने संसाधनों को निवेश कर रही है ताकि इस संकट का पूरा भार देश की आम जनता और माताओं-बहनों पर न पड़े। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अंडमान निकोबार दौरे और वहां संस्कृति व पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री ने तीखा पलटवार किया। शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी जी को पहले संस्कृति का 'स' सीखना चाहिए, उसके बाद ही उन्हें ऐसी राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चीजों पर कोई टिप्पणी करनी चाहिए। ...बोतल से जिन्न बाहर ले आते हैं गहलोत पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के 'हॉर्स ट्रेडिंग' वाले बयानों पर केंद्रीय मंत्री ने कड़ी कानूनी और राजनीतिक घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि बंगाल में जनता ने भाजपा को दो-तिहाई से ज्यादा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने का आशीर्वाद दिया है, ऐसे में वहां भारतीय जनता पार्टी को हॉर्स ट्रेडिंग करने की भला क्या जरूरत पड़ेगी? केंद्रीय मंत्री शेखावत ने अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि वे बंगाल का बहाना बनाकर राजस्थान के एक पुराने जिन्न को बोतल से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

जयपुर में आया सवा करोड़ का हाईटेक इलेक्ट्रिक ट्रक :डीजल ट्रकों को देगा टक्कर, आधा होगा रनिंग खर्च, एक बार चार्जिंग करने पर 200 चरूदौड़ेगा

जयपुर, एजेंसी। जयपुर में सवा करोड़ रुपए कीमत का हाईटेक इलेक्ट्रिक ट्रक पहुंच गया है, जिसे डीजल ट्रकों के मजबूत विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित ट्रक, ट्रेलर एंड टायर एक्सपो में पुणे की कंपनी एका मोबिलिटी ने अपना 55 टन क्षमता वाला हैवी-ड्यूटी इलेक्ट्रिक ट्रक लॉन्च किया। यह ट्रक एक बार चार्ज होने पर करीब 200 किलोमीटर तक दौड़ सकता है, जबकि इसका रनिंग खर्च पारंपरिक डीजल ट्रकों की तुलना में लगभग आधा बताया जा रहा है। आधुनिक तकनीक से लैस यह ई-ट्रक ट्रांसपोर्ट सेक्टर में ईंधन बचत और प्रदूषण कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। दरअसल, देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बढ़ती मांग अब दोपहिया और कारों से आगे निकलकर कॉमर्शियल व्हीकल सेक्टर तक पहुंच चुकी है। स्कूटी, बाइक, ई-रिक्शा, ऑटो, कार और इलेक्ट्रिक बसों के बाद अब हैवी-ड्यूटी ट्रक भी इलेक्ट्रिक सेगमेंट में उतर चुके हैं।

ऑपरेटिंग कॉस्ट को 50 प्रतिशत तक करेगा- कंपनी का दावा है कि यह ट्रक न केवल डीजल ट्रकों के मुकाबले ऑपरेटिंग कॉस्ट को 50 प्रतिशत तक कम कर सकता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी बड़ी कमी लाने में मदद करेगा। कंपनी पहले से इलेक्ट्रिक ऑटो, लाइट कॉमर्शियल व्हीकल और इलेक्ट्रिक बसों के क्षेत्र में काम कर रही है और अब हैवी ट्रक सेगमेंट में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही है।

दौसा में पैर काटने की सनसनीखेज वारदात का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

दौसा, एजेंसी। जिला पुलिस ने भांवता गांव में जानलेवा हमले व पैर काटने की वारदात का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। 30 मई को घर में घुसकर घातक हथियारों से लैस होकर आरोपी रामदयाल व उसके अन्य साथियों ने सो रहे जगदीश मीणा एवं उसकी पत्नी पर जानलेवा हमला कर पीडित के दोनों पैर तोड़ डाले थे। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों एवं मुखबिर की सहायता से आरोपी को गिरफ्तार किया। कोलवा थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि भांवता के पीडित जगदीश मीना व उसकी पत्नी के साथ जानलेवा हमला करने वाले नामजद आरोपियों की तलाश के दौरान बसवा, बांदीकुई, सिकन्दरा, नांगल राजावतान, राहुवास, लालसोट, मण्डावरी, सैंथल, आंधी, टहला, राजगढ, अलवर, जयपुर शहर, कोटा, टोंक के सम्भावित स्थानों पर मुखबिर व अन्य तकनीकी संसाधनों की सहायता से मुल्जिम रामदयाल पुत्र रामेश्वर मीणा निवासी भांवता को गढ़मौरा से गिरफ्तार किया गया। अन्य मुल्जिमों की तलाश जारी है। दरअसल 29 मई की रात एक बजे जगदीश मीना व शान्ति देवी घर के अन्दर सो रहे थे। अचानक धारदार हथियारों से लैस होकर मारने की नीयत से मुल्जिम लोकेश पुत्र सुरजन मीना, जितेश पुत्र छोटेलाल मीना, रामकेश पुत्र श्रीनारायण मीना, रामदयाल पुत्र रामेश्वर प्रसाद मीना व अन्य 3-4 जने एक सफेद रंग की गाड़ी से आये और घर में घुसकर सो रहे दंपती पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर जगदीश के दोनों पैर काट दिये एवं शरीर व सिर में गंभीर चोट मारी। शान्ति देवी के भी शरीर, कमर व पीठ पर गंभीर चोट मारी जिससे रीढ की हड्डी व पसलिया टूट गई। घटना के बाद ये लोग अपनी गाड़ी से फरार हो गये। इन लोगों ने घटना से दो दिन पूर्व जगदीश को मोबाइल पर भी जान से मारने की धमकी दी थी। जगदीश के बेटे नवल किशोर मीना ने थाने में केस दर्ज कराया था।

सांप-काटने से मासूम की मौत, लिपटकर रोती रही मां:पत्थरों के पास खेल रहा था, डेढ़ घंटे में जान गई, नाना के घर आया था

बांसवाड़ा, एजेंसी। बांसवाड़ा में घर के बाहर खेल रहे 6 साल का मासूम को सांप ने डस लिया। बच्चा दर्द से चिल्लाया तो परिजन उसके पास दौड़ कर पहुंचे। इसके बाद अस्पताल लेकर भागे। जहां इलाज के लिए डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया। अपने बेटे की मौत की खबर सुन मां उसके शव से लिपट कर रोने लगी। मासूम 15 दिन पहले ही नाना के घर आया था। मामला बांसवाड़ा के ढ़ी थाना क्षेत्र के खटवाड़ा गांव में रविवार सुबह करीब 6:30 बजे की है। परिजनों के अनुसार सांप का जहर तेजी से पूरे शरीर में फैल गया था। सांप के काटने और मौत के बीच करीब डेढ़ घंटे का ही समय रहा। 15 दिन पहले नाना के घर आया था परिवार गढ़ी थानाधिकारी रमेशचंद्र ने बताया कि मृतक की पहचान 6 साल के रौनक पुत्र मुकेश मईड़ा के रूप में हुई है। रौनक का परिवार आंबापुरा थाना क्षेत्र के काला नाला का रहने वाला है। मुकेश मईड़ा करीब 15 दिन पहले अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ अपने ससुराल खटवाड़ा गांव आया हुआ था। परिवार छुट्टियां बिताने के लिए यहां रुका हुआ था। माता-पिता घर में चाय बना रहे थे मृतक रौनक के पिता मुकेश ने बताया, 'रविवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे मैं और मेरी पत्नी घर के अंदर चाय बना रहे थे। इसी दौरान मेरा सबसे छोटा बेटा रौनक घर के बाहर खेल रहा था। खेलते-खेलते वह घर के पास पड़े पत्थरों के ढेर के पास पहुंच गया। पत्थरों के बीच छिपे सांप ने उसके पैर पर काट लिया। रौनक की दर्द से चिल्लाने की आवाज सुनकर हम दोनों तुरंत बाहर पहुंचे। उस समय हम काफी घबरा गए थे। उसकी हालत बिगड़ती देख उसे तुरंत गाड़ी से परतापुर हॉस्पिटल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बांसवाड़ा जिला हॉस्पिटल रेफर कर दिया। ' बाबा जी का धागा भी बांधा, लेकिन नहीं बच सका मुकेश ने बताया, 'वापसी के दौरान हमने उसके हाथ में बाबा जी के नाम का धागा भी बांधा। इसके बाद उसे जल्द से जल्द बांसवाड़ा जिला हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हमने अपने बच्चे को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन उसे नहीं बचाया जा सका। ' तीन भाइयों में सबसे छोटा था रौनक मुकेश मईड़ा के तीन बेटे हैं और रौनक सबसे छोटा था। छुट्टियों में नाना के घर आए मासूम की अचानक मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद खटवाड़ा गांव में भी शोक का माहौल है। गांव के लोग परिवार को सांत्वना देने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं।

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों में नैतिकता और सहनशीलता के गुण विकसित करे : राज्यपाल बागडे

जयपुर, एजेंसी। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अच्छी शिक्षा देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता कैसे बढ़े, इस पर भी विशेष रूप से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों में नैतिकता और सहनशीलता के गुण विकसित करने पर विशेष ध्यान दे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रकाश पुंज होते है। ज्ञान का पूरे समाज में प्रसार यहीं से होता है। इसलिए उन्हें उत्कृष्ट बनाने लिए सभी मिलकर कार्य करें। राज्यपाल बागडे रविवार को लोकभवन से महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के 23 वें स्थापना दिवस पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वामी श्री रामसुखदास जी महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि वह विरले संत थे। उनके नाम पर विश्वविद्यालय में भवन निर्माण अच्छी पहल है। वह ऐसे संत थे जो प्रचार प्रसार से दूर रहते थे। उन्होंने कभी अपनी फोटो तक नहीं खिंचवाई। अपने चरण छूने से भी वह मना करते थे। ऐसे आदर्श संतों से प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे ही एक महापुरुष गीता प्रेस के जरिए देश में संस्कृति और संस्कारों के प्रसार की अभूतपूर्व भूमिका निभाने वाले हनुमान प्रसाद पोद्दार जी थे। गोविंद वल्लभ पंत जी उन्हें भारत रत्न पुरस्कार देना चाहते थे और परन्तु उन्होंने लेने से मना कर दिया। बागडे ने विश्वविद्यालय भवनों का नाम संत, महात्माओं के नाम पर किए जाने की सराहना की परंतु यह भी कहा कि जिन महापुरुषों, संतों के नाम पर भवनों के नाम रखे गये हैं, उनके बारे में संक्षिप्त और सार्थक परिचय पुस्तिका भी प्रकाशित हो ताकि नई पीढ़ी को उनके बारे में निरंतर जानकारी मिलती रहे। उन्होंने कहा कि बीकानेर में महाराजा गंगासिंह जी के समय खेजड़ी को काटने पर रोक का कानून बना था। राज्य सरकार ने भी खेजड़ी संरक्षण के लिए कानून बनाया है। लोकभवन स्तर पर पिछले वर्ष सर्वपल्ली राधाकृष्ण आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 300 से अधिक खेजड़ी के पेड़ लगाए गए। हमारा प्रयास है कि खेजड़ी का एक ऐसा पार्क विकसित किया जाए ताकि इस मरुभूमि के कल्पवृक्ष के बारे में जागरूकता का प्रसार हो। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की इस वृक्ष से इसीसे और निकटता होगी। राज्यपाल ने गंग नहर निर्माण शताब्दी वर्ष पर जल संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पानी की बचत ही इसका निर्माण है।

पानी बचाने के लिए जागरूकता का प्रसार होना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राजस्थान के पारंपरिक पेड़ पौधों और जल संरक्षण से जुड़ी संस्कृति से जुड़ी किसी परियोजना पर कार्य करने की भी आवश्यकता जताई। केंद्रीय विधि एवं कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का आदर्श केंद्र बने।

राजस्थान में मौसम का दोहरा असर: 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, पश्चिमी इलाकों में गर्मी बरकरार

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। एक ओर कई जिलों में आंधी और बारिश से लोगों को भीषण गर्मी एवं उमस से राहत मिली है, वहीं पश्चिमी राजस्थान के कई क्षेत्रों में तेज गर्मी का दौर जारी है। मौसम विभाग ने रविवार को 12 जिलों में आंधी और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 8 जून को 7 जिलों में बारिश तथा 2 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी गई है। शनिवार को राज्य के कई हिस्सों में प्री-मानसून गतिविधियां देखने को मिलीं। बीकानेर जिले में तेज आंधी के साथ बारिश हुई और कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हुई। श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में तेज हवा के कारण एक वेयरहाउस की टिन शेड उड़कर करीब आधा किलोमीटर दूर खेत में जा गिरी। टोंक जिले में शाम के समय तेज हवा के साथ बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, दौसा, अलवर, टोंक और सवाई माधोपुर सहित कई जिलों में शनिवार को मौसम ने करवट ली। कई स्थानों पर तेज हवाएं चलीं और बारिश हुई। राज्य में शनिवार को सर्वाधिक वर्षा टोंक जिले के निवाई क्षेत्र में हुई, जहां 65 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई। इसके अलावा अलवर में 22 मिलीमीटर तथा बीकानेर में 14.6 मिलीमीटर वर्षा मापी गई। बारिश के बाद इन क्षेत्रों में तापमान में गिरावट आ गई और लोगों को राहत मिली। दूसरी ओर बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर और श्रीगंगानगर सहित पश्चिमी राजस्थान के जिलों में गर्मी का प्रकोप जारी रहा। दिन के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में अगले दो दिनों तक तापमान बढ़ने और गर्मी का असर बने रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दो दिनों तक राज्य में मौसम का यही मिश्रित स्वरूप बना रह सकता है।

टेनिस की नई क्वीन बनीं एंड्रीवा

फ्रेंच ओपन टाइटल जीतने पर मिले 27.7 करोड़, रनर-अप पर भी हुई पैसों की बारिश

पेरिस, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने फ्रेंच ओपन 2026 के महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। फाइनल में मिरा की भिड़ंत माजा चवालिनस्का से थी। रूसी खिलाड़ी मिरा एंड्री का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिलाड़ी है। उन्होंने पोलैंड की चवासिनस्का को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। यह मुकाबला करीब डेढ घंटे चला। 19 साल की एंड्रीवा का यह पहला ही ग्रैंड स्लैम फाइनल था।

मीरा एंड्रीवा पिछले 34 साल में फ्रेंच ओपन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले 1992 में मोनिका सेलेस ने 18 साल की उम्र में फ्रेंच ओपन जीता था। मीरा एंड्रीवा 2005 के बाद जन्मी पहली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने कोई ग्रैंड स्लैम जीता है। अभी तक कोई पुरुष खिलाड़ी भी यह कारनामा नहीं कर पाया है।मीरा एंड्रीवा को टेनिस जगत ने पहली बार 2023 मैड्रिड ओपन में पहचान मिली थी, जब 15 साल की उम्र में उन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ियों में जगह बनाई और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं।

इस बार बंपर इनामी राशि मिली

प्राइज मनी पर नजर डालें तो विजेता और उपविजेता दोनों को ही भारी-भरकम रकम मिली है. खिताबी जीत दर्ज करने वाली मीरा एंड्रीवा को पुरस्कार स्वरूप 2.8 मिलियन यूरो मिले, जो लगभग 3.28 मिलियन डॉलर यानी भारतीय मुद्रा में करीब 27.7 करोड़ रुपये होते हैं. वहीं, उपविजेता रही माया च्वॉलिन्स्का को 1.4 मिलियन यूरो की राशि मिली, जो लगभग 1.64 मिलियन डॉलर यानी करीब 13.9 करोड़ रुपये के बराबर है. टूर्नामेंट के अन्य दौरों में बाहर होने वाले खिलाड़ियों को भी इस बार बंपर इनामी राशि मिली है.

माजा तीसरी बार ही ग्रैंड स्लैम खेल रही थीं

24 साल की माजा चवालिनस्का क्वालीफायर के रूप में टूर्नामेंट में पहुंची थी। उनके पास यह खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर बनने का मौका था लेकिन वह चूक गईं। इससे पहले वह सिर्फ दो बार ही ग्रैंड स्लैम के मुख्य दौर में जगह बना पाई थीं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 2022 के विंबलडन में आया था, जब वह दूसरे राउंड में पहुंची थीं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूस के खिलाड़ियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण एंड्रीवा को तटस्थ खिलाड़ी के रूप में खेलना पड़ा और उन्हें अपने देश का झंडा उपयोग करने की अनुमति नहीं मिली। सेमीफाइनल में उन्होंने यूक्रेन की खिलाड़ी मार्ता कोस्त्युक को हराया। इस मैच के बाद कोस्त्युक ने पारंपरिक खेल भावना के विपरीत उनसे हाथ मिलाने से इनकार कर दिया।

भारतीय महिला टीम ने 4×100 मीटर रिले रेस में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत की महिला 4×100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर श्रेणी की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में शानदार 44.07 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम पर टॉप किया। इस दौरान, भारतीय टीम ने पिछला मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया और बियतनाम पर 0.31 सेकेंड के आसान अंतर से जीत हासिल की। बियतनाम दूसरे स्थान पर रहा।

रिले में जीत के अलावा, भारत को फील्ड इवेंट्स में भी सफलता मिली जिसमें शैली सिंह ने महिलाओं की लंबी कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। शैली ने 6.24 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया और अपने प्रतियोगी से आगे रहीं। उन्होंने मीट में भारत को मेडल टैली में एक और गोल्ड जोड़ा।

भारत ने छठी बार जीता खिताब, फाइनल में बांग्लादेश को हराया

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी जीती। सात वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारत ने एक बार फिर दक्षिण एशिया की चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत की ओर से प्यारी जाक्सा (42वां मिनट), सैनफिदा नोंगरुम (46वां मिनट) और लिंडा कोम सेर्टो (82वां मिनट) ने गोल किए। वहीं, बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल रितु पोरना चकमा ने दागा।

पहले हाफ में बराबरी पर पहुंचा बांग्लादेश

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए। कई मौकों के बाद 42वें मिनट में प्यारी जाक्सा ने शानदार गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में बांग्लादेश की रितु पोरना चकमा ने बेहतरीन गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह पूरे टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ हुआ पहला गोल था।

दूसरे हाफ में भारत का दबदबा

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 46वें मिनट में प्यारी जाक्सा के शानदार क्रॉस पर सैनफिदा नोंगरुम ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। 82वें मिनट में बांग्लादेश की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए स्थानापन्न खिलाड़ी लिंडा कोम सेर्टो ने तीसरा गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।

पूरे टूर्नामेंट में रहा भारत का दबदबा

भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मालदीव पर 11-0 की बड़ी जीत से की थी, जबकि ग्रुप चरण में बांग्लादेश को भी 3-0 से हराया था। भारत ने टूर्नामेंट में कुल 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया, जो उसके शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।भारत ने सैफ महिला चैंपियनशिप का पिछला खिताब 2019 में जीता था। इसके बाद 2022 और 2024 में बांग्लादेश ने ट्रॉफी अपने नाम की थी। इस बार भारतीय टीम ने दमदार वापसी करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया।

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा सर्वोच्च स्कोर

2023 के बाद भारत ने घरेलू टेस्ट मैच में बनाए 550+ रन

मुल्लांपुर। भारतीय टीम ने कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल के शतकों की मदद से अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट की पहली पारी में विशाल स्कोर खड़ा किया। भारत ने मुल्लांपुर में खेले जा रहे इस मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। भारत के लिए इस मैच में कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक जड़े। वहीं, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर ने अर्धशतकीय पारी खेली।

अफगानिस्तान की पारी लड़खड़ाई 5 विकेट 113 रन

अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम पूरी तरह हावी हो गई है। उसने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 113 रन बना लिए हैं। रहमत शाह और अफसर जजई क्रीज पर हैं।प्रसिद्ध कृष्णा ने हश्मतुल्लाह शाहिदी (20) और सेदीकुल्लाह अटल (17) को आउट किया। वहीं, मानव सुथार ने रहमानुल्लाह गुरबाज (12) को स्लिप में साई सुदर्शन के हाथों कैच कराया। इससे पहले उन्होंने अपने डेब्यू मैच के पहले ही ओवर में अब्दुल मलिक को कैच आउट कराया।

घरेलू पिच पर किया दमदार प्रदर्शन

अफगानिस्तान के खिलाफ यह टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में भारत को मजबूत टीमों का सामना करना है। यही कारण है कि भारत के लिए यह मैच काफी अहम है। भारत पिछले कुछ समय से घरेलू मैदान पर भी टेस्ट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था। लेकिन इस मैच में बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने 2023 के बाद पहली बार टेस्ट में घरेलू मैदान पर 550 रनों का आंकड़ा पार किया। इससे पहले टीम ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए मैच में 571 रन बनाए थे।

अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी

इससे पहले, शुभमन गिल और ऋषभ पंत की जोड़ी ने टेस्ट के दूसरे दिन 169 रनों की साझेदारी निभाते हुए इतिहास रच दिया। पंत और गिल द्वारा की गई ये साझेदारी अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की ओर से की गई किसी भी विकेट के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी है। टेस्ट के दूसरे दिन गिल और पंत ने मिलकर 48 रन और जोड़े। भारतीय कप्तान 177 गेंदों का सामना करने के बाद 126 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी मे गिल ने 15 चौके और एक छक्का लगाया। टेस्ट के पहले दिन भी भारतीय बल्लेबाजों का जलवा रहा। टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की ओर से यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने मिलकर पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। यशस्वी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 24 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद राहुल को साई सुदर्शन के रूप में बढ़िया जोड़ीदार मिला। राहुल-सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 184 गेंदों में 139 रनों की अहम साझेदारी निभाई। सुदर्शन ने 104 गेंदों का सामना करते हुए 81 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सुदर्शन ने 13 चौके लगाए। वहीं, राहुल ने अपने टेस्ट करियर का 11वां शतक लगाया और 165 गेंदों में 100 रन बनाए। भारतीय बल्लेबाजी क्रम के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए।

सलीम सैफी ने किया प्रभावित- अफगानिस्तान के लिए इस मैच में सबसे सफल गेंदबाज मोहम्मद सलीम सैफी रहे। सलीम ने इस मैच में 140 रन लुटाकर छह विकेट लिए। वह टेस्ट में फाइव विकेट हॉल पूरे करने वाले अफगानिस्तान के तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले जियाउर रहमान और निजात मसूद ऐसा कर चुके हैं।

विश्व कप से पहले अर्जेंटीना टीम की मुश्किलें बढ़ी, मैत्री मैच में नहीं खेल सके चोटिल मेसी

नई दिल्ली। विश्व कप फुटबॉल शुरू होने में जब केवल तीन दिन का समय बचा है तब स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी की फिटनेस अर्जेंटीना के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण होंडुरास के खिलाफ अर्जेंटीना के मैत्री मैच में नहीं खेले जिससे यह सुनिश्चित नहीं है कि वह विश्व कप में अपनी टीम के पहले मैच तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं।

तीन सप्ताह में 39 वर्ष के होने वाले मेसी ने मैच से पहले अपने साथियों के साथ अभ्यास किया, लेकिन अर्जेंटीना की 2-0 से जीत के दौरान वह बेंच पर ही बैठे रहे। टीम ने कहा है कि मेसी कब तक फिट हो पाएंगे यह उनकी शारीरिक और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगा। अर्जेंटीना विश्व कप से पहले अपना अंतिम अभ्यास मैच मंगलवार को ऑबर्न, अलबामा में आइसलैंड के खिलाफ खेलेगा।अर्जेंटीना 16 जून को एरोहेड स्टेडियम में अल्जीरिया के खिलाफ विश्व कप खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शुरुआत करेगा। माना जा रहा है कि मेसी विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे।

भविष्य के प्लान पर भी रखी राय

10-20 वर्षों तक दबदबा बनाए रखना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। वैभव का कहना है कि वह सिर्फ खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि अगले 10 से 20 वर्षों तक अपने खेल से दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वैभव का एक इंटरव्यू शेयर किया गया है। इस इंटरव्यू में बात करते हुए वैभव ने बताया कि वह ऐसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसे देखकर लोग बाद में यह कहें कि एक बल्लेबाज अकेले दम पर मैच जीता देता था।

वैभव ने कहा, मैंने सोचा है कि मैं 20 साल या जब तक भी क्रिकेट खेलूं और किसी भी टीम की तरफ से खेलूं, तो ऐसा खेलूं कि लोग मैच देखें या फिर बाद में सोचें तो यह कहें कि एक खिलाड़ी अकेले मैच खत्म कर देता था। वो दबदबा दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। ऐसा नहीं खेलना है कि खेला और बस मैच खत्म हो गया। ऐसा खेलना है कि अगले 10 से 20 वर्ष तक दबदबा बनाए रखना है और अच्छा क्रिकेट खेलना है। मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, क्योंकि मुझे आनंद आता था और मैं इस खेल को खेलते हुए पूरी जिंदगी आनंद लेना चाहता हूं।

चयनकर्ताओं को किया प्रभावित

वैभव के पास अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने का सुनहरा मौका होगा। टीम इंडिया के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी माना कि वैभव ने अपने प्रदर्शन के बूते चयन समिति को उन्हें टीम में शामिल करने पर मजबूर किया। आईपीएल 2026 वैभव के लिए गजब का रहा। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने 16 पारियों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप को अपने नाम किया। वैभव ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 72 छक्के लगाए।

रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

वैभव टीम इंडिया में जगह बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं और अगर उन्होंने इन दौरों पर प्लेइंग-11 में जगह मिलती है तो वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव इस मामले में सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।

टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। यह विश्व कप का 10वां संस्करण होगा। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का पूरी तरह से दबदबा रहा है। वहीं, भारतीय टीम अब तक कभी इस प्रारूप में विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है। भारत ने पिछले साल अपनी सरजमीं पर वनडे विश्व कप जीतकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। अब उसकी नजरें फटाफट क्रिकेट में भी अपना दम दिखाने पर होंगी।

महिला टी20 विश्व कप को सर्वाधिक बार जीतने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रही है। कंगारू टीम ने कुल छह बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार साल 2010 में विश्व कप के खिताब पर कब्जा जमाया था। इसके बाद 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में भी टीम क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट की चैंपियन बनी।

इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड एक-एक बार बनी हैं चैंपियन

महिला टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को इंग्लैंड ने एक बार अपने नाम किया है। इंग्लैंड टूर्नामेंट के पहले संस्करण में चैंपियन बनी थी। इंग्लिश टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। इंग्लैंड ने 167 रनों के लक्ष्य को छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। इंग्लैंड 2012, 2014 और 2018 में फाइनल तक भी पहुंची, लेकिन टीम को खिताबी मुकाबले में तीनों ही बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज ने भी महिला टी20 वर्ल्ड कप को एक बार अपने नाम किया है। साल 2016 में कैरेबियाई टीम ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में आठ विकेट से हराते हुए खिताब पर कब्जा जमाया था। वेस्टइंडीज ने पिछले दो विश्व कप को जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का फाइनल मुकाबले में हैट्रिक लगाने का सपना तोड़ा था। साल 2024 में खेले गए महिला टी20 विश्व कप को न्यूजीलैंड ने जीता था। फाइनल मुकाबले में कीवी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 32 रनों से हराया था।

बड़े-बड़े अर्थशास्त्री और आलोचक रह गए दंग, भारत ने दुनिया को फिर चौंका दिया

नई दिल्ल, एजेंसी। भारत ने उम्मीद से बेहतर आर्थिक विकास दर से एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया है। ग्लोबल अनिश्चितता, तेल की ऊंची कीमतें, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपये की कमजोरी और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी चिंताओं के बावजूद उसने जबरदस्त ग्रोथ दर्ज की है। शुक्रवार को ये दमदार आंकड़े जारी होते ही दोबारा भारत की चर्चा दुनिया में होने लगी। इस तेज आर्थिक रफ्तार उन आलोचकों और अर्थशास्त्रियों के लिए जवाब है जो लगातार सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। मजबूत निवेश, जोरदार कंस्ट्रक्शन और बैंकिंग गतिविधियां, घरेलू मांग में मजबूती, सर्विस सेक्टर में अच्छी ग्रोथ और बेहतर कृषि प्रदर्शन ने

अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि की तारीफ करते हुए इसे सुधारों और 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत का नतीजा बताया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर जोर दिया। हालांकि, अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि सब्सिडी की बढ़ती लागत और पश्चिम एशिया में लंबे समय तक जारी रहने वाली रुकावटें आने वाले महीनों में ग्रोथ के लिए चुनौतियां पैदा कर सकती हैं। बीते रोज ये आंकड़े उसके कुछ घंटे बाद आए जब सरकार ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कई उपाय घोषित किए। इनमें विदेशी निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों से होने वाली ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर टैक्स से छूट देने वाला एक अध्यादेश भी शामिल है। विदेशी संस्थागत निवेशकों को 12 महीने से अधिक समय तक रखे गए सरकारी बॉन्ड पर 12.5 फीसदी का लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता था। अगर बॉन्ड 12 महीने से कम समय के लिए रखा जाता था तो शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स की दर 20 फीसदी थी। इन दोनों टैक्स को खत्म कर दिया गया है। सरकारी प्रतिभूतियों पर विदेशी निवेशकों की ओर से अर्जित ब्याज आय पर लगने वाले विदहोल्डिंग टैक्स को भी हटा दिया गया है। ये कदम विदेशी पूंजी के प्रवाह को बढ़ाने और उसके आउटफ्लो को रोकने के लिए उठाए गए हैं ताकि रुपये को सहारा मिल सके। साथ ही बढ़ते चालू खाता घाटे को नियंत्रित करने में मदद मिले। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपये में लगभग 5 फीसदी की गिरावट आई है।

घरेलू खर्च बना हुआ है मजबूत पिलर

घरेलू खर्च भारत की ग्रोथ स्टोरी के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है। कंज्यूमर गुड्स (उपभोक्ता वस्तुओं) पर ज्यादा खर्च परिवारों के बीच उनकी आय के स्तर और खर्च करने की क्षमता को लेकर मजबूत भरोसे का भी संकेत है। आंकड़े बताते हैं कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता और उसके आर्थिक नतीजों के बावजूद यह भरोसा कम से कम इस साल मार्च तक बना हुआ है।

भारत, चीन और अमेरिका ने टाला तेल का महातूफान कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। दशकों से तेल बाजार के विशेषज्ञ और विश्लेषक चेतावनी दे रहे थे कि होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी आर्थिक तबाही साबित होगा। अब इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को ब्लॉक हुए तीन महीने से अधिक का समय हो चुका है। इसके बावजूद कच्चे तेल की कीमतें उस स्तर तक नहीं बढ़ी हैं, जैसा अनुमान लगाया गया था। होर्मुज बंद होने से आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा सप्लाई शॉक (आपूर्ति का संकट) माना जा रहा है। इसके बावजूद कुछ समय को छोड़कर कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बनी हुई हैं। कुछ जानकारों ने अनुमान जताया था कि कच्चा तेल 200 या 300 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका का रिकॉर्ड निर्यात फरवरी के अंत में ईरान पर हमले के बाद से अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा 'स्विंग सप्लायर' बनकर उभरा है।

मई में अमेरिकी कच्चे तेल और ईंधन का निर्यात पिछले साल के औसत से 20 लाख बैरल प्रति दिन अधिक रहा। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रणनीतिक तेल भंडार से रोजाना 14 लाख बैरल की दर से रिकॉर्ड तेल जारी किया है। दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देश चीन ने मई में तेल के आयात में पिछले साल के मुकाबले 40 प्रतिशत की भारी कटौती की है। चीन अब तेल के बजाय कोयले से केमिकल बनाने और देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की भारी बिक्री के कारण पेट्रोल-डीजल की कम खपत कर रहा है।

अमेरिकी प्रशासन ने कुछ प्रतिबंधित रूसी तेल पर छूट दी है, जिससे विशेष रूप से भारतीय रिफाइनरियों को बड़ा फायदा मिला है। भारत ने मई में रूस से 17.6 लाख बैरल प्रति दिन तेल खरीदा, जो फरवरी की तुलना में 63 प्रतिशत अधिक है। पैसिफिक इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी के ग्रेग शेयरनो के मुताबिक, वैश्विक तेल का भंडार हर हफ्ते 7 से 8 करोड़ बैरल की दर से कम हो रहा है। अमेरिका का कुल तेल भंडार पिछले दो दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे ही चीन दोबारा अपनी सामान्य रफ्तार से तेल खरीदना शुरू करेगा, बाजार में हाहाकार मच सकता है।

वैकल्पिक रास्ते और गुप्त शिपिंग

सऊदी अरब अपनी 'ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन' के जरिए लाल सागर तक तेल भेज रहा है, और यूएई 'फुजैराह पोर्ट' के जरिए खाड़ी के बाहर तेल पहुंचा रहा है। जीपीएस जैमिंग और गुप्त तरीकों का इस्तेमाल करके रोजाना 2 से 3 टैंकर अभी भी इस खतरनाक रास्ते (होर्मुज) से गुजर रहे हैं। लोग सोच रहे थे कि स्थिति बहुत खराब होगी। आज कच्चे तेल की कीमत 96 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि लोग इसके 300 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका जता रहे थे। भले ही दुनिया ने इस संकट का बहादुरी से सामना किया है, लेकिन कमोडिटी दिग्गजों का मानना है कि यह राहत लंबे समय तक नहीं टिकने वाली।

मौसम की मार... वियतनाम में चावल के दाम बढ़े

बांग्लादेश में फसल को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया में संभावित अल नीनो के असर को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच वियतनाम में चावल की निर्यात कीमतों में इस सप्ताह तेजी दर्ज की गई है। वहीं, बांग्लादेश में भीषण गर्मी और फसल को हुए नुकसान के कारण कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। इसके विपरीत पर्याप्त स्टॉक और अच्छी आपूर्ति की वजह से भारत में चावल के दाम फिलहाल स्थिर हैं। रॉयटर्स के अनुसार वियतनाम के 5 प्रतिशत ब्रोकन (टूटे हुए) चावल की निर्यात कीमत इस सप्ताह बढ़कर 415-420 डॉलर प्रति टन हो गई, जबकि पिछले सप्ताह यह 405-410 डॉलर प्रति टन थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वियतनाम ने मई में लगभग 9.25 लाख टन निर्यात किया, जो पिछले साल की समान अवधि से 19 प्रतिशत अधिक है। वहीं, इस साल के पहले पांच महीनों में कुल निर्यात बढ़कर 43 लाख टन पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

अल नीनो को लेकर बढ़ी आशंका

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, जून से अगस्त के बीच अल नीनो विकसित होने की संभावना 80 प्रतिशत है, जबकि इसके नवंबर तक बने रहने की संभावना 90 प्रतिशत आंकी गई है। वियतनाम के एक ट्रेडर ने बताया कि एशिया में अल नीनो के कारण उत्पादन प्रभावित होने की आशंका से बाजार में तेजी का माहौल है।

वियतनाम पहले भी खराब मौसम की मार झेलता रहा है, इसलिए व्यापारी संभावित सप्लाई संकट को लेकर सतर्क हैं। बांग्लादेश में हल्की से मध्यम स्तर की हीटवेव के कारण चल रही धान कटाई प्रभावित हो रही है। किसानों का कहना है कि बढ़ते तापमान से फसल की पैदावार घट रही है और पौधों में तेजी से नमी की कमी हो रही है। इसके अलावा, प्री-मानसून की भारी बारिश से 2 लाख टन से अधिक चावल की फसल को नुकसान पहुंचा है, जिससे आपूर्ति पर अतिरिक्त दबाव बन गया है। जिससे चावल के दाम भी मजबूत बने हुए हैं। हालांकि, बाजार की नजर अब अगले लगभग तीन महीनों में आने वाली नई फसल पर है, जिससे अल नीनो के वास्तविक प्रभाव का बेहतर आकलन हो सकेगा।

भारत में कीमतें स्थिर

भारत के 5 प्रतिशत ब्रोकन परबॉयल्ड चावल की कीमत बीते सप्ताह 337-345 डॉलर प्रति टन पर स्थिर रही। वहीं, 5 प्रतिशत ब्रोकन व्हाइट राइस का भाव 338-344 डॉलर प्रति टन रहा। नई दिल्ली के एक निर्यातक के मुताबिक, अन्य प्रमुख निर्यातक देशों के पास सीमित अतिरिक्त स्टॉक है और वे अगले सीजन में अल नीनो के कारण उत्पादन घटने की आशंका में कीमतें बढ़ा रहे हैं। दूसरी ओर भारत में पर्याप्त उपलब्धता के कारण कीमतों में स्थिरता बनी हुई है। लगभग 450 डॉलर प्रति टन रही। बैंकॉक के व्यापारियों के अनुसार, पशु आहार में इस्तेमाल होने वाले टूटे चावल की कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत बढ़ी है।

रुपये के 100 तक टूटने का डर खत्म, आरबीआई के बड़े फैसलों से आ सकता है 75 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया पिछले काफी समय से गिर रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक इसकी गिरावट रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। केंद्रीय बैंक की ओर से उठाए गए नीतिगत कदमों को रुपये के प्रति बाजार के नजरिए को बदलने के एक बड़े प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इसका मकसद रुपये की गिरावट की चिंताओं को दूर कर देश में विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ाना है।

शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.18 पर बंद हुआ था। हाल में यह 97 के करीब पहुंच गया था। साल 2026 में अब तक डॉलर 7 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। कई दिग्गज फर्मों को उम्मीद है कि सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों के कारण देश में 75 अरब डॉलर तक का निवेश आ सकता है। यह भी रुपये की गिरावट को रोकने में कारगर होगा। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि कम से कम 40 अरब डॉलर का निवेश भारत आ सकता है। इससे रुपया मजबूत होकर 92-93 के स्तर पर पहुंच सकता है। कोटक सिक्योरिटीज का मानना है कि यह निवेश और भी अधिक यानी करीब 50 से 75 अरब डॉलर तक हो सकता है।

निवेश बढ़ाने के लिए उठाए गए 4 कदम

रुपये को मजबूती देने और विदेशी निवेशकों को लुभाने के लिए केंद्रीय बैंक आरबीआई ने ये प्रमुख 4 कदम उठाए हैं: फुली एक्सेसिबल रूट का दायरा बढ़ाकर इसमें 15, 30 और 40 साल के सरकारी बॉन्ड शामिल किए गए हैं। साथ ही इसमें शॉर्ट-मैच्योरिटी कैप को हटा दिया गया है। इससे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भागीदारी बढ़ेगी। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार एनआरआई और ओसीआई के लिए इक्विटी निवेश के नियमों को आसान बनाया गया है। विदेशी मुद्रा अनिवासी जमा पर 3 से 5 साल के लिए हेजिंग लागत का पूरा खर्च (2.5 प्रतिशत सालाना) 30 सितंबर 2026 तक खुद उठाएगा। इससे बैंक ग्राहकों को 5.5 प्रतिशत से अधिक ब्याज दे पाएंगे, जिससे भारी मात्रा में डॉलर देश में आने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा देश में जल्दी लाने के लिए निर्यात से होने वाली कमाई को वापस भारत लाने की समयसीमा को 15 महीने से घटाकर 9 महीने कर दिया है।

क्या 100 तक पहुंचेगा रुपया: केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि रुपये की चाल मौजूदा बुनियादी आर्थिक स्थितियों से अलग हो सकती है। इसलिए रुपये के टूटकर 100 के स्तर पर जाने की आशंकाएं पूरी तरह बेबुनियाद हैं।

क्रूड के दाम में सुस्ती, चेन्नई में पेट्रोल 107 तो डीजल 99 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस के दौरान लगातार दो दिनों तक कच्चा तेल सस्ता ही हुआ है। मानक ब्रेंट क्रूड के दाम 93 डॉलर प्रति बैरल तक गिरे गए है। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी रविवार, 7 जून 2026 को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। 4

महानगरों में पेट्रोल का दाम तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। इस सप्ताह कच्चे तेल के बाजार में नरमी का रुख रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्ताह के अंतिम दो दिनों के दौरान मानक ब्रेंट क्रूड के दाम घटे हैं। अंतिम कारोबारी दिवस पर तो इसके दाम में 2.04 फीसदी या 1.94 डॉलर की कमी दिखी।

होर्मुज बंद होने से अमेरिका को सबसे ज्यादा फायदा दिग्गज का चौंकाने वाला दावा, बड़ी चेतावनी दे दी

नई दिल्ली, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से अमेरिकी एनर्जी कंपनियों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। रोसनेफ्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव इगोर सेचिन ने शनिवार को यह दावा किया। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि इस अहम शिपिंग रूट में लंबे समय तक रुकावट से ग्लोबल ऑयल की मांग कम हो सकती है। इससे वैकल्पिक एनर्जी सोर्स में दिलचस्पी बढ़ने के आसार हैं। रॉयटर्स के अनुसार, सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में सेचिन ने कहा कि इस अहम समुद्री रास्ते के बंद होने से एनर्जी मार्केट में ऐसे बदलाव आए हैं जिनसे अमेरिका को फायदा हुआ है। होर्मुज के रास्ते बड़ी मात्रा में कच्चे तेल की सप्लाई होती है। सेचिन ने कहा, 'जाहिर है, इसका सबसे ज्यादा फायदा अमेरिकी कंपनियों को हुआ, जिन्हें बिना किसी कॉम्पिटिशन के फायदे मिले और महंगी सप्लाई हासिल करने की क्षमता मिली।' उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने को 'अमेरिका को फायदा पहुंचाने के लिए ग्लोबल एनर्जी मार्केट के नियमों को बदलने की कोशिश' बताया। कहा कि ईरान को निशाना बनाने के लिए उठाए गए कदमों का पूरी दुनिया पर उल्टा असर पड़ा। इससे जुड़े रणनीतिक जोखिमों को कम करके आंका गया। सेचिन ने चेतावनी दी कि होर्मुज स्ट्रेट के आसपास लगातार अस्थिरता से ग्लोबल एनर्जी सेक्टर पर बड़े

असर पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट में लंबे समय तक तनाव रहने से तेल की लॉन्ग-टर्म मांग कम हो सकती है। इससे वैकल्पिक एनर्जी में दिलचस्पी भी बढ़ सकती है।' रॉयटर्स के अनुसार, ये प्रतिक्रियाएं तब आई हैं जब फरवरी में अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने इस स्ट्रेट को ब्लॉक कर दिया था, जबकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी कर दी थी। स्ट्रेट खुला हो कीमतें कम होने के आसार सेचिन ने कहा कि अगर निकट भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुलता है तो ऑयल की कीमतें धीरे-धीरे कम हो सकती हैं। इस साल के अंत तक कच्चे तेल की कीमतें 95-96 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेंगी। एक साल के भीतर गिरकर 80-85 डॉलर प्रति बैरल हो जाएंगी। 2027 की दूसरी छमाही तक मार्केट के सामान्य हालात पर लौट आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि चीन इस संकट के लिए ज्यादातर देशों की तुलना में बेहतर ढंग से तैयार दिख रहा है। इसकी वजह उसकी अच्छी तरह से योजनाबद्ध सरकारी नीति है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि समुद्र के दूसरे अहम रास्तों (चोकपॉइंट्स) - जैसे मलक्का, बाब अल-मंदेब और जिब्राल्टर स्ट्रेट - पर भी रुकावट का खतरा हो सकता है। जिसकी भरपाई के लिए कम से कम 10 ट्रिलियन रूबल के जरूरी निवेश की आवश्यकता होगी।' उन्होंने आगे कहा कि रूस भविष्य में सदस्य देशों के साथ निवेश के मामले में बेहतर सहयोग की उम्मीद करता है।

दुनिया के सामने मौजूद बड़ी चुनौतियां

अंत की शुरुआत या शुरुआत का अंत : पंडोरा बॉक्स में आखिर क्या बचा है' नाम के शीर्षक वाली स्पीच में सेचिन ने कहा कि दुनिया बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें सैन्यीकरण, वित्तीय बाजार के जोखिम और जरूरी संसाधनों की संभावित कमी शामिल है। उन्होंने कहा, 'बक्से के तल में हमें निश्चित रूप से बिजली, भोजन, तांबे और अन्य धातुओं व पानी की वैश्विक कमी देखने को मिलेगी।' रॉयटर्स के अनुसार, सेचिन ने समूह की प्रभावशीलता पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर जैसे देशों के बाहर निकलने के बाद इस समूह की क्षमता का कुछ हिस्सा कम हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में गठबंधन का उत्पादन 58 मिलियन बैरल प्रतिदिन से घटकर 37 मिलियन बैरल प्रतिदिन रह गया है। रोसनेफ्ट प्रमुख ने कहा कि 2016 में समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से जहां ज्यादातर प्रमुख सदस्यों ने उत्पादन बढ़ाया है। वहीं रूस का तेल उत्पादन 1.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन कम हुआ है। सेचिन ने कहा, 'यह 15 प्रतिशत की गिरावट है।

मैं उस बिजनेस को कैसे छोड़ दूं, छोटी सी दुकान से आज घर-कार सबकुछ, ऐसे बने मर्जी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। राजू चौरसिया उत्तर प्रदेश के महोबा से हैं। उन्होंने छोटी सी पान की दुकान से अपनी अलग पहचान बनाई है। इस दुकान से उन्हें वह सबकुछ मिला है जिसकी लोग चाहत रखते हैं। इनमें घर, कार और लाखों की संपत्ति शामिल है। दिलचस्प यह है कि खूब धन-दौलत वाला हो जाने के बाद भी उन्होंने अपनी साधारण पान की दुकान कभी नहीं छोड़ी। आइए, यहां राजू चौरसिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। यूपी के महोबा के रहने वाले राजू चौरसिया पिछले 36 सालों से पान बेचते हैं। आर्थिक रूप से मजबूत होने के बावजूद वह छोटे-छोटे मेलों में पान की दुकान लगाते हैं। सिर्फ 10 रुपये में पान की बिक्री करते हैं। ग्राहकों को प्यार और अपनापन दिखाते हैं। उनके लिए पान पिछले तीन दशकों से उनकी पहचान रहा है। राजू चौरसिया ने 15 साल की उम्र में पान लगाना शुरू किया था। वह साल 1989 से इस काम में हैं। उन दिनों एक पान की कीमत सिर्फ 50 पैसे हुआ करती थी। वह अक्सर कहते हैं, 'मैं उस बिजनेस को कैसे छोड़ सकता हूं जिसने मुझे बनाया और मेरे परिवार का सहारा बना' आज उनके पास अपना घर है। वह महंगी कार चलाते हैं। उनके बच्चे अपने-अपने बिजनेस में सेटल हो चुके हैं। फिर भी राजू मेलों में अपनी पान की दुकान लगाना नहीं भूलते। वैसे तो वह उत्तर प्रदेश के महोबा के रहने वाले हैं। लेकिन, राजू अक्सर छतरपुर के मेलों में जाते हैं, जहां वह काफी मशहूर हैं। उनकी दुकान उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश तक के इलाकों में लगती है। जैसे ही लोगों को पता चलता है कि राजू चौरसिया की दुकान खुल गई है, वे अपने दोस्तों के साथ उनके पान का मजा लेने पहुंच जाते हैं।

आमिर खान ने तीसरी शादी की खबर को कन्फर्म किया

आमिर खान ने गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ शादी की खबर को कन्फर्म कर दिया। आमिर की यह तीसरी शादी होगी। उन्होंने कहा, मैं इस समय अमेरिका में हूं। शादी की खबर सही है। हमारी शादी 5 जुलाई को होगी। कुछ महीने पहले आमिर ने कहा था कि शादी उनकी प्राथमिकता नहीं है और वह गौरी के साथ ऐसे ही खुश हैं, लेकिन अब उनका कहना है कि समय के साथ दोनों की भावनाएं बदल गई हैं। आमिर ने कहा, अब हम दोनों को लगता है कि अपने रिश्ते को अगले पड़ाव पर ले जाने का समय आ गया है।

उन्होंने आगे कहा, गौरी और मैं एक-दूसरे को लेकर सीरियस हैं। हम एक मजबूत रिश्ते में हैं। मेरे दिल में तो मैं खुद को पहले से ही उनका पति मानता हूं। अब इस रिश्ते को शादी का नाम देना हमारे साथ की एक स्वाभाविक अगली शुरुआत है।

आमिर ने पहली शादी साल 1986 में फिल्म प्रोड्यूसर रीना दत्ता से की थी। साल 2002 में रीना से अलग होने के बाद आमिर ने साल 2005 में डायरेक्टर किरण राव से दूसरी शादी की थी। साल 2021 में किरण और आमिर का तलाक हो गया था।

आमिर ने साल 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी के साथ अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। गौरी बेंगलुरु की रहने वाली एक सैलून आंत्रप्रेन्योर और फैशन प्रोफेशनल हैं। उनके पिता तमिल-ब्रिटिश मूल के और मां पंजाबी-आयरिश मूल की हैं। गौरी 1920 के दशक में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ब्रिटिश कम्युनिस्ट फिलिप स्प्रैट की पोती हैं।

आमिर की तरह गौरी भी पहले शादीशुदा रही हैं और उनका एक 7 साल का बच्चा है। गौरी और उनका बच्चा पिछले दो साल से मुंबई में साथ रह रहे हैं।

आमिर और गौरी एक-दूसरे को पिछले 25 सालों से जानते हैं। दोनों पहले काफी अच्छे दोस्त थे, जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। जब से आमिर और गौरी ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया है, तब से गौरी को अक्सर आमिर के साथ अलग-अलग इवेंट्स और मौकों पर साथ देखा जाता है।

इंटरव्यू में आमिर ने गौरी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कहा था, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे गौरी मिलीं और हमारा रिश्ता शुरू हुआ। वह बेहतरीन हैं और उनके साथ मुझे बहुत शांति मिलती है। हालांकि रीना दत्ता और किरण राव के साथ भी मेरा रिश्ता बहुत गहरा था, लेकिन चीजें आगे नहीं बढ़ पाईं। मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं कि गौरी मेरी जिंदगी में आईं। मुझे लगता है, अब जाकर मैं मुकम्मल हुआ हूं।

आमिर ने अपनी पहली शादी साल 1986 में रीना दत्ता से की थी। यह एक लव मैरिज थी जो करीब 16 सालों तक चली। दोनों के दो बच्चे, जुनैद खान और इरा खान हैं। साल 2002 में दोनों कानूनी तौर पर अलग हो गए। रीना दत्ता से तलाक के बाद आमिर खान की जिंदगी में डायरेक्टर किरण राव आईं। साल 2005 में दोनों की शादी हुई।

ब्रेस्ट कैंसर को लेकर अब तक का सबसे बड़ा खुलासा

ब्रेस्ट कैंसर दुनियाभर में तेजी से बढ़ने वाले कैंसर में से एक है। हर साल इससे करीब 7.75 लाख लोगों की मौत हो जाती है। कुछ दशकों पहले तक इस कैंसर के मामले उम्र बढ़ने के साथ देखे जाते थे, हालांकि अब कम उम्र में भी इसके मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है।

स्तन में गांठ, स्तन के आकार या त्वचा के रंग में किसी तरह के बदलाव और निप्पल से असामान्य डिसचार्ज को इसका आम लक्षण माना जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि आनुवांशिकता के साथ महिलाओं की बगड़ती दिनचर्या और खानपान में गड़बड़ी ने इसके खतरे को काफी बढ़ा दिया है। क्या आपने कभी सोचा है कि कई बार आपके जीवन के बड़े फैसले सिर्फ आपकी लाइफस्टाइल या करियर को ही नहीं बल्कि सेहत को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं? हाल ही में अंतरराष्ट्रीय कैंसर सम्मेलन में सामने आई एक चौंकाने वाली चेतावनी ने पूरी दुनिया में चर्चा छेड़ दी है। इसमें कैंसर रोग विशेषज्ञों ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि जो महिलाएं बच्चे पैदा करने में देरी करती हैं, उनमें ब्रेस्ट कैंसर का खतरा काफी हद तक बढ़ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह सुनने में विवादित लग सकता है, लेकिन रिपोर्ट में सामने आया है कि ब्रेस्ट कैंसर को लेकर ये बड़ा खतरा हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, मौजूदा समय में जहां महिलाएं शिक्षा, करियर, आर्थिक स्थिरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्राथमिकता दे रही हैं, वहीं मातृत्व को अक्सर बाद के वर्षों के लिए टाल दिया जाता है। लेकिन यह देरी शरीर की प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली पाई गई है।

इटली के गैलेरिया हॉस्पिटल में मेडिकल ऑन्कोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. एंड्रिया डेसेंसी कहते हैं, आजकल महिलाएं पहले की तुलना में बहुत देर से बच्चे पैदा करने का फैसला ले रही हैं। इसके कई नकारात्मक असर

देखने को मिल रहे हैं।

लोग इस विषय पर खुलकर बात करने से बचते हैं, लेकिन देर से गर्भधारण करना ब्रेस्ट कैंसर के बढ़ते मामलों के सबसे बड़े कारणों में से एक है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब दुनियाभर में युवाओं में कैंसर के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है।

लंबे समय से स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि कम उम्र में बच्चे पैदा करने से ओवेरियन और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव में मदद मिल सकती है। डॉ. डीसेंसी कहते हैं, बायोलॉजिकली, महिलाएं अपने पहले पीरियड के तुरंत बाद प्रेग्नेंसी के लिए तैयार हो जाती हैं। बच्चे पैदा करने का सबसे सही समय 20 से 35 साल के बीच होता है। इसके बाद, न केवल कंसीव करना मुश्किल हो जाता है, बल्कि ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी काफी बढ़ जाता है।

डॉक्टर कहते हैं, सबसे बड़ी चिंता की बात ये है कि इस जोखिम को बारे में महिलाओं को न तो ज्यादा पता होता है और न ही इसपर बात की जाती है। डॉ. डीसेंसी कहते हैं, एक समाज के तौर पर हम अब देर से बच्चे पैदा कर रहे हैं। पढ़ाई, काम और रहने-सहने का खर्च, इन सभी का असर इस बात पर पड़ता है कि महिलाएं कब बच्चे पैदा करती हैं या करती भी हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि जीवनशैली से जुड़े कारण जैसे कम शारीरिक गतिविधि में कमी, खराब खानपान और मोटापा भी कैंसर के बढ़ते मामलों में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

प्रजनन, हार्मोन्स और ब्रेस्ट कैंसर के बीच जब संबंधों को समझने की कोशिश की गई तो पता चलता है कि कम उम्र में बच्चा होना कुछ हद तक आपको सुरक्षा प्रदान कर सकता है।

इसका एक वैज्ञानिक कारण यह माना जाता है कि जब तक महिला गर्भधारण नहीं करती, तब तक स्तन की कोशिकाएं अपेक्षाकृत अपरिपक्व और संवेदनशील रहती हैं। ये कोशिकाएं एस्ट्रोजन हार्मोन के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं, जिससे इनके असामान्य रूप से बढ़ने और कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है।

देखो हंस न देना.....

एक लड़की फोन पर बात करते हुए लिफ्ट में आई...! *बिट्टू की तरफ देख कर हंसी और फोन पर अपनी सहेली से बोली :* चल अब फोन रखती हूं, लिफ्ट में एक शानदार, हैंडसम लड़का आया है, देखती हूं अगर कोई बात बनती है तो!

अब बेचारा बिट्टू कुछ बोलता, उससे पहले ही लड़की बोली : सॉरी अंकल, मेरी सहेली बहुत पकाती है, मुझे फोन रखना था, इसलिए झूठ बोलना पड़ा...!

वरुण धवन ने पैर छूकर गोविंदा का लिया आशीर्वाद, गले भी लगे

फिल्म प्रोड्यूसर और पूर्व (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) अध्यक्ष पहलाज निहलानी के अंतिम संस्कार के दौरान वरुण धवन और उनके भाई रोहित धवन ने एक्टर गोविंदा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान गोविंदा ने भी दोनों को गले लगाया और प्यार जताया। इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद फैंस वरुण और रोहित के संस्कारों की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

वहीं, अंतिम संस्कार के दौरान वरुण धवन अपने पिता डेविड धवन का हाथ पकड़कर उन्हें सहारा देते हुए भी नजर आए। सीढ़ियों से नीचे उतरते समय वरुण धवन ने अपने पिता डेविड धवन को सहारा दिया।

गोविंदा को उनके करियर का पहला बड़ा ब्रेक निहलानी की फिल्म इल्जाम से मिला था। उनके निधन पर गोविंदा ने कहा, पहलाज निहलानी हमारे लिए नींव के पत्थर जैसे थे। मेरे जैसे कई कलाकार, जो गरीबी से निकलकर आगे बढ़े, उन्हें सफल बनाने में उनका बड़ा योगदान रहा है। देश में कम से कम एक दर्जन ऐसे कलाकार होंगे, जिनकी जिंदगी बदलने में पहलाज निहलानी का बड़ा हाथ रहा। उन्होंने कई लोगों को जमीन से उठाकर आसमान तक पहुंचाने का काम किया। यह खास हुनर उन्हें भगवान ने दिया था।

बातचीत में ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन ने बताया है कि कोविड में तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें कुछ दवाइयों से कॉम्प्लिकेशन्स हो गए थे, जिससे उनकी किडनी पर असर पड़ा था। उनका इसी से संबंधित इलाज चल रहा था।

लहसुन खाने से कंट्रोल होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल को सेहत का अदृश्य दुश्मन कहें तो ये गलत नहीं होगा। अक्सर हम सभी कोलेस्ट्रॉल की समस्या को तब तक बहुत गंभीरता से नहीं लेते जब तक इससे हार्ट और ब्रेन को कोई गंभीर नुक्सान न होने लगे। सबसे खतरनाक बात यह है कि हाई कोलेस्ट्रॉल वर्षों तक बिना स्पष्ट लक्षण के शरीर में बढ़ता रहता है और धीरे-धीरे धमनियों को ब्लॉक करने लगता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि लाइफस्टाइल और खानपान में गड़बड़ी के अलावा शारीरिक गतिविधि और तनाव ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। कम उम्र के लोगों में भी इसका खतरा देखा जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार का होता है-गुड और बैड। गुड कोलेस्ट्रॉल अच्छी सेहत के लिए जरूरी है पर बढ़ा हुआ बैड कोलेस्ट्रॉल दिल की धमनियों में चिपककर उन्हें संकरा कर देता है, जिससे रक्त संचार प्रभावित होता है और हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

कई रिपोर्ट्स में दावा किया जाता रहा है कि लहसुन खाने से कोलेस्ट्रॉल की समस्या कम हो सकती है? क्या वास्तव में लहसुन खाना फायदेमंद है? हाई कोलेस्ट्रॉल के पीछे कई कारण हैं। खानपान की गड़बड़ी जैसे ट्रांस फैट और सैचुरेटेड फैट वाली चीजें अधिक खाने से इसका खतरा रहता है। तला-भुना भोजन, फास्ट फूड और प्रोसेस्ड स्नैक्स आपके लिए बहुत नुकसानदायक हो सकते हैं।

इसके अलावा शारीरिक गतिविधि की कमी और एक्सरसाइज न करने को भी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाला पाया गया है। मोटापा के शिकार लोगों में भी कोलेस्ट्रॉल की समस्या अधिक देखी जाती रही है। धूम्रपान और शराब भी कोलेस्ट्रॉल की समस्या बढ़ाकर हृदय के लिए मुश्किलें बढ़ा देते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, कोलेस्ट्रॉल प्रोफाइल सुधारने के लिए खानपान में सुधार सबसे जरूरी है। लहसुन में कई ऐसे यौगिक पाए गए हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में आपके लिए मददगार हो सकते हैं।

अध्ययन में पाया गया कि लहसुन में मौजूद एलिसिन नामक यौगिक बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है। नियमित रूप से कच्चा लहसुन खाने से कुल कोलेस्ट्रॉल में सुधार हो सकता है। कच्चे लहसुन में एलिन नाम का एक पदार्थ होता है। हवा के संपर्क में आने पर एलिन, एलिसिन नाम के सल्फर-युक्त कंपाउंड में बदल जाता है। एलिसिन की वजह से ही लहसुन में खास गंध होती है। कई अध्ययनों में एलिसिन को बहुत लाभकारी बताया गया है। बैड कोलेस्ट्रॉल कम करता है।इम्युनिटी (रोग-प्रतिरोधक क्षमता) बेहतर करने में मददगार।ब्लड प्रेशर कम होता है।

साल 2020 की एक समीक्षा में कई ऐसी रिपोर्ट्स का जिक्र है जिनसे पता चलता है कि ब्लैक गार्लिक एक्सट्रैक्ट (पुराने काले लहसुन का अर्क) बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करके गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में बहुत मददगार हो सकता है।

साल 2016 में *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन* में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों का कोलेस्ट्रॉल लेवल ज्यादा था। आठ हफ्तों तक रोज 20 ग्राम कच्चा लहसुन (लगभग चार कलियां) और एक बड़ा चम्मच नींबू का रस लेने के बाद उनमें बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल में काफी कमी आई। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में बदलाव करना सबसे जरूरी है।

सैचुरेटेड और ट्रांस फैट को कम करके फाइबर युक्त भोजन जैसे फल, सब्जियां और साबुत अनाज को शामिल करना चाहिए।

बेटों को क्या गड्ढे में डाल दें : ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें एक महिला इवेंट के दौरान उनसे पुरुषों की सुरक्षा को लेकर सवाल करती दिख रही है। महिला ने नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि देश में बेटियों को आगे बढ़ाया जा रहा है, लेकिन बेटों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

महिला ने ऋचा से *मर्द* के दर्द पर भी कोई कहानी या फिल्म बनाने की मांग की। ऋचा चड्ढा सामाजिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने के लिए जानी जाती हैं, लेकिन इस सवाल के बाद वे थोड़ी हैरान नजर आईं।

महिला ने आगे कहा कि बेटियों को तो बहुत पढ़ा लिया और आगे बढ़ा लिया, लेकिन बेटों का क्या करें, उन्हें गड्ढे में डाल दें क्या? हर बार गलती लड़के की ही नहीं होती है।

ऋचा चड्ढा को महिला का सवाल ठीक से सुनाई नहीं दिया, जिसके बाद उन्होंने महिला से पूछा कि आपको अपने बेटे को किससे बचाना है? इस पर महिला ने जवाब दिया कि उन्हें अपने बेटे को मुस्कान रस्तोगी और सोनम जैसी महिलाओं से बचाना है। महिला ने कहा कि मुस्कान रस्तोगी ने अपने पति की हत्या करके शव को ड्रम में डाल दिया था। इसी वजह से उनका बेटा आज शादी करने से डरता है।

ऋचा चड्ढा ने कहा कि एक महिला ने अपराध किया और आपको उसका नाम और पता सब याद है। इसकी वजह यह है कि पुरुष ऐसा रोज करते हैं, इसलिए हमें उनके नाम भी याद नहीं रहते। ऋचा के इस तर्क के बाद भी महिला पीछे नहीं हटीं और उन्होंने देश में पुरुषों के सुसाइड के आंकड़े रखने शुरू कर दिए।

महिला ने अपनी बात को मजबूत करने के लिए *एनसीआरबी* के डेटा का जिक्र किया। महिला ने कहा कि आंकड़ों के मुताबिक भारत में आज 92,000 पुरुष सुसाइड कर रहे हैं, जो महिलाओं से ढाई गुना ज्यादा है। महिला ने ऋचा से कहा कि भारत बलात्कारियों का देश नहीं है, इसलिए वे चाहती हैं कि ऋचा पुरुषों के इस दर्द पर भी कोई कहानी बनाएं।

ऋचा चड्ढा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से पोस्ट कर कॉकरोच जनता पार्टी को खुलकर सपोर्ट किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, मैं अभी खूबसूरत ऑकलैंड में हूं, जहां शायद दुनिया की सबसे साफ हवा है। लेकिन मेरा मन दिल्ली में है। मेरी प्यारी दिल्ली-मेरे बचपन, मेरे स्कूल और कॉलेज का शहर... जहां बड़े-बड़े पार्क और पुराने, अच्छे पेड़ हैं। मैं अपने देश के युवाओं को प्यार भेजती हूं।

मेरी काबिलियत का इस्तेमाल नहीं हो पाया: इम्तियाज अली

फिल्ममेकर इम्तियाज अली इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म *मैं वापस आऊंगा* को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच इम्तियाज अली ने साल 2017 में रिलीज हुई अपनी फिल्म जब *हैरी मेट सेजल* की असफलता के बारे में बात की है। रिलीज से पहले इसकी काफी चर्चा थी, लेकिन रिलीज के बाद इसे अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। निर्देशक के मुताबिक, इस फिल्म में उनकी काबिलियत का सही इस्तेमाल नहीं हो पाया।

इम्तियाज ने अनफिल्टर्ड बाय समदीश में *जब हैरी मेट सेजल* के बारे में बात की। जब उनसे फिल्म को 10 में से रेटिंग देने के लिए कहा गया, तो उन्होंने इसे 3 रेटिंग दी। अपने जवाब को समझाते हुए इम्तियाज ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक गंवाया हुआ मौका था, क्योंकि कहानी में बहुत क्षमता थी। मुझे इसे अलग तरह से हैंडल करना चाहिए था। इसके बाद फिल्ममेकर ने हैरी के किरदार के पीछे के आइडिया को समझाया।

जान्हवी के सपोर्ट में मेकअप आर्टिस्ट

फिल्म *पेद्दी* ने तीन दिन में ही 100 करोड़ रुपये की कुल कमाई कर ली है। लेकिन यह फिल्म एक कंट्रोवर्सी को लेकर भी चर्चा में है। दरअसल, फिल्म में निर्देशक ने जान्हवी कपूर के किरदार *अचियम्मा* को कामुक ढंग से दिखाया है। इस बात को लेकर निर्देशक की आलोचना हो रही है, जान्हवी कपूर को भी सोशल मीडिया यूजर्स ट्रोल कर रहे हैं। इस पूरे मामले में जान्हवी कपूर की मेकअप आर्टिस्ट सवलीन कौर मनचंदा उनके सपोर्ट में उतर आई हैं। मेकअप आर्टिस्ट ने इस मामले को लेकर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा की है।

मेकअप आर्टिस्ट सवलीन कौर मनचंदा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट को री-शेयर किया है। इस पोस्ट में लिखा था, किसी एक्ट्रेस को उसके निभाए किरदारों के लिए दोष देना आसान है, लेकिन असल कहानी कुछ और है। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि जाह्नवी कपूर ने पोस्ट-प्रोडक्शन के दौरान उन शॉट्स पर साफतौर पर सवाल उठाए थे।

पोस्ट में आगे लिखा है, उन्होंने एक प्रोफेशनल सीमा तय की थी, लेकिन फाइनल एडिट में भी वह फुटेज रखा गया। यह मामला ऐसा नहीं है कि एक्ट्रेस अपने लिए आवाज नहीं उठा पाईं। बल्कि यह मामला डायरेक्टर का है जिन्होंने एक सीमा को नजरअंदाज किया क्योंकि उन्होंने तय किया कि उनके बॉक्स ऑफिस नंबरों की तुलना में एक्ट्रेस की सहमति कम जरूरी है।

शनिवार को डायरेक्टर बुची बाबू सना ने *पेद्दी* से जुड़े विवाद पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, एक फिल्ममेकर के तौर पर मेरा मानना है कि सिनेमा को दर्शकों का मनोरंजन करना चाहिए, उन्हें प्रेरित करना चाहिए और उनसे जुड़ना चाहिए। इससे कभी भी किसी को असहज या अपमानित महसूस नहीं होना चाहिए। हमने *पेद्दी* के कुछ सीन्स पर मिली प्रतिक्रिया को सुना है और इसे गंभीरता से लिया है। अगर फिल्म के किसी हिस्से को उस नजरिए से देखा गया है, तो हम उन भावनाओं का सम्मान करते हैं। उठाई जा रही चिंताओं को समझते हैं और इसके लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं।

जाह्नवी कपूर से जुड़ी इस कंट्रोवर्सी के बीच साउथ फिल्म पेद्दी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म में रामचरण ने एक चैलेंजिंग रोल निभाया है, उनकी प्रेमिका के रोल में जान्हवी कपूर नजर आई हैं।

नमस्कार अपर असम

प्रातः खबर

सोमवार, 8 जून 2026

मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	30°	19°
डिब्रुगढ़	29°	17°
तिनसुकिया	30°	18°
शिवसागर	30°	19°

दुमदुमा में सुन्दरकाण्ड पाठ आज

संवाददाता

दुमदुमा, 7 जून। चाय नगरी दुमदुमा की धार्मिक संस्था श्री सुन्दरकाण्ड समिति द्वारा अपने सप्ताहिक सुन्दरकाण्ड पाठ के अंतर्गत मंगलवार को नगर के बन्दर पट्टी निवासी दिनेश शर्मा के आवास पर संध्या छः बजे से भजनामृत संगीतमय सुन्दरकाण्ड के पाठ का आयोजन किया गया है। समिति ने सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं को समय पर उपस्थित होकर अपना सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया है । उल्लेखनीय है कि विगत मंगलवार को समिति का वार्षिक महोत्सव बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था।

Ph. : 2548109 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

एक बार फिर कृत्रिम बाढ़ की चपेट में आया वाणिज्यिक शहर तिनसुकिया

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 7 जून। वाणिज्यिक शहर तिनसुकिया एक बार फिर कृत्रिम बाढ़ की समस्या से जूझता नजर आया।शहर में चारो तरफ सिर्फ पानी ही पानी दिखाई कि पड़ा।रविवार को हुई घंटे भर की तेज बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी।बारिश के चलते शहर के कई प्रमुख मार्गों सहित भीतरी हिस्सा की सड़को पर भारी जलभराव हो गया,जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में शामिल एस.के.एस.पॉइंट से माकुम रोड की ओर जाने वाले मोड़ पर भारी जलभराव हो गया।सड़क पर घुटनों तक पानी जमा होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और राहगीरों को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा शहर के अन्य कई प्रमुख मार्ग और रिहायशी इलाके भी जलमग्न हो गए। जलभराव के कारण कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई तथा दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। नागरिकों ने संबंधित विभाग से स्थायी समाधान की मांग करते हुए शहर की जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की अपील की है। बारिश के बाद एक बार फिर सामने आई इस समस्या ने जल निकासी व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

शिवसागर जिला छात्र संस्था ने पांच सौ से अधिक मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

खबर संवाददाता

शिवसागर, 7 जून। हाल ही में घोषित हाईस्कूल शिक्षांत (एचएसएलसी) एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल करने वाले शिवसागर जिले के 500 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को शनिवार को सदौ शिवसागर जिला छात्र संस्था द्वारा विशेष सम्मान प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम शिवसागर आंचलिक छात्र संस्था के सहयोग से शिवसागर नाट्य मंदिर में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शिवसागर वाणिज्य महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सामूहिक गीत से हुआ। समारोह की अध्यक्षता जिला छात्र संस्था के अध्यक्ष मानव हजारिका ने की, जबकि संचालन महासचिव दीपांकर सैकिया ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अतिरिक्त जिला आयुक्त विदिशा सैकिया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सम्मान समारोह विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और समाज के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर अखिल असम छात्र संस्था (आसू) के महासचिव समीरण फुकन ने कहा कि शिक्षा ही विद्यार्थियों का सबसे सशक्त हथियार है। उन्होंने युवाओं से कड़ी मेहनत, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने तथा अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. सुरजीत बरकटकी ने विद्यार्थियों से कहा कि परीक्षा में प्राप्त अंक जीवन की सफलता का अंतिम पैमाना नहीं होते, बल्कि निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और सही दिशा में प्रयास ही व्यक्ति को सफलता के शिखर तक पहुंचाते हैं। कार्यक्रम में शिवसागर गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रतिम शर्मा तथा वीर लाचित बरफुकन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पंकज ज्योति हजारिका ने भी प्रेरणादायक संबोधन दिया। अंत में जिले के 500 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान पत्र, लेदर फाइल तथा पुस्तक खरीदने के लिए विशेष कूपन देकर सम्मानित किया गया। समारोह में आसू के केंद्रीय संगठन सचिव जितेंद्र चूतिया सहित विभिन्न क्षेत्रीय छात्र संगठनों के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ओएनजीसी की कथित स्थानीय विरोधी नीतियों के खिलाफ शिवसागर में आटासू की जनसभा

खबर संवाददाता

शिवसागर, 7 जून। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) को निजीकरण की दिशा में ले जाने, नई नियुक्तियों पर रोक लगाने तथा महत्वपूर्ण कार्यालयों को असम से बाहर स्थानांतरित किए जाने के विरोध में शनिवार को सदौ ताई अहोम छात्र संस्था (आटासू) के आह्वान पर शिवसागर में एक जनसभा आयोजित की गई। सभा में विभिन्न सामाजिक एवं जातीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर ओएनजीसी की नीतियों पर चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम का उद्घाटन गड़गांव महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिवसागर प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. सब्यसाची महंत ने किया। उन्होंने कहा कि ओएनजीसी में निजीकरण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और नई भर्तियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा की जा रही है। उनका आरोप था कि असम के बजाय बाहरी राज्यों में नियुक्तियां कर बाद में कर्मचारियों को शिवसागर भेजा जा रहा है। सभा में वक्ताओं ने दावा किया कि ओएनजीसी के पास पर्याप्त तकनीकी क्षमता होने के बावजूद कई तेल क्षेत्रों का संचालन निजी कंपनियों को सौंपा जा रहा है। साथ ही वर्षों से स्थानीय युवाओं के लिए नई नियुक्तियां बंद होने से रोजगार का संकट गहराता जा रहा है। ओएनजीसी के सेवानिवृत्त अधिकारी पोनाराम मिली ने कहा कि आधुनिक मशीनों और नई तकनीक के कारण कर्मचारियों की आवश्यकता कम हुई है, जिससे नई नियुक्तियों में गिरावट आई है। वहीं अन्य वक्ताओं ने शिवसागर को 'तेल नगरी' घोषित करने और क्षेत्र के संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार सुनिश्चित करने की मांग उठाई। आटासू के केंद्रीय अध्यक्ष बसंत गोगोई ने स्पष्ट कहा कि जब तक स्थानीय युवाओं के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं होती और ओएनजीसी अपनी कथित स्थानीय विरोधी नीतियों में बदलाव नहीं करती, तब तक संगठन का आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने ओएनजीसी के किसी भी कार्यालय को शिवसागर से स्थानांतरित नहीं करने तथा यहां की चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर और आम लोगों के लिए सुलभ बनाने की भी मांग की। जनसभा में ओएनजीसी के निजीकरण की प्रक्रिया रोकने, स्थानीय लोगों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने, कार्यालयों के स्थानांतरण पर रोक लगाने, ठेका आवंटन की व्यवस्था नाजिरा में बनाए रखने तथा अस्पताल की सुविधाओं में सुधार सहित दस सूत्रीय मांगें रखी गईं।

असम चाय जनजाति छात्र संस्था ने मनाया शहीद दिवस

संवाददाता

दुमदुमा, 7 जून। असम चाय जनजाति छात्र संस्था (आट्सा) तिनसुकिया जिला समिति के सौजन्य तथा असम चाय जनजाति महिला समिति के आतिथ्य में 38वें शहीद दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आट्सा की दुमदुमा, तालाप, माकुम, तिनसुकिया, डिगबोई, पेंगरी तथा मार्घेरिटा शाखाओं के साथ-साथ असम चाय जनजाति महिला समिति सहयोग से आयोजित किया गया। चाय जनजाति समुदाय के अधिकारों और विभिन्न ज्वलंत मांगों को लेकर वर्षों से चल रहे आंदोलन के दौरान शहीद हुए आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जा रहा है । आट्सा ने बताया कि वर्ष 1988 के 7 जून को चाय बागान मालिकों एवं प्रबंधन के खिलाफ चलाए गए आंदोलन में भाग लेने के दौरान दुर्घटना में मारे गए अष्टम और नवम श्रेणी के छात्र कृतिनाथ छत्री, गोलेश्वर छत्री, बुलु कुर्मी, इंद्र तांती एवं एडमंड बार्ला के याद में तथा 1992 में आनंद खालक , 2009 के 7 जून को आटसा के अजीत मुंडा, नारायण दास, विनंद पातर, अजय कुर्मी,सामु पातर तथा 2019 में का आंदोलन में शहीद हुए ईश्वर नायक के याद में आज आट्सा द्वारा शहीद दिवस पालन किया गया । विभिन्न आंदोलनों में शहीद हुए लोगों को भी श्रद्धांजलि दी गई। सर्व प्रथम तिनसुकिया जिला समिति के आट्सा अध्यक्ष जगत नायक ने ध्वजारोहण किया। शहीद तर्पण जिला सचिव अनूज तांती ने किया तत्पश्चात दो मिनट का मौन रख कर शहीदों को याद किया गया। 38वें शहीद दिवस के अवसर पर दुमदुमा दुर्गाबाड़ी प्रेक्षागृह में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्मृति चारण सभा आयोजित किया गया । जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों सहित आट्सा तिनसुकिया जिला समिति के अध्यक्ष जगत नायक तथा सचिव अनुज तांती दुमदुमा आंचलिक सचिव योगेश्वर नंद, केन्द्रीय समिति के सदस्य रूपेश तांती, पूर्व आटसा नेता नकूल संवासी सहित उपस्थित लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित च की। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मावलंबी के सर्व धर्म सभा में शांति पाठ किया गया। उसके बाद प्रेक्षागृह में आयोजित सभा में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया गया।शाम गांधी मुर्ती समीप शहीदों की याद में दीप प्रज्ज्वलित केन्द्रीय समिति के सदस्य रूपेश तांती के नेतृत्व में किया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन एवं श्री मारवाड़ी दुर्गा पूजा कमेटी का पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

खबर संवाददाता

तिनसुकिया 7 जून। मारवाड़ी सम्मेलन,तिनसुकिया शाखा एवं श्री मारवाड़ी दुर्गा पूजा कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से शिवधाम मंदिर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर निर्धारित था,किंतु नगरबंध के कारण इसे 7 जून,रविवार को संपन्न किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भोलेनाथ को प्रसाद अर्पण कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान परिसर में आम,जामुन, अमरूद, आंवला एवं औषधीय पौधों सहित विभिन्न प्रकार के वृक्षों का रोपण किया गया।साथ ही समाज के उन दिवंगत समाजसेवियों की स्मृति में भी पौधारोपण किया गया,जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन एवं श्री मारवाड़ी दुर्गा पूजा कमेटी के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।प्रमुख रूप से मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय सहायक मंत्री हेमंत जीतानी ,अध्यक्ष पवन केजड़ीवाल, सचिव विमल चौखानी,जनसंपर्क अधिकारी दीपक बजाज, उपाध्यक्ष समीर गोयल,दामोदर शर्मा,रमेश शर्मा,संयुक्त सचिव मनोज अग्रवाल,नारायणराम भाटीवाड़ा, सुशील अग्रवाल ,राजकुमार अग्रवाल, बजरंगलाल केजड़ीवाल, निखिल पारीक, निर्मल शर्मा(पटवारिया)तथा मारवाड़ी दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष अशोक केजड़ीवाल,सचिव समीर गोयल, कोषाध्यक्ष सुनील लुंडिया, संयोजक विकास केजड़ीवाल,संयोजक दीपक बजाज,शांतिलाल जैन,विवेक गाड़ोदिया,वरुण अग्रवाल,संतलाल जालान, प्रकाश जिंदल एवं सचिव के सुपुत्र तेजस गोयल एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में अपने संबोधन में श्री पवन केजड़ीवाल, श्री समीर गोयल,श्री दीपक बजाज सहित सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण एवं ग्लोबल वार्मिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया।श्री बजरंगलाल केजड़ीवाल ने पर्यावरण पर अपनी कविता पाठ किया जिसकी सभी ने सराहना की।कार्यक्रम शिवधाम मंदिर के पुजारी श्री धर्मेंद्रजी की देखरेख में किया गया। समिति ने गेलापोखरी चाय बागान की स्वताधिकारी श्रीमती अंबिका कनोई का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया जिन्होने पौधारोपण के लिए पौधे मुहैया करवाए। कार्यक्रम के पश्चात सभी सदस्यों के लिए जलपान की व्यवस्था दीपक बजाज जी के आवास पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सोनल बजाज के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर की गई,जहाँ सभी ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में जलपान ग्रहण किया।

मरियानी में सांची लकड़ी तस्करी को लेकर बड़ी खुलासा

खबर संवाददाता

मरियानी, 7 जून। मरियानी में सांची लकड़ी के अवैध कारोबार को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि वन विभाग की कथित मिलीभगत से पड़ोसी नागालैंड से प्रतिदिन सांची लकड़ी की तस्करी कर असम लाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नकचारी क्षेत्र के कुछ सांची व्यवसायी बिना किसी वैध दस्तावेज के नागालैंड से लकड़ी लाकर कारोबार चला रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मरियानी के क्षेत्रीय वन अधिकारीयो को मेनेज कर इस अवैध कारोबार को संरक्षण दिया जा रहा है। शनिवार रात नागालैंड से आ रहे सांची लकड़ी से लदे दो पिकअप वाहनों को स्थानीय लोगों ने पकड़कर वन विभाग के हवाले किया। आरोप है कि संबंधित वन अधिकारी शुरू में लकड़ी को वैध बताने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पत्रकारों द्वारा रेंज कार्यालय पहुंचकर वीडियो रिकॉर्डिंग और समाचार संकलन शुरू किए जाने के बाद वन विभाग को दोनों वाहनों को जब्त करना पड़ा। मामले में सबसे बड़ा सवाल नागालैंड सरकार द्वारा जारी एक रसीद को लेकर उठ रहा है। रसीद में चार सांची पेड़ों का उल्लेख करते हुए उनका कुल वजन मात्र आठ किलोग्राम दर्शाया गया है, जबकि दोनों पिकअप वाहन सांची लकड़ी के भारी-भरकम लट्ठों से पूरी तरह भरे हुए थे। ऐसे में आठ किलोग्राम वजन दर्शाने वाले दस्तावेज के आधार पर लकड़ी को वैध साबित करने की कोशिश को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। वन विभाग द्वारा जब्त किए गए दोनों पिकअप वाहनों के पंजीकरण नंबर एएस03सीसी5823 और एएस03सीसी0930 बताए गए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में व्यापक चर्चा और प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मारवाड़ी युवा मंच, तिनसुकिया शाखा की प्रथम आम सभा एवं 'मनीवाइज़ योर मनी, लेट इट वर्क हार्ड फॉर यू सत्र का सफल आयोजन

खबर संवाददाता

तिनसुकिया,7 जून। मारवाड़ी युवा मंच,तिनसुकिया शाखा द्वारा सत्र 2026-27 की प्रथम आम सभा एवं वित्तीय जागरूकता सत्र 'मनीवाइज़योर मनी, लेट इट वर्क हार्ड फॉर यू' का सफल आयोजन होटल द मिराना, तिनसुकिया में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष सीए अर्पित केड़िया ने की तथा मंच संचालन युवा निकुंज जालान ने किया। मंचासीन अतिथियों में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि श्री राहुल अग्रवाल, संस्थापक सचिव श्री विमल शर्मा, शाखा कोषाध्यक्ष युवा शुभम तोदी,सह सचिव युवा अंकुर गोयल तथा मंडल ए की उपाध्यक्ष श्रीमती लता जिंदल उपस्थित थीं। कार्यक्रम में मंच के मशाल पुरुष रामजीवन सुरेखा, लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल संजय खेतान,विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी,समाजसेवी,मंच के वरिष्ठ सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ असम के जातीय संगीत 'ओ मोर आपोनार देश' से किया गया। प्रथम सत्र में आयोजित आम सभा में समाजहित,संगठन के आगामी कार्यक्रमों, सेवा परियोजनाओं तथा शाखा के विज़न पर विस्तृत चर्चा की गई।सभा का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके पश्चात इंटीग्रिटी मनीट्री के सहयोग से आयोजित 'मनीवाइज़ योर मनी, लेट इट वर्क हार्ड फॉर यू' सत्र में ओडिशा से पधारे प्रख्यात बिजनेस कोच एवं मुख्य वक्ता श्री धनंजय बंथिया ने उपस्थितजनों को अर्थव्यवस्था,वित्तीय योजना,निवेश,कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा बदलते व्यावसायिक परिवेश के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में वित्तीय साक्षरता एवं तकनीकी समझ प्रत्येक व्यक्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा सही वित्तीय योजना व्यक्ति एवं परिवार के भविष्य को सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। श्री बंथिया के प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक विचारों को सुनने के लिए उपस्थितजन कार्यक्रम के अंतिम क्षण तक जुड़े रहे। उनके संबोधन की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की तथा इसे अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायी एवं समयानुकूल बताया। मुख्य अतिथि श्री राहुल अग्रवाल ने अपने संबोधन में संगठन की गतिविधियों, युवा शक्ति की भूमिका एवं समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शाखा के कार्यों की सराहना की तथा आगामी कार्यक्रमों हेतु शुभकामनाएँ प्रदान कीं। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों का असमिया फूलाम गमछा एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में सह सचिव युवा अंकुर गोयल ने सभी अतिथियों,सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शाखा समाज सेवा, युवा सशक्तिकरण एवं जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित करने हेतु प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के उपरांत सभी उपस्थितजनों ने सामूहिक भोज का आनंद लिया।

टिंगखांग में भीषण सड़क दुर्घटना: ट्रेलर और बाइक की आमने-सामने टक्कर, एक की मौत

संवाददाता

मोरानहाट, 7 जून। टिंगखांग के तीनआली चाय बागान क्षेत्र में मोराननाहरकटिया मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में ऑयल की मशीन ढोने वाली 14-पहिया ट्रेलर और एक मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कुंवरी गांव, बरपथार निवासी राजीव कोंवर (52) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, टक्कर के बाद ट्रेलर चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे पलट गया। ट्रेलर का रजिस्ट्रेशन नंबर -02--2345 बताया गया है, जबकि दुर्घटनाग्रस्त हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल का नंबर -06--4299 है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर नाहरकटिया से टिंगखांग की ओर जा रही थी, जबकि बाइक टिंगखांग से नाहरकटिया की दिशा में आ रही थी। इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त करने के साथ ही शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए प्रेषित कर मामले के जांच में जुटी है ।

मार्घेरिटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने स्वर्गीय बिनु चेतिया की स्मृति में आयोजित की श्रद्धांजलि सभा

संवाददाता

मार्घेरिटा, 7 जून। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा में रविवार को मार्घेरिटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रख्यात समाजसेवी, परोपकारी एवं महान मानवतावादी स्वर्गीय बिनू चेतिया की स्मृति में कांग्रेस भवन में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनसेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा तथा मार्घेरिटा के विकास के लिए उनके आजीवन समर्पण को याद किया गया।यह कार्यक्रम स्वर्गीय बिनू चेतिया के सर्वोच्च बलिदान की मार्मिक याद दिलाने वाला रहा। वे एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने वर्ष 1996 के असम विधानसभा चुनाव में मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। हालांकि, चुनाव प्रचार के दौरान मार्घेरिटा के उलुप क्षेत्र में अज्ञात उग्रवादियों द्वारा उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिससे उनका उज्ज्वल राजनीतिक सफर असमय समाप्त हो गया। उनकी शहादत आज भी क्षेत्र में साहस, शांति और विकास के प्रति समर्पण का प्रतीक मानी जाती है। श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत स्वर्गीय बिनू चेतिया के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उनकी पत्नी रंजू चेतिया, पुत्र त्रिदीप चेतिया, परिजनों, स्थानीय निवासियों तथा कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।इसके बाद मार्घेरिटा के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों एवं वक्ताओं ने स्वर्गीय बिनू चेतिया के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने मार्घेरिटा क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वे अनेक शिक्षित युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत एवं आदर्श बन गए।इस दुखद घटना के 30 वर्ष बाद आयोजित इस स्मृति सभा में बड़ी संख्या में परिवार के सदस्य, स्थानीय निवासी तथा मार्घेरिटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब देखने को मिला जब स्वर्गीय बिनू चेतिया की पत्नी रंजू चेतिया, पुत्र त्रिदीप चेतिया, पोते-पोतियां तथा अन्य परिजन उपस्थित लोगों द्वारा व्यक्त सम्मान और स्नेह को देखकर भावुक हो गए। कार्यक्रम के समापन के समय वातावरण भावनाओं से ओत-प्रोत था। यह आयोजन केवल शोक तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आशा और संकल्प का संदेश भी देकर गया। उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प व्यक्त किया कि स्वर्गीय बिनू चेतिया के आदर्श, साहस और निस्वार्थ सेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों को मार्घेरिटा सह-जिला तथा पूरे असम में निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

प्रातः खबर
सोमवार, 8 जून 2026

जोरहाट पुलिस की जांच में डकैती कांड से उठा पर्दा
माँ ने बेटे के साथ रहने के लिए रचाया नाटक, ओसी ऋषिकेश हजारिका बोले -पुलिस पर रखें विश्वास

खबर संवाददाता

जोरहाट 7 जून। जोरहाट पुलिस ने बीते मंगलवार की शाम गन प्वाइंट पर हुए कथित डकैती कांड से आज पर्दा उठा दिया। पुलिस की तफ्तीश में पर्दे के पीछे छिपा जो सच सामने आया है, उसने समाज जीवन में लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। मालूम हो कि भोगदोई पुलिस चौकी अंतर्गत ज्योतिपुर कोलाखोवा में सरे शाम अकेली बुजुर्ग महिला को धमका कर डकैती का सनसनीखेज मामला सामने आया था। रूबी पात्र नामक महिला के घर में हुई इस वारदात में सोने की तीन अंगूठियां और नकद धन दो नकाबपोश लुटेरों द्वारा लूट ले जाने की बात सामने आई थी। लेकिन पुलिस की जांच में पूरी कहानी मनगढ़ंत निकली। सदर थाना प्रभारी ऋषिकेश हजारिका और भोगदोई चौकी प्रभारी आकाश गोगोई ने आज मीडिया को मामले की तफ्तीश से जुड़ी जानकारी देते हुए बताया कि रूबी पात्र खुद ही इस पूरे नाटक की सूत्रधार है। रूबी का इकलौता बेटा किराए के मकान में अपनी पत्नी के साथ अलग रहता है। घर में अकेली रूबी चाहती थी कि बेटा किसी तरह उसके साथ रहे। इसी नीयत से उसने डकैती की कहानी गढ़ी। ओसी ऋषिकेश हजारिका ने कहा कि अपनी अब तक की पुलिस सर्विस में उन्होंने ऐसा मामला कभी नहीं देखा। यह संवेदनशील घटना है, जहां अपराध का उद्देश्य सोचने पर मजबूर करता है। मामले की तफ्तीश से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए उन्होंने बताया कि डकैती की यह घटना पुलिस के लिए बदनामी की वजह बन रही थी। गुवाहाटी और नगांव के बाद जोरहाट में ऐसी घटना ने सभी के कान खड़े कर दिए थे। जिस इलाके में वारदात हुई, वहां बीते तीस सालों में छोटी मोटी चोरी की वारदात भी कभी नहीं हुई। पुलिस ने पूरे इलाके और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी खंगाले तो कोई चेहरा नजर नहीं आया। वहीं पीड़िता के बयानों में लगातार विरोधाभास लग रहा था। ह्यूमन इंटेलीजेंस की मदद भी ली गई। आखिर पुलिस की पूछताछ में रूबी ने सच सामने रखा। रूबी के इस नाटक ने पुलिस को कई दिनों तक बेवहज व्यस्त रखा। लेकिन अपराध की नीयत और रूबी की मानसिक हालत को देखते हुए पुलिस ने कानूनी कार्रवाई में नरमी के संकेत दिए है। ओसी हजारिका ने इस पूरे मामले को अपवाद बताते हुए लोगों से पुलिस पर भरोसा बनाए रखने की अपील की। वहीं माता पिता के प्रति अपने दायित्वों का पालन करने की नसीहत भी लगे हाथ दे डाली।

जोरहाट में रविवार को श्री पूनरासर सुन्दरकांड परिवार के सदस्य राम मंदिर में वार्षिकोत्सव का सफल आयोजन करने के पश्चात उत्साह की मुद्रा में। फोटो - खबर

हजरत मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी की निंदा, तीन लोगों की गिरफ्तारी की मांग

रंगिया, 7 जून (ख.सं)। ऑल बोड़ो माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएमएसयू) ने आज आज रंगिया प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता में पैगंबर हजरत मोहम्मद के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए तीन व्यक्तियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। एबीएमएसयू के अध्यक्ष टायसन हुसैन ने आरोप लगाया कि हिरण हिंदू असम, रूपा कलिता और रातुल कलिता ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर अपमानजनक और सांप्रदायिक टिप्पणियां की हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गयी है। उन्होंने असम पुलिस की आलोचना करते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। हुसैन ने मांग की कि मामले की सीआईडी जांच कराकर संबंधित व्यक्तियों को जल्द गिरफ्तार किया जाये। एबीएमएसयू ने कहा कि धार्मिक उकसावे और सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सरूपथार के एक नंबर राजापुखुरी के संरक्षण एवं विकास की मांग

खबर संवाददाता

सरूपथार, 7 जून। सरूपथार उपमंडल के अंतर्गत स्थित एक नंबर राजापुखुरी आज इतिहास और प्रकृति के एक अनूठे संगम स्थल के रूप में पहचान बना चुका है। प्राचीन कछारी राजवंश की स्मृतियों को संजोए यह ऐतिहासिक तालाब अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता के कारण प्रतिदिन अनेक राहगीरों, प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। वर्तमान समय में तालाब के चारों ओर खिले सोनारू (अमलतास) के पीले फूल पूरे क्षेत्र को सुनहरी आभा से सजा रहे हैं। विशाल जलराशि, किनारों पर कतारबद्ध वृक्ष तथा रमणीय प्राकृतिक वातावरण आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। व्यस्त जीवन से कुछ समय निकालकर प्रकृति के सान्निध्य का

आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं।प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ एक नंबर राजापुखुरी एक गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत भी अपने भीतर समेटे हुए है। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार, प्राचीन कछारी राजा ने जल संरक्षण और जनकल्याण के उद्देश्य से इस विशाल आयताकार तालाब का निर्माण कराया था। समय के अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद यह तालाब आज भी इतिहास का मौन साक्षी बनकर खड़ा है। राजापुखुरी के समीप स्थित रानीपुखुरी भी एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर है। स्थानीय लोगों का मानना है कि कछारी शासनकाल में ही दोनों तालाबों का निर्माण कराया गया था। यही कारण है कि यह क्षेत्र केवल प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, बल्कि अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए भी विशेष रूप से जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि बीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक में राजापुखुरी के किनारे एक गांव बसाया गया था। तालाब के नाम पर ही उस गांव का नाम राजापुखुरी श्याम गांव रखा गया, और आज भी यही नाम क्षेत्र की पहचान बना हुआ है। हालांकि समय के साथ राजापुखुरी के प्रति लोगों की रुचि बढ़ी है, लेकिन इसके संरक्षण तथा पर्यटन सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था का अभाव स्पष्ट रूप से महसूस किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और इसे एक विकसित पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है इतिहास की गौरवगाथा और प्रकृति की अनुपम सुंदरता को एक साथ समेटे हुए एक नंबर राजापुखुरी के समुचित संरक्षण और विकास के माध्यम से भविष्य में इसे असम के प्रमुख ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों में शामिल किया जा सकता है, ऐसी आशा जागरूक नागरिकों ने व्यक्त की है

डिब्रूगढ़ को मिला नया फूड डेस्टिनेशन: चौपाटी फूड कोर्ट हब का भव्य शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 7 जून। डिब्रूगढ़ शहर के खान-पान प्रेमियों के लिए रविवार का दिन एक नई सौगात लेकर आया। एच.एस. रोड स्थित बहुप्रतीक्षित चौपाटी फूड कोर्ट हब का आज डिब्रूगढ़ नगर निगम के महापौर डॉ. सैकत पात्रा एवं उपमहापौर उज्ज्वल फुकन ने विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के साथ ही यह अत्याधुनिक फूड कोर्ट आम जनता के लिए खोल दिया गया। शहर के मध्य स्थित इस फूड कोर्ट हब में 21 विभिन्न फूड स्टॉल्स स्थापित किए गए हैं, जहां स्थानीय असमिया व्यंजनों, उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, चाइनीज़, फास्ट फूड, स्नैक्स, मिठाइयों और पेय पदार्थों सहित विविध प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध रहेंगे। एक ही परिसर में इतनी विविधता उपलब्ध होने से यह स्थान भोजन प्रेमियों के लिए विशेष

आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए महापौर डॉ. सैकत पात्रा ने कहा कि डिब्रूगढ़ तेजी से आधुनिक शहर के रूप में विकसित हो रहा है और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि चौपाटी केवल एक फूड कोर्ट नहीं, बल्कि सामाजिक मेलजोल, पारिवारिक मनोरंजन और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह परियोजना शहर की आर्थिक गतिविधियों को भी गति प्रदान करेगी। उपमहापौर उज्ज्वल फुकन ने कहा कि इस प्रकार की आधुनिक सुविधाएं किसी भी शहर की पहचान को नई दिशा देती हैं। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग, परिवार और पर्यटक अब एक सुरक्षित, स्वच्छ और आकर्षक वातावरण में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। यह पहल शहर के रात्रिकालीन जीवन को भी नई पहचान देने में सहायक सिद्ध होगी। फूड कोर्ट परिसर को आधुनिक सुविधाओं, आकर्षक बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ वातावरण और परिवार- अनुकूल माहौल के साथ विकसित किया गया है। उद्घाटन के अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक, व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। लोगों ने इस नई पहल का स्वागत करते हुए इसे डिब्रूगढ़ के विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।स्थानीय व्यापारियों का मानना है कि चौपाटी फूड कोर्ट से न केवल लोगों को बेहतर खान-पान की सुविधा मिलेगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। शहरवासियों में इस नए फूड हब को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला और उद्घाटन के पहले ही दिन यहां लोगों की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ी।डिब्रूगढ़ के शहरी विकास और आधुनिक जीवनशैली की ओर बढ़ते कदमों के बीच चौपाटी फूड कोर्ट हब को शहर के लिए एक नई पहचान और आकर्षण के रूप में देखा जा रहा है। आने वाले दिनों में इसके डिब्रूगढ़ के सबसे लोकप्रिय फूड एवं मनोरंजन स्थलों में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

एएमसीएच में रॉबिन हुड आर्मी का सेवा अभियान
मरीजों के परिजनों को कराया पौष्टिक भोजन

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़ 7 जून। मानव सेवा को समर्पित संस्था रॉबिन हुड आर्मी (आरएचए) डिब्रूगढ़ ने असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएमसीएच) में एक सराहनीय सेवा अभियान चलाते हुए ऑर्थोपेडिक एवं गायनोकोलॉजी विभागों में भर्ती मरीजों के परिजनों और तीमारदारों के बीच ताज़ा तैयार खिचड़ी का वितरण किया। अस्पतालों में अपने प्रियजनों की देखभाल में दिन-रात जुटे रहने वाले अनेक परिजन अक्सर भोजन और आराम जैसी अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को भी नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे लोगों को राहत पहुंचाने और उनके प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से यह विशेष पहल की गई। स्वयंसेवकों ने अस्पताल परिसर में मौजूद जरूरतमंद परिजनों तक पहुंचकर स्नेहपूर्वक भोजन वितरित किया। रॉबिन हुड आर्मी डिब्रूगढ़ ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना भी है। संस्था ने इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं, शुभचिंतकों और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।इस सेवा अभियान में सुदीप दत्ता, निखिल पासवान, ज्योति कौर, पारस अग्रवाल, प्रतिभा वर्मा, प्रगति शर्मा, स्निग्धा दास तथा लक्ष्मी शर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्वयंसेवकों ने मरीजों के परिजनों से बातचीत कर उनका हालचाल भी जाना और उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।उल्लेखनीय है कि रॉबिन हुड आर्मी डिब्रूगढ़ समय-समय पर खाद्य वितरण, जनसेवा और सामाजिक सहायता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। संस्था के ऐसे प्रयास समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों के लिए आशा और सहारे का माध्यम बन रहे हैं तथा युवाओं को भी सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

भोगदोई में अवैध खनन ने फिर ली छात्र की जान

खबर संवाददाता

जोरहाट 7 जून। जोरहाट की भोगदोई नदी में लंबे समय से जारी अवैध बालू खनन के कारण बने गहरे गड्ढों में डूबकर एक और छात्र की मौत हो जाने से क्षेत्र में तीव्र आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने इस घटना के लिए प्रशासन और वन विभाग की निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराते हुए अविलंब बालू खनन पर रोक लगाने लोकी मांग की है। जानकारी के अनुसार जोरहाट केंद्रीय महाविद्यालय के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर के छात्र नीरज देवनाथ (19) शनिवार को दोपहर करीब 3:30 बजे घर के पास क्रिकेट खेलने के लिए निकला था। कुछ समय बाद उनके परिवार को फोन पर सूचना मिली कि नीरज नदी में डूब गया हैं। बताया जाता है कि नीरज भोगदई नदी में स्नान करने उतरा था। नदी के अधिकांश हिस्से में पानी कम होने के बावजूद बालू खनन के कारण बने एक गहरे गड्ढे में अचानक चले जाने से वह डूबने लगा। उस के साथ मौजूद मित्र तैरना नहीं जानता था, इसलिए उसने तुरंत स्थानीय लोगों और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने नदी में खोजबीन शुरू की। कुछ देर बाद नीरज के पिता भी घटनास्थल पर पहुंच गए। काफी प्रयास के बाद गहरे गड्ढे से नीरज को बाहर निकाला गया और तत्काल ई-रिक्शा से जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां सामान्यतः पानी की गहराई बहुत कम है, लेकिन अवैध बालू खनन के कारण कई गहरे गड्ढे बन गए हैं। इन्हीं गड्ढों में फंसकर नीरज की जान चली गई। क्षेत्रवासियों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में भोगदोई नदी में बालू खनन से बने गहरे गड्ढों में डूबकर लगभग 15 युवकों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद प्रशासन और संबंधित विभागों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने एक बार फिर भोगदोई नदी में अवैध बालू खननपर तत्काल रोक लगाने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है।

रंगामाटी में पति ने की पत्नी की हत्या, जंगल में छिपाया शव

पर्वतझोरा, 7 जून (ख.सं)। असम के पर्वतझोरा क्षेत्र स्थित रंगामाटी हिल्स में एक दिल दहला देने वाली हत्या की घटना सामने आयी है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव को घने जंगल में छिपा दिया और बाद में उसे लापता बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार आरोपी हानिफ अली अपनी पत्नी को लकड़ी काटने के बहाने जंगल में ले गया, जहां उसने कथित रूप से उसकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद उसने शव को जंगल में छिपा दिया ताकि किसी को इस अपराध की भनक न लगे। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद और तनाव चल रहा था। हत्या के बाद स्वयं को बचाने के उद्देश्य से हानिफ अली ने पत्नी के लापता होने की कहानी गढ़ी और बोगरीबाड़ी थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करायी। हालांकि पुलिस जांच के दौरान आरोपी के बयान और परिस्थितियों पर संदेह होने के बाद मामले की गहन पड़ताल की गयी। जांच में हत्या का पूरा मामला सामने आ गया। इसके बाद पुलिस ने घने जंगल से महिला का शव बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी पति हानिफ अली को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में हत्या से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है और स्थानीय लोगों के बीच गहरा आक्रोश तथा शोक का माहौल है।

विश्व साइकिल दिवस पर डिब्रूगढ़ में उमड़ा जनसैलाब

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 7 जून। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में आज रविवार को डिब्रूगढ़ में आयोजित साइकिल रैली ने स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता का प्रभावशाली संदेश दिया। उत्साह और ऊर्जा से भरपूर इस रैली में शहर के साइकिल प्रेमियों, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, फिटनेस उत्साहियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न आयु वर्ग के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।सुबह सात बजे चौकीडिंगी स्थित शिफ्ट बाइसिकल स्टोर से प्रारंभ हुई रैली बैरागीमठ, डॉ. लीला गोगोई फ्लाईओवर और चाउलखोवा मार्ग से गुजरते हुए लाहोवाल के बकुल बाईपास स्थित अवनीश एस्टेट में संपन्न हुई। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने अनुशासित ढंग से साइकिल चलाते हुए स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली के दौरान वक्ताओं ने कहा कि साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और टिकाऊ विकास का प्रतीक है। आज जब प्रदूषण, ट्रैफिक जाम और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं, ऐसे समय में साइकिल का उपयोग एक प्रभावी समाधान के रूप में उभर रहा है।प्रतिभागियों ने लोगों से दैनिक जीवन में छोटी दूरी तय करने के लिए साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाने से न केवल ईंधन की बचत होती है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन, हेलमेट के उपयोग और जिम्मेदार यातायात व्यवहार के प्रति भी जागरूकता फैलायी गई। रैली के समापन पर आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित यह रैली डिब्रूगढ़ में सामुदायिक सहभागिता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और फिटनेस संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल साबित हुई।

गौरीपुर में नकली सोने के साथ तीन बंदी

गौरीपुर, 7 जून (ख.सं)। गौरीपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली सोने की तस्करी में संलिप्त तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खुधीमारी क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर आरोपियों को नकली सोने के एक टुकड़े (नग) के साथ दबोचा। गिरफ्तार किये गये आरोपियों की पहचान लखीमपुर के बंगालमारा निवासी महिर उद्दीन, खुधीमारी निवासी जाहिरुल इस्लाम तथा फूलकटारी निवासी फैजल हक के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा जब्त किये गये नकली सोने का कुल वजन लगभग 2.15 किलोग्राम बताया गया है। बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गयी है।

Onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250